21:11:2023
web: www.rashtriyakhabar.com

अखबार जो बदल दे नजरिया
राष्ट्रीय ख़बर
हमारी नज़र

पेज ›› 12 मूल्य ›› 3 रुपये ›› वर्ष ›› 14 अंक ›› 315 epaper.rashtriyakhabar.com कार्तिक, शुक्लपक्ष नवमी, विक्रम संवत 2080

विदुर नीति

तद् तप्तं प्रणमति न तत्संतापयन्त्यपि।
यच्च स्वयं नतं दारू न तत्सन्नमयन्त्यपि॥

भावार्थ : तपाए बिना ही जो धातु मुड़ जाती है उसे कोई मट्टी में नहीं झोंकता। जैसे स्वयं झुकी हुई लकड़ी को कोई नहीं झुकाता अतः विनयी व अवसर के अनुसार एडजस्ट करनेवाला व्यक्ति कष्ट नहीं पाता।

रांची पारा अपडेट

मैक्सिमम	मिनीमम
27.00 °C	17.00 °C

सूर्यास्त (आज) ›› 17 .02 बजे
सूर्योदय (कल) ›› 06 .06 बजे

चुनाव वाले पांच राज्यों में 1760 करोड़ का माल और नकदी जब्त

नयी दिल्ली: भारतीय निर्वाचन आयोग ने सोमवार को बताया कि पांच राज्यों में इस समय चल रहे विधानसभा चुनावों की घोषणा के बाद उसने इन राज्यों में अब तक कुल 1760 करोड़ रुपये की नकदी, शहराब और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए उन्हें मुफ्त दिये जाने वाले सामान जब्त किये हैं। आयोग ने एक विज्ञप्ति में बताया कि यह जब्ती प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग और समन्वय के साथ की गयी है। इन कार्रवाइयों में सबसे अधिक नकदी तेलंगाना में और सबसे कम (शून्य) नकदी मिजोरम में पकड़ी गयी है। इन राज्यों में इस बार की गयी जब्ती इन पांचों राज्यों में 2018 में कराये गये राज्य विधानसभा चुनावों के दौरान इस तरह की जब्ती की तुलना में करीब सात गुना है। आयोग की चुनाव के दौरान जब्ती की कार्रवाई के लिये स्थापित प्रबंधन प्रणाली और प्रवर्तन एजेंसियों ने अब तक 373 करोड़ रुपये की नकदी, 215 करोड़ रुपये की शराब, 245 करोड़ रुपये की ड्रग, 371 करोड़ रुपये की बहुमूल्य धातुयें, 556 करोड़ रुपये के मुफ्त बांटने के सामान जब्त किये हैं।

पंजाब विधानसभा का सत्र 28-29 नवम्बर को

चंडीगढ़: पंजाब सरकार ने राज्य की 16वीं विधानसभा का पांचवां और शीतकालीन सत्र 28 और 29 नवम्बर को बुलाने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अध्यक्षता में सोमवार को यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने संवाददाताओं से कहा कि सत्र केवल दो दिन का होगा तथा इसमें कुछ लम्बित महत्वपूर्ण विधेयक लाये जायेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने हालांकि सत्र लम्बा होने के संकेत दिये थे। उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार ने विधानसभा के चौथे सत्र के विस्तार के तौर गत 20 और 21 अक्टूबर को बैठक बुलाई थी जिसे राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने गैरकानूनी करार दे दिया था। विधानसभा का यह सत्र एक दिन की बैठक के बाद ही बिना कोई कार्यवाही के ही अनिश्चितकाल के लिये स्थगित कर दिया गया था। श्री चीमा ने बताया कि बैठक में पटियाला स्थित महाराजा भूपिंदर विश्वविद्यालय में कामकाज सुचारु रूप से चलाने के लिये नौ पद सृजित करने को भी मंजूरी प्रदान की गयी।

एक लाख 83 हजार से अधिक डाक मतपत्रों से मतदान

जयपुर: राजस्थान में 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव में लगे एक लाख 83 हजार से अधिक कार्मिक डाक मतपत्र से अपना मतदान कर चुके हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि चुनाव ड्यूटी में लगे कार्मिकों, पुलिस अधिकारियों आदि द्वारा सभी जिलों में बने फेसिलिटेशन सेंटर्स पर अब तक एक लाख 83 हजार 467 मत डाले गए हैं। रविवार को 45 हजार 872 मतदान कार्मिकों द्वारा मताधिकार का प्रयोग किया गया। श्री गुप्ता ने बताया कि प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों एवं अन्य जिलों में चुनाव कार्य में नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए डाक मतपत्र से मतदान करने के लिए फेसिलिटेशन सेंटर स्थापित किये गए हैं। इन केंद्रों पर 24 नवंबर तक मतदान किया जा सकेगा। उन्होंने निर्देश दिये हैं कि इन सुविधा केन्द्रों के अतिरिक्त प्रत्येक रिटर्निंग अधिकारी स्वयं के कार्यालय में एक सुविधा केन्द्र 22 से 24 नवंबर तक स्थापित करना सुनिश्चित करेंगे।

बंदरगाह पर आग लगने से 40 नावें जलकर नष्ट

विशाखापत्तनम: आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में सोमवार तड़के मछली पकड़ने के एक बंदरगाह में भीषण आग लगने से कम से कम 40 नावें जलकर नष्ट हो गईं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अंतिम रिपोर्ट आने तक घटना में किसी के हताहत होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। स्थानीय अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए दमकलों को मौके पर भेजा गया है। आग लगने का कारणों का अभी तात्कालिक रूप से पता नहीं चल सका है।

अपरिहार्य कारणों से आज का अंक 12 पृष्ठों का है। पाठकों की असुविधा के लिए हमें खेद है।

चेतावनी › राज्यपाल से पूछा तीन साल क्या कर रहे थे

राज्य सरकार से टकराव पर सुप्रीम कोर्ट का कड़ा रुख

- अनिश्चितकाल तक रोककर नहीं रख सकते
- दोबारा भेजे गये बिलों पर कुछ नहीं कर सकते
- केरल के मामले में भी ऐसी ही कार्यवाही की गयी

राष्ट्रीय खबर

नयी दिल्ली: पंजाब सरकार वनाम राज्यपाल का मामला निपटते ही अब सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु का मामला आ गया है। इस पर अदालत ने राज्यपाल के रवैये पर आपत्ति जतायी है। उच्चतम न्यायालय ने विधेयकों पर फैसला लेने के मामले में तमिलनाडु के राज्यपाल की ओर से देरी पर सोमवार को सवाल किया कि वह तीन साल से क्या कर रहे थे। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से पूछा, राज्यपाल को संबंधित पक्षों के उच्चतम न्यायालय जाने का इंतजार क्यों करना चाहिए? राज्यपाल तीन साल तक क्या कर रहे थे। पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत ने 10 नवंबर 2023 को आदेश पारित किया था, जबकि ये विधेयक जनवरी 2020 से लंबित हैं। पीठ ने आगे कहा, इसका मतलब है कि राज्यपाल ने अदालत द्वारा नोटिस जारी करने के बाद फैसला लिया। इस पर श्री वेंकटरमणी ने पीठ के समक्ष कहा कि विवाद केवल उन विधेयकों से संबंधित है जो राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति से संबंधित राज्यपाल की शक्तियों को छीनने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, इसलिए कुछ पुनर्विचार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल केवल तकनीकी पर्यवेक्षक नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ताजा मामले को उन बिलों की वैधता पर मंजूरी के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए।

तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील ए एम सिंघवी, पी विल्सन और मुकुल रोहतगी ने दलील दी कि अनुच्छेद 200 का मतलब यह नहीं है कि राज्यपाल बिल रोकेंगे। रोकने के पीछे कोई ठोस कारण होना चाहिए। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि अनुच्छेद 200 के मूल भाग के तहत राज्यपाल के पास कार्रवाई के तीन तरीके हैं- वह राष्ट्रपति के लिए विधेयकों को मंजूरी दे सकते हैं, रोक सकते हैं और आरक्षित कर सकते हैं। पीठ ने कहा, जब वह (राज्यपाल) सहमति रोकते हैं, तो क्या उन्हें इसे पुनर्विचार के लिए भेजने की आवश्यकता है? श्री सिंघवी ने कहा, जब आप (राज्यपाल) सहमति रोकते हैं तो आपको इसे सदन को वापस भेजना होता है या यह कहना होता है कि मैं इसे राष्ट्रपति के पास भेज रहा हूं। पीठ ने बताया कि लंबित विधेयकों में से सबसे पुराना विधेयक जनवरी 2020 में राज्यपाल को भेजा गया था। जिन तारीखों पर दस विधेयक राज्यपाल कार्यालय को भेजे गए थे, वे 2020 से 2023 के बीच थे। अटॉर्नी जनरल ने कहा कि वर्तमान राज्यपाल आर एन रवि ने नवंबर 2021 में ही पदभार संभाला है।

इस पर पीठ ने कहा कि मुद्दा यह नहीं है कि क्या किसी विशेष राज्यपाल ने देरी की, बल्कि यह है कि क्या सामान्य तौर पर संवैधानिक कार्यों को करने में देरी हुई है। श्री विल्सन ने तमिलनाडु सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि यदि राज्यपाल को अनिश्चित काल तक बिलों को रोकने की अनुमति दी जाती है तो शासन पंगु हो जाएगा। संविधान ने राज्यपाल को ऐसी शक्ति देने की कभी परिकल्पना नहीं की है। शीर्ष अदालत को सूचित किया गया कि याचिका पर नोटिस जारी करने के बाद राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने कुछ विधेयकों पर अनुमति रोक दी है। इसके बाद विधानसभा ›› शेष पेज 2 पर

कंप्यूटर हैक कर करोड़ों रुपये की ठगी

कॉल सेंटर की आड़ में अंतर्राष्ट्रीय ठगी का भंडाफोड़

राष्ट्रीय खबर

कोलकाता: कुछ युवकों ने कॉल सेंटर की आड़ में कंप्यूटर हैक कर करोड़ों रुपये की ठगी की। इसकी शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी गिरोह की जांच करें। तब बैरकपुर पुलिस के खुफिया विभाग ने उस शिकायत के चलते देहरादून से 6 लोगों को गिरफ्तार किया था। इस अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी चक्र का पदार्फाश कर बड़ी सफलता हासिल हुई है। बैरकपुर पुलिस कमिश्नरेट के डीसी नॉर्थ श्रीहरि पांडे ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे ऑपरेशन की जानकारी दी। यह ठग वरिष्ठ नागरिकों को धोखा देते हैं और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के माध्यम से उनके बैंक खातों से करोड़ों रुपये साफ कर लेते हैं। बैरकपुर पुलिस कमिश्नरेट ने इस साइबर धोखाधड़ी का खुलासा किया। गिरफ्तार लोगों को शनिवार को अदालत में पेश किया गया।

इस बीच पुलिस सूत्रों के मुताबिक 18 अक्टूबर को खरदा थाने की पुलिस ने एक अवैध कॉल सेंटर पर छापेमारी की। वहां से पुलिस को कई दस्तावेज हाथ लगे और पता चला कि ठगी का यह नेटवर्क काफी दूर तक फैला हुआ है। यहां से 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस सबूत की जांच बैरकपुर खुफिया विभाग को दी गई। जांच करने पर पुलिस को और जानकारी मिली कि कॉल सेंटर के पीछे अमेरिका और कनाडा में कई लोगों के बैंक खातों से करोड़ों रुपये उड़ाए गए थे। और धोखाधड़ी के इस कृत्य के मुख्य आरोपी फरार हो गए हैं।

वहीं 25 अक्टूबर को बैरकपुर के खुफिया विभाग ने जांच के दौरान एक और शख्स को गिरफ्तार किया। फिर अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी गिरोह के बारे में पता लगाने के लिए सभी से पूछताछ की जाती है। श्रीहरि पांडे ने कहा, उस जानकारी के आधार पर बाकी ऑपरेशन चलाया गया। शनिवार को गिरफ्तार किए गए लोगों को सामने लाया गया। सूत्रों के मुताबिक पुलिस उनसे बार-बार पूछताछ करेगी। जांच अधिकारी यह देखना चाह रहे हैं कि पर्दे के पीछे कोई और भी तो नहीं है। और क्या ज्ञात है?

गुप्त सूत्रों से सूचना पाकर खुफिया विभाग के कुछ अधिकारी देहरादून गये। वहां के एक लग्जरी होटल से छह लोगों का अपहरण कर बैरकपुर लाया गया। उन्हें 14

म्यांमार में सेना और विद्रोही गुटों के बीच चल रहा सशस्त्र संघर्ष गंभीर

विद्रोहियों से हार रही है वहां की सेना

- भारत के दरवाजे तक आ पहुंचा युद्ध
- सैनिक भागकर शरण ले रहे हैं यहां
- रखाइन राज्य से चालीस हजार विस्थापित

भूपेन गोस्वामी

गुवाहाटी : म्यांमार में सेना और विद्रोही गुटों के बीच चल रहा सशस्त्र संघर्ष गंभीर होता जा रहा है। इस जंग में अब सेना के गुटों की तरफ से हवाई हमले भी शुरू हो गए हैं जिससे म्यांमार के लोग अपनी जान बचाने के लिए भारत आ रहे हैं।म्यांमार में सेना और विद्रोही गुटों के बीच चल रहे सशस्त्र संघर्ष का देशभर में बुरा असर पड़ रहा है। हाल ही में मिली जानकारी के अनुसार इस संघर्ष की वजह से रखाइन राज्य में 10,000 हजारों लोग विस्थापित हो गए हैं।म्यां मार में सत्ता पर काबिज सरकारी सेना और विद्रोहियों के बीच भीषण युद्ध जारी है। आलम यह है कि बड़ी संख्याव में म्यां मार की सेना के जवान जान बचाकर भारत भागने को मजबूर हो गए हैं। दोनों के बीच यह लड़ाई भारत के लिए बड़ी चिंता का सबब बन गया है। ›› शेष पेज 2 पर

चुनावी बॉड शायद देश का सबसे बड़ा घोटाला: सिब्बल

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने हाल ही में कहा था कि चुनावी बांड योजना शायद देश के इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला है और इस योजना का पूरा उद्देश्य सत्तारूढ़ राजनीतिक दल को समृद्ध करना है। उन्होंने इस योजना को लोकतंत्र और चुनावी प्रणाली में तोड़फोड़ करार दिया। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की व्यवस्था के तहत चुनाव कभी भी स्वतंत्र या निष्पक्ष नहीं हो सकते। 2 नवंबर को, सुप्रीम कोर्ट ने अज्ञात चुनावी बांड योजना का मार्ग प्रशस्त करने वाले वित्त अधिनियम, 2017 द्वारा पेश किए गए संशोधनों को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना, बीआर गवई, जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की संविधान पीठ ने तीन दिनों तक मामले की सुनवाई की। याचिकाकताओं में से एक के लिए बहस करने वाले सिब्बल ने साक्षात्कार की शुरूआत में कहा कि वह आमतौर पर उन मामलों पर नहीं बोलते हैं जिनमें उन्होंने बहस की है, हालांकि मामले की गंभीरता के कारण उन्होंने मामले के बारे में बोलने का विकल्प चुना। यह पहली बार है कि मैं वास्तव में किसी ऐसे मामले के संबंध में साक्षात्कार दे रहा हूं जिसमें मैंने तर्क दिया है। मैं आम तौर पर ऐसा नहीं करता हूं और फिर भी मेरा मानना है कि यह इतना महत्वपूर्ण मामला है कि मुझे देश के सामने तथ्य रखने की जरूरत है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद, भाजपा, कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग (ईसी) को प्राप्त और भुनाए गए चुनावी बांड का विवरण जमा कर दिया है। चुनाव आयोग ने 2 नवंबर के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुपालन में सभी पक्षों को 15 नवंबर तक ये विवरण जमा करने का निर्देश दिया। जबकि कुछ दलों ने समय सीमा पूरी कर ली है, चुनाव आयोग 19 नवंबर तक सुप्रीम कोर्ट में जमा करने की नियत तारीख के बाद भी जवाब स्वीकार करना जारी रखेगा। भाजपा ने मार्च 2018 और 30 सितंबर, 2023 के बीच प्राप्त और भुनाए गए चुनावी बांड का वर्ष-वार विवरण प्रदान किया। चुनावी बांड, राजनीतिक दलों को गुमनाम दान की अनुमति देते हैं, सरकार द्वारा एसबीआई के माध्यम से त्रैमासिक बेचे जाते हैं।

सरकार की आलोचना भर करने से गिरफ्तारी नहीं हो सकती

पत्रकार को रिहा कर दिया हाई कोर्ट ने

श्रीनगर: सरकार की आलोचना करने पर न सिर्फ गिरफ्तारी हो सकती है, बल्कि कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर के एक पत्रकार को रिहा कर दिया है। अदालत के इस फैसले को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि हाल के दिनों में देश के दूसरे हिस्सों में भी सरकारी काम काज की आलोचना की वजह से कई पत्रकारों को जेल जाना पड़ा है। जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट ने पत्रकार सज्जाद अहमद गुल की हिरासत या गिरफ्तारी को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा, केवल सरकार की आलोचना किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी का आधार नहीं हो सकती। हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि सज्जाद पर लगे आरोपों में कोई दम नहीं है। इसके विपरीत, अदालत ने पत्रकार को गिरफ्तार करने के लिए संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई। पिछले साल 22 जनवरी को पुलिस ने सज्जाद को जम्मू-कश्मीर पब्लिक सेफ्टी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ शत्रुता को बढ़ावा देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। उस मामले में मुख्य न्यायाधीश एन कोटेश्वर सिंह और एमए चौधरी की खंडपीठ ने कहा था कि सरकार के किसी भी फैसले या काम की ›› शेष पेज 2 पर

खोज › एक जैसे क्यों नहीं होती इंसानी खोपड़ी पर भी अनुसंधान

सर का आकार डीएनए पर निर्भर करता है

- छह हजार एमआर स्कैन का नमूना था
- थ्री डी मॉडल से इसकी जांच की गयी
- जीन ही सर की बीमारियों से जुड़ा है

राष्ट्रीय खबर

वेनबर्ग और उनके सहयोगियों ने कपाल वॉल्ट से संबंधित 3डी सतहों को निकालने के लिए 6,000 से अधिक किशोरों के एमआर स्कैन का उपयोग किया। आकार को मापने के बाद, उन्होंने वॉल्ट आकार के उपायों के साथ सांख्यिकीय जुड़ाव के साक्ष्य के लिए 10 मिलियन से अधिक आनुवंशिक वेरिएंट का परीक्षण किया। वेनबर्ग ने कहा, कपाल वॉल्ट के पिछले आनुवंशिक अध्ययनों में अपेक्षाकृत सरल उपायों की एक छोटी संख्या शामिल थी।

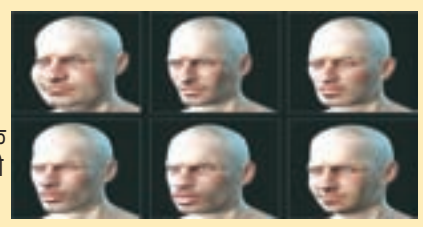

रांची: हम सभी अपनी आंखों से देखकर यह जानते हैं कि हर इंसान का सर अलग होता है और लोगों के चेहरे भी अलग अलग होते हैं। इस अंतर को हम आंखों की वजह से समझ तो सकते हैं पर पहली बार यह पता चला है कि इंसानी सर का अलग अलग आकार दरअसल उसके डीएनए पर निर्भर करता है। पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय और केयू ल्यूवेन के शोधकताओं ने जीन के एक समूह की खोज की है जो मनुष्यों में सिर के आकार को प्रभावित करते हैं। नेचर कम्युनिकेशंस में इस सप्ताह प्रकाशित ये निष्कर्ष, मानव सिर के आकार की विविधता को समझाने में मदद करते हैं और खोपड़ी को प्रभावित करने वाली स्थितियों, जैसे क्रानियोसिनेस्टोसिस, के आनुवंशिक आधार के बारे में महत्वपूर्ण सुराग भी प्रदान कर सकते हैं।

कपाल तिजोरी के माप का विश्लेषण करके - खोपड़ी का वह हिस्सा जो सिर के गोलाकार शीर्ष का निर्माण करता है और मस्तिष्क की रक्षा करता है - टीम ने सिर के आकार के विभिन्न पहलुओं से जुड़े जीनोम के 30 क्षेत्रों की पहचान की, जिनमें से 29 का पता नहीं लगाया गया है पहले रिपोर्ट किया गया। पिट स्कूल ऑफ डेंटल मेडिसिन में मौखिक और क्रैनियोफेशियल विज्ञान के प्रोफेसर और सह-निदेशक, सह-वरिष्ठ लेखक सेठ वेनबर्ग, ने कहा, मानवविज्ञानियों ने 20 वीं शताब्दी की शुरूआत से कपाल आकार के आनुवंशिकी पर अनुमान लगाया है और बहस की है। हम कुछ दुर्लभ मानव स्थितियों और पशु प्रयोगों से जानते थे कि जीन इस बॉल्ट के आकार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन सामान्य आबादी में देखी जाने वाली विशिष्ट विशेषताओं के आनुवंशिक आधार के बारे में बहुत कम जानकारी थी, जैसे कि किसी का सिर लंबा क्यों होता है और संकीर्ण बनाम छोटा और चौड़ा। इस अध्ययन से मानव शरीर के इस हिस्से में भिन्नता लाने वाले कुछ प्रमुख जीनों का पता चलता है। शोधकताओं के अनुसार, मानव सिर के आकार में प्राकृतिक भिन्नता लाने वाले कारकों को बेहतर ढंग से ›› शेष पेज 2 पर

अज्ञात चीज क्या यूएफओ थी पर चर्चा

इंफाल का एयरपोर्ट कई घंटों तक बंद किया गया

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: मणिपुर की राजधानी इंफाल का एयरपोर्ट कई घंटों के लिए अचानक बंद कर दिया गया था। आसमान पर किसी असामान्य गतिविधि की नजर आने की वजह से ऐसा किया गया था। इसके बाद से ही यह चर्चा फैल गयी है कि वहां पर आसमान में यूएफओ देखा गया है। रविवार (19 नवंबर) को राजधानी इम्फाल शहर के हवाई अड्डे के रनवे के पास एक अज्ञात उड़ने वाली वस्तु देखे जाने के बाद भारत का पूर्वोत्तर मणिपुर राज्य अलर्ट पर है। एक सूत्र के हवाले से बताया गया है कि अज्ञात हवाई वाहन को दोपहर 2 बजे (स्थानीय समय) देखा गया था। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मियों द्वारा जिसके बाद परिचालन रोक दिया गया और तीन बाहर जाने वाली उड़ानों के लगभग 500 यात्री फंसे हुए थे। सूत्रों ने बताया कि हवाई अड्डे के अधिकारियों ने नियंत्रित हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया और सभी उड़ान संचालन तुरंत रोक दिया। दो उड़ानों को डायवर्ट किया गया, जबकि तीन में देरी हुई। रिपोर्टों के मुताबिक, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) और जमीन पर मौजूद लोगों ने ड्रोन को देखा, जिसके बाद तीन उड़ानों - दो एयर इंडिया और एक इंडिगो की उड़ान - को ऐसा न करने को कहा गया। उड़ान भरना। वहीं, आने वाली दो उड़ानों को डायवर्ट किया गया। हवाई अड्डे के निदेशक चिपेम्मी कीशिंग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, इम्फाल नियंत्रित हवाई क्षेत्र के भीतर एक अज्ञात उड़ने ›› शेष पेज 2 पर

राष्ट्रीय ख़बर हमारी नज़र राजनीति

web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rashtriyakhabar.com

कार्रवाई 21 नवंबर तक लगी है पीड़क कार्रवाई पर रोक

आचार संहिता उल्लंघन मामला: सीएम हेमंत सोरेन के मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई आज

राष्ट्रीय खबर

रांची: दिवाली पर्व पर अवकाश के बाद झारखंड हाई कोर्ट मंगलवार से अपने निर्धारित समय से चलेगा। सीएम हेमन्त सोरेन की ओर से सरायकेला खरसांवा के आदित्यपुर थाना में दर्ज प्राथमिकी (418/2014) को चुनौती देने वाले क्रिमिनल रिट की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में मंगलवार यानी 21 नवंबर को होगी। मामले में कोर्ट ने पिछली सुनवाई में राज्य सरकार को नोटिस जारी कर 3 सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। साथ ही कोर्ट ने हेमन्त सोरेन के खिलाफ 21 नवंबर तक पीड़क कार्रवाई पर रोक भी लगाई थी।याचिका में प्रार्थी हेमंत सोरेन ने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2014 में चुनाव के दौरान वह अपनी पार्टी के प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार करने गए थे। उन्होंने आचार संहिता का उल्लंघन नहीं किया था। उस दौरान उन पर आचार संहिता उल्लंघन का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस मामले की सुनवाई पश्चिम सिंहभूम की निचली अदालत में चल रही है। प्रार्थी ने अदालत में चल रही कार्रवाई पर रोक लगाने व उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने की मांग की है। बता दें कि आदित्यपुर थाना में दर्ज प्राथमिकी में हेमंत सोरेन को आईपीसी की धारा 188,506 और 125 आरपी एक्ट (रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपल एक्ट) की धाराओं में आरोपी बनाया गया है।

झामुमो बाबूलाल फोबिया से ग्रसित: शाहदेव

राष्ट्रीय खबर

रांची: भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने झामुमो के प्रेस कॉन्फ्रेंस पर पलटवार करते हुए कहा कि एनआरसी के मुद्दे पर झामुमो को हमेशा सांप सूंघ जाता है। दरसल यह बांग्लादेशी मुसलमान और रोहिंग्या मुसलमान का समर्थन करने वाली पार्टी है । तभी यह नहीं चाहती कि अल्पसंख्यक कल्याण की योजनाओं का पूरा हिस्सा झारखंड के मुसलमान को मिले। बल्कि वो तो ऐसा चाहती है कि स्थानीय मुसलमान के हिस्से को भी मुस्लिम घुसपैठिये लूट कर ले जाए। प्रतुल ने कहा कि संथालपरगना में लगातार मुस्लिम घुसपैठिए आदिवासी बेटियों को लव जिहाद के जाल में फंसा कर स्थानीय निकाय और जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। फिर भी झामुमो उनकी वकालत कर अपना आदिवासी विरोधी चेहरा दिख रहा है। प्रतुल ने कहा बाबूलाल मरांडी की लोकप्रियता से झामुमो के नेताओं के चेहरे के रंग उड़ गए हैं। पूरा झामूमो बाबूलाल फोबिया से ग्रसित है। पहले विपक्ष के नेता के पद पर आसीन नहीं होने दिया और अब मयार्दाहीन बयान बाजी करके अपनी खींज निकाल रहे हैं। प्रतुल ने कहा कि प्रदेश में बाबूलाल मरांडी की स्वच्छ और विकास पुरुष की छवि से जनता प्रभावित रहती है।ऐसी छवि झामुमो के किसी नेता की दूर-दूर तक नहीं है।बल्कि उन्होंने तो 4 साल तक लूट का रिकॉर्ड कायम किया है। प्रतुल ने कहा ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री को सोते जागते ,खाते पीते सिर्फ बाबूलाल का डर सताता है। क्योंकि बाबूलाल मरांडी जी ने अनेक बार पब्लिक फोरम से कहा है कि उनकी सरकार जब भी आएगी तो इन 4 वर्षों में भ्रष्टाचार करने वाले नेताओं को जेल भेजा जाएगा। प्रतुल ने कहा कि 2024 में लाल कोठी में बड़े पैमाने पर सत्ताधारी दलों के नेताओं के लिए रहने की व्यवस्था करने की आवश्यकता होगी।

निजी काम
सेमुख्यमंत्री पत्नी संग पहुंचे बोकारो

बोकारो : सोमवार को राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पत्नी कल्पना सोरेन के साथ बोकारो पहुंचे। मुख्यमंत्री पत्नी के साथ हेलीकॉप्टर से बोकारो हवाई अड्डे पर पहुंचे। बोकारो हवाई अड्डे पहुंचने पर कई आला अधिकारियों ने मुख्यमंत्री तथा उनकी धर्मपत्नी कल्पना सोरेन का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। हालांकि इस दौरान हवाई अड्डे पर मीडिया अधिकारियों को जाने की इजाजत नहीं दी गई। मुख्यमंत्री के बोकारो आने की वजह साफ नहीं है परंतु सुत्रों के मुताबिक सीएम किसी निजी काम से बोकारो आए है।

राष्ट्रीय नेता होंगे शामिल

26 से 28 नवंबर तक ट्रेड यूनियन के तीन दिवसीय राज्यस्तरीय महापड़ाव की तैयारी पूरी

राष्ट्रीय खबर

रांची:ट्रेड यूनियनों की ओर से 26 से 28 नवंबर तक राज्यस्तरीय महापड़ाव का आयोजन किया जायेगा। आयोजन रांची में किया जायेगा। महापड़ाव का आयोजन संयुक्त किसान मोर्चा और स्वतंत्र फेडरेशनों के आह्वान पर किया जा रहा है। जिसकी तैयारी राज्य के ट्रेड यूनियनों ने कर ली है। सीटू, इंटक, एटक, एआईसीसीटीयू, एचएमएस, झारखंड राज्य किसान सभा, एआईकेएम समेत अन्य ट्रेड यूनियनों की सहभागिता इस महापड़ाव में रहेगी।सीटू के प्रकाश विप्लव ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि कार्यक्रम की सारी तैयारियां कर ली गयी है। महापड़ाव के लिये प्रचार प्रसार चलाया जा रहा है। जो ग्रमीण क्षेत्रों में अभियान की तरह चलाया गया। जिससे अधिक से अधिक ग्रामीणों की भागीदारी कार्यक्रम में हो। उन्होंने कहा कि केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर राज्य में प्रचार अभियान चलाया गया। प्रचार अभियान नयी दिल्ली में आयोजित मजदूरों-किसानों के अखिल भारतीय संयुक्त सम्मेलन की घोषणा के अनुसार आयोजित किया जा रहा है। जहां मजदूरों, किसानों, आम जनता से जुड़े 21 सूत्री मांगों को जन मुद्दा बनाया जा रहा है। इन 21 सूत्री मांगों में चार मजदूर लेबर संहिताओं को समाप्त करना, किसानों के लिए वैधानिक एमएसपी सुनिश्चित करना, विनिवेश और एनएमपी के प्रयासों को समाप्त करना, बिजली संशोधन विधेयक एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति वापस करना, अनौपचारिक क्षेत्र के कामगार ठेकेदार कामगार एवं स्कीम वर्कारों के लिए कानूनी तथा सामाजिक सुरक्षा, समान काम के लिए समान वेतन, शहरी क्षेत्रों के लिए रोजगार गारंटी समेत अन्य मांग है। विप्लव ने बताया कि महापड़ाव के तीनों दिन इन संगठनों के करीब पांच-पांच हजार कार्यकर्ता भाग लेंगे। प्रतिदिन संगठनों के राष्ट्रीय नेता संबोधित करेंगे।

खबरें पटना की

उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ ही छठ महापर्व हुई संपन्न

राष्ट्रीय खबर

नोख (रोहतास): नगर परिषद स्थित सुर्य मंदिर पोखरा तालाब के पास सोमवार को सुबह में उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया गया। वही 36 घंटो का निर्जल उपवास रख व्रतियों भगवान भास्कर से मनोकामना की। इस महापर्व को लेकर स्थानीय प्रशासन काफी चौकस दिखा। मौके पर ईओ अमित कुमार, सीओ सुमन कुमार, इंस्पेक्टर मनोज कुमार, थानाध्यक्ष उमेश कुमार सभी क्षेत्र में पुलिस बल के साथ पैनी नजर बनाएं हुए थें। साथ ही साथ सूर्य मंदिर कमेटी अध्यक्ष विनय कुमार, शंभू चंद्रवंशी पैक्स अध्यक्ष सूर्यदेव प्रसाद, पूर्व जिला परिषद सदस्य रवि शंकर सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष मनोज चंदेल, आम जनता पार्टी राष्ट्रीय प्रखंड अध्यक्ष, मंगल सिंह चंद्रवंशी, आम जनता पार्टी प्रखंड महामंत्री गोरख चंद्रवंशी, विश्वजीत कुमार, गुड्डू चंद्रवंशी, मंगल सिंह अन्य लोगों ने भी पूजा को सफल बनाने में दिन-रात एक कर अपना अहम भूमिका योगदान दिया।

छठपूजा के दौरान तीन बच्चों का तालाब में नहाने के दौरान डुबकर मौत

राष्ट्रीय खबर

पटना: जिले के राम कृष्ण नगर थाना अंतर्गत ब्रह्मपुर छठ पूजा के दौरान तालाब में नहाने के दौरान 03 बच्चों का डूबकर मौत हो गयीं। इस घटना के बाद स्वजन और आक्रोशित ग्रामीणों ने आगजनी करके सड़क जाम कर दिया। सड़क जाम होने के कारण वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस आक्रोशित लोगों को समझाने बुझाने में जुटी रही।काफी मसकत के बाद सडक से जाम हटाया गया

बताया जाता है कि सोमवार की सुबह मे ब्रह्मपुर तालाब में छठव्रति उदयीमान सूर्य के अर्घ्य दे रहे थे। इसी दौरान गोपालपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर निवासी गिरिजा यादव के 16 वर्षीय जुड़वां दो पुत्र सौरव कुमार और साहिल कुमार के साथ ही जगनपुरा निवासी संतोष केवट के 14 वर्षीय पुत्र सचिन केवट नहाने के लिए तालाब में उतर गए। इसी बीच तीन युवक तलाव में डूबने लगा। छठ व्रत की व्यवस्था के कारण तलाव में डूब रहे बच्चों पर किसी का ध्यान नहीं गया। तालाब में नहा रहे तीनों बच्चों का तालाब में डुबकर मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने इस घटना की निंदा करते हुए प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

संपतचक सीओ सुश्री शिखा ने बताया है कि यह घटना बिलकुल ही दुर्भाग्यपूर्ण है। छठपर्व के दौरान तालाब में नहाने के क्रम मे तीन बच्चे सौरभ साहिल और सचिन का मौत हो गई है। स्वजनों को सरकार की ओर मिलने वाला चार लाख की सहायता राशि दिया गया है। पुलिस तीनों बच्चों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है वही इस दर्दनाक हादसा जिला प्रशासन के पुख्ता व्यवस्था की कलयी खोल दी है

जुनून दो लोगों को पुलिस हिरासत में लेकर कर रही है पूछताछ, एक हथियार बरामद होने की पुष्टि एसपी ने की

प्रेम में असफल प्रेमी ने प्रेमिका के परिवार के छः लोगों को गोलियों से भूना, दो की मौत

राष्ट्रीय खबर

मुंगेर/ लखीसराय : मुंगेर प्रमंडल के लखीसराय जिले से एक बहुत बड़ी खबर आ रही है। प्यार में असफल हो जाने के बाद प्रेमी ने प्रेमिका के छह सदस्यों पर अंधाधुंध फायरिंग की। इस दौरान दो लोगों की घटनास्थल पर मौत हो गई। जबकि चार अन्य जख्मी हो गए। सभी जख्मी का इलाज के खातिर लखीसराय अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया। घटना कवैया थाना क्षेत्र के पंजाबी मोहल्ला बताया जाता है जबकि पुलिस ने मृतक की पहचान पंजाबी मोहल्ला ग्राम निवासी शशि भूषण झा के पुत्र राजनंदन झा एवं चंदन झा के रूप में की गई।वही परिवार के चार अन्य सदस्य दुर्गा कुमारी, लवली झा, प्रीति देवी, शशि भूषण झा इस घटना में गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। जिनको सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद पूरे मोहल्ले में दशरथ का माहौल कायम है। जबकि प्रत्यक्ष व्यक्तियों का कहना है कि प्रेमी आशीष ने पड़ोस के ही लड़की से प्रेम प्रसंग वर्षों से चल रहा था। आशीष लड़की से शादी करना चाहता था। परंतु लड़की का पिता शादी करने से इनकार कर दिया। इसके बाद गुस्से में आकर अपने प्रेमिका के एक ही परिवार के0 6 लोगों को गोली मार दी। जिसमे की दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर अवस्था में हो गए। घटना की पुष्टि करते हुए एसपी पंकज कुमार ने बताया कि प्रेम प्रसंग के कारण प्रेमी ने प्रेमिका की एक ही परिवार के 06 लोगों को गोली मार दी। जिसमें की दो लोगों की मौत घटनास्थल पर हो गई। जबकि चार अन्य घायल हो गए। फिल्मी स्टाइल में प्रेमी द्वारा प्रेमिका के 6 सदस्यों को हत्या करने के नियत से अंधड़ दूध फायरिंग की घटना के बाद पंजाबी मोहल्ले तथा आसपास के इलाके में दहसद का माहौल देखा जा रहा है। वही लखीसराय पुलिस अपराधियों की धर पकड़ के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इधर एसपी पंकज कुमार ने बताया कि देर शाम की पुलिस ने दो लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। साथ ही हत्या में प्रयुक्त एक हथियार को भी पुलिस ने बरामद किया है। देर शाम तक लखीसराय पुलिस प्रेमिका के परिवार पर फिल्मी स्टाइल में गोलीबारी की घटना को अंजाम करने वाले आशीष चौधरी को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। इधर लखीसराय पुलिस ने क्षेत्र वासियों से शांति व्यवस्था बहाल करने का अपील भी किया है।

पेज एक का शेष

राज्य सरकार से ...

का एक विशेष सत्र बुलाया गया और 18 नवंबर को उन्हीं विधेयकों को फिर से पास किया गया। शीर्ष अदालत को सूचित किया गया कि अब 15 विधेयक राज्यपाल के समक्ष लंबित हैं, जिनमें दस वे विधेयक भी शामिल हैं, जिन्हें विधानसभा द्वारा पुनः पारित किया गया है। शीर्ष अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए एक दिसंबर की तारीख मुकर्रर की है। दूसरी तरफ उच्चतम न्यायालय ने केरल विधानसभा से पारित विधेयकों को मंजूरी देने में अनिश्चितकालीन देरी के मामले में सोमवार को वहां के राज्यपाल कार्यालय और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। केरल सरकार ने यह आरोप लगाते हुए एक याचिका दायर की थी कि राज्यपाल विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने में अनिश्चितकालीन देरी कर रहे हैं। शीर्ष अदालत इस मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को करेगी। गौरतलब है कि इस मामले पर पंजाब और तमिलनाडु के बाद केरल शीर्ष अदालत में रिट याचिका दायर करने वाला तीसरा विपक्षी शासित राज्य है। तेलंगाना सरकार ने भी अप्रैल में इसी तरह की याचिका दायर की थी।

कॉल सेंटर की आड़ ....

पुलिस हिरासत के अनुरोध के साथ बैरकपुर अदालत ले जाया गया ताकि यह पता लगाया जा सके कि उनके साथ और कौन शामिल है। बैरकपुर पुलिस कमिश्नरेट के डीसी नॉर्थ श्रीहरि पांडे ने कहा, तीन दिन पहले उत्तराखंड के देहरादून में हमला हुआ था। कुल 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने विदेशी वरिष्ठ नागरिकों को लालच देकर और उनके कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को हैक करके उनके खातों से हजारों करोड़ रुपये उड़ा लिए। चार साल से आरोपी खारड़ा से ठगी का यह सिलसिला चला रहे थे।

सर का आकार डीएनए....

से आधुनिक मनुष्यों के प्रारंभिक विकास पर प्रकाश डालता है। एक महत्वपूर्ण खोज यह थी कि कई मजबूत संबंध जीन के पास होते हैं जो सिर और चेहरे के प्रारंभिक गठन और हड्डियों के विकास के नियमन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उदाहरण के लिए, खोपड़ी के समन्वय विकास में एक प्रमुख खिलाड़ी आरयूएन एक्स2 जीन में और उसके निकट के वेरिएंट, वॉल्ट आकार के कई पहलुओं से जुड़े थे। आरयूएन एक्स2 सहित कुछ जीनों में पूरे वॉल्ट को शामिल करने वाले वैश्विक प्रभाव थे, दूसरों ने अधिक स्थानीयकृत प्रभाव दिखाए जो केवल वॉल्ट के एक विशिष्ट हिस्से को प्रभावित करते थे, जैसे कि सर का केंद्रीय हिस्सा। जब शोधकताओं ने यूरोपीय, अफ्रीकी और स्वदेशी अमेरिकी वंश के प्रतिभागियों के सिर के आकार से जुड़े 30 जीनोमिक क्षेत्रों की तुलना की, तो उन्होंने पाया कि अधिकांश आनुवंशिक संबंध इन विभिन्न पैतृक समूहों में साझा किए गए थे। हालांकि अध्ययन स्वस्थ प्रतिभागियों पर केंद्रित था, वेनबर्ग के अनुसार, निष्कर्ष कपाल तिजोरी से जुड़े रोगों के जैविक आधार के बारे में महत्वपूर्ण सुराग प्रकट कर सकते हैं। इनमें से एक स्थिति क्रानियोसिनेस्टोसिस है, जो तब होती है जब खोपड़ी की हड्डियां बहुत जल्दी जुड़ जाती हैं जबकि मस्तिष्क अभी भी तेजी से बढ़ रहा होता है। न्यूरोसर्जरी के बिना, क्रानियोसिनेस्टोसिस स्थायी विकृति, मस्तिष्क क्षति, अंधापन और यहां तक कि मृत्यु का कारण बन सकता है। टीम ने दिखाया कि वॉल्ट आकार, बीएमपी 2, बीबीएस 9 और जेडआईसी 2 से जुड़े तीन जीनों के पास वेरिएंट भी क्रानियोसिनेस्टोसिस से जुड़े थे, जिससे पता चलता है कि ये जीन बीमारी के विकास में भूमिका निभा सकते हैं।

इंफाल का एयरपोर्ट ....

वाली वस्तु देखे जाने के कारण, दो उड़ानों को डायवर्ट कर दिया गया है और तीन प्रस्थान उड़ानों में देरी हुई है। सक्षम प्राधिकारी से मंजूरी मिलने के बाद उड़ान संचालन शुरू होगा। इंफाल से अगरतला, गुवाहाटी और कोलकाता के लिए प्रस्थान करने वाली तीन उड़ानें शाम 6 बजे तक निलंबित रहेंगी। दिल्ली से इम्फाल जाने वाली एक अन्य उड़ान को कोलकाता की ओर मोड़ दिया गया, जबकि गुवाहाटी से इम्फाल जाने वाली दोपहर 3.50 बजे की उड़ान, जिसे बाद में निलंबित कर दिया गया, शाम 6.50 बजे रवाना हुई। एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के एक अधिकारी ने बताया, शाम 4 बजे तक यूएफओ को हवाई क्षेत्र के पश्चिम की ओर जाते हुए नंगी आंखों से देखा जा सकता था।

सरकार की आलोचना....

आलोचना करने पर गिरफ्तारी होगी- प्रशासन को ऐसी मानसिकता नहीं रखनी चाहिए। ऐसी गिरफ़्तारियाँ कानून के दुरुपयोग के अलावा और कुछ नहीं हैं। हाई कोर्ट ने कहा कि यह दलील कहीं नहीं दी गई कि सजा की खबर सच्ची और झूठी है। यहां तक कि उनकी खबर से राज्य की सुरक्षा प्रभावित होने का भी कोई विशेष आरोप नहीं है। इससे पहले हाईकोर्ट की एकल पीठ ने सजा की याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने उनकी हिरासत में कोई दखल नहीं दिया। जम्मू-कश्मीर के पत्रकार ने फैसले को चुनौती देते हुए खंडपीठ में अपील की। उनकी याचिका पर दो जजों की बेंच ने जवाब दिया। केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने गिरफ्तारी का आदेश खारिज कर दिया।

विद्रोहियों से हार ...

दरअसल, ताजा लड़ाई भारतीय सीमा के पास हो रही है। इससे बड़ी तादाद में म्यां मार के लोग भी भारत में शरण ले रहे हैं। इस बीच म्यां मार की सैन्यं सरकार के कार्यकारी राष्ट्र पति मिंत श्वेय ने चेतावनी दी है कि उनका देश कई भागों में बंट सकता है। म्यां मार की सेना को ताजा हिंसा में भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है और उसे देश के कई हिस्सोंन से पीछे हटने को मजबूर होना पड़ा है।म्यांमार में सेना, जिसे जुंटा भी कहते हैं, शासन चलाती है। पर म्यांमार में पिछले कुछ समय से सैन्य शासन को विद्रोही गुटों से जबरदस्त चुनौती मिल रही है। सेना और विरोधी गुटों के बीच जमकर लड़ाई चल रही है। यहाँ 3 शक्तिशाली जातीय सशस्त्र समूहों ने मिलकर आक्रामक नेतृत्व किया है और हाल के हफ्तों में कई शहरों और सैन्य चौकियों को अपने कब्जे में ले लिया है जिसमें चीन की सीमा से लगे क्षेत्र भी शामिल हैं। यह 2021 के तख्तापलट के बाद से सैन्य शासन के प्रतिरोध में सबसे बड़ी जीत बताई जा रही है। इस वजह से म्यांमार सेना ने भी अपने हमलों को तेज कर दिया है। म्यांमार के कई हिस्सों में हिंसा चल रही है जिसका असर देश की जनता पर भी पड़ रहा है। हिंसा की वजह से विस्थापित लोगों की भी कमी नहीं है।हाल ही में मिली जानकारी के अनुसार म्यांमार में सेना और विद्रोही गुटों के बीच चल रही लड़ाई के चलते रखाइन राज्य में 40 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हो गए हैं। और यह सिर्फ इस हफ्ते की लड़ाई का नतीजा है। यूनाइटेड नेशन्स ने इस बात की जानकारी दी है।म्यांमार के सैन्यह राष्ट्रेपति ने लोगों से अपील की है कि वे सेना का समर्थन करें लेकिन जनता उनकी अपील पर कोई ध्या न नहीं दे रही है। एशिया टाइम्सस की रिपोर्ट के मुताबिक म्यांकमार की आबादी साढ़े 5 करोड़ है और इनमें से ज्या दातर लोग सेना की हार से खुश हो सकते हैं। ऐसी भी खबरें आ रही हैं कि म्यां मार की सेना अब आम नागरिकों को भी निशाना बना रही है। म्यां मार में सेना ने फरवरी 2021 में आंग सांग सू ची को हटाकर सत्तार पर कब्जाग कर लिया था। इसका आम जनता ने जोरदार विरोध किया और यही से हिंसक संघर्ष की शुरूआत हो गई।

सीएसपी संचालक से लूटने वाला चोर गिरफ्तार, टॉप 10 अपराधी की सूची में शामिल

जगदीशपुर/भोजपुर : पुलिस ने लूट कांड में वांछित टॉप 10 अपराधी की सूची में शामिल एक अपराधी को पुलिस ने दबोच लिया। गत 7 अगस्त की देर रात जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दीघा टोला गांव के समीप सत्या माईकों कैपिटल समूह के ईडीओ के कर्मी से एक लाख चौदह हजार रुपए लूट के मामले में एक आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। लूट की यह वारदात पीरो-जगदीशपुर स्टेट हाइवे मार्ग पर दीघा गांव के पास घटी थी। क्षेत्र के विभिन्न गांव से रुपया कनेक्शन करने के बाद सी.एस.पी में जमा करने जाने के दौरान एक बाइक पर सवार तीन अज्ञात अपराधियों द्वारा हथियार के भय दिखाकर रुपए और मोबाइल लूट ले गए थे। एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह ने स्थानीय थाना में प्रेस वार्ता कर जानकारी दी। बताया जा रहा है कि पुलिस को सूचना मिली कि लूट के आरोपित शाहपुर थाना के प्रसौडा गांव में छिपा है।

राष्ट्रीय ख़बर हमारी नज़र शिक्षा/धर्म

web : www.rashtriyakhabar.net
epaper.rashtriyakhabar.com

शहर ›› अपडेट

दिसंबर में जारी हो सकती है मॉडल सेट पेपर

रांची: झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने मैट्रिक और इंटरमीडिएट का मॉडल प्रश्न पत्र को लेकर अपडेट दिया है। जानकारी के अनुसार, झारखंड काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (जेसीईआरटी) ने मॉडल पेपर तैयार कर लिया है और जैक को सौंप दिया है। संभवत मॉडल सेट पेपर दिसंबर में जारी किया जा सकता है। मैट्रिक व इंटरमीडिएट परीक्षा 2024 को देखते हुए जैक में एक के बाद एक कामों को किया जा रहा है। इससे पहले फॉर्म भरने की तिथि की घोषणा की जा चुकी है। फॉर्म 16 नवंबर से 2 दिसंबर तक भरा जाएगा। वहीं जैक ने परीक्षा की तिथियों की भी घोषणा कर दी है, जो 6 से 26 फरवरी तक चलेगा। परीक्षा दो पालियों में लिया जाएगा। पहली पाली में मैट्रिक व दूसरी पाली में इंटरमीडिएट की परीक्षा ली जाएगी। वहीं जैक के अनुसार, इस बार एक भी डिग्री कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया नहीं जाएगा।

चुनाव तैयारी में जुटा चुनाव आयोग अब स्कूलों में मतदाता पहचान पत्र बनाने की तैयारी

18 साल पूरा करने वाले स्टूडेंट्स को मिलेगा मतदाता पहचान पत्र

›› आयोग का मुख्य फोकस मतदाता सूची पुनरीक्षण पर है

›› युवा मतदाता को अधिक से अधिक जोड़ना हमारा लक्ष्य है

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड के स्कूलों से 18 वर्ष पूर्ण कर पास आउट करनेवाले बच्चों को अब मतदाता पहचान पत्र देकर विदा किया जायेगा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर झारखंड राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा इसकी तैयारी शुरू की जा चुकी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने इसे जमीन पर उतारना शुरू कर दिया है। सोमवार 20 नवंबर को इसको लेकर राज्य के सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ वीडियो कॉफ्रेंसिंग के जरिए ये निर्देश दिए गए। इस मौके पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा इस कार्य को गंभीरता से अमल करने के निर्देश दिए गए। तीन सत्र में हुई अलग-अलग जिलों के साथ वीडियो कॉफ्रेंसिंग में मतदाता सूची पुनरीक्षण के अलावा लोकसभा चुनाव की तैयारी की समीक्षा की गई।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि लोकसभा चुनाव होने में अब महज 06 महीने भी नहीं बचे हैं। ऐसे में आयोग का मुख्य फोकस मतदाता सूची पुनरीक्षण पर है, जिसमें युवा मतदाता को अधिक से अधिक जोड़ना हमारा लक्ष्य है।

स्कूल से जैसे ही बच्चे पढ़कर निकलेंगे और वे 18 वर्ष पूरा कर लिए होंगे तो उन्हें तत्काल मतदाता पहचान पत्र दे दिया जाय, जिससे उन्हें भविष्य में कोई परेशानी नहीं होगी। भारत निर्वाचन आयोग के ताजा निर्देश के बाद +2 विद्यालय और कॉलेजों को लक्ष्य बनाया गया है। जहां पढ़ाई करने के बाद विद्यार्थियों को 18 वर्ष पूर्ण होते ही मतदाता पहचान पत्र मिल जायेगा। आयोग के इस निर्णय को जमीन पर उतारने के लिए इससे पहले सभी डीईओ और डीएसई को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा निर्देश दिए जा चुके हैं। बहरहाल 27 अक्टूबर को आयोग द्वारा जारी प्रारुप के बाद इस पर आपत्ति 9 दिसंबर तक मांगी गई है। जिसके बाद 26 दिसंबर तक सुधार करने के पश्चात अगले साल 5 जनवरी को नये वोटर लिस्ट का प्रकाशन होगा, जिसके आधार पर लोकसभा चुनाव कराया जायेगा।

झारखंड विधानसभा स्थापना दिवस बॉलीवुड सिंगर जावेद अली करेंगे परफॉर्म

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड विधानसभा स्थापना दिवस समारोह की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। 22 और 23 नवंबर को कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। 22 नवंबर को जहां उत्कृष्ट विधायक सम्मान समारोह होगा, वहीं 23 नवंबर को बॉलीवुड सिंगर जावेद अली प्रस्तुति देंगे। इस मौके पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, सभी मंत्री और पक्ष-विपक्ष के विधायक मौजूद रहेंगे। वहीं विधानसभा के अधिकारी व कर्मियों के साथ-साथ नक्सली घटनाओं में शहीद जवानों के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। वहीं 10वीं, 12वीं बोर्ड के टॉपरों और चंद्रयान मिशन से जुड़े झारखंड के तीन वैज्ञानिकों को विशेष तौर पर सम्मानित किया जाएगा। बता दें कि 23 नवंबर को शाम 6:00 बजे से विधानसभा परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत स्थानीय कलाकारों के लोक गायन व संगीत से होगी। कार्यक्रम में पार्श्व गायक जावेद अली लोगों को अपनी संगीत पर झुमाएंगे। वहीं गजल गायक कुमार सत्यम की गजलों का भी लोग लुत्फ उठाएंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में हास्य कलाकार रविंद्र जॉनी भी आ रहे हैं।

दीपावली मिलन सह अन्नकूट महोत्सव का आयोजन

राष्ट्रीय खबर

रांची: माहेश्वरी भवन में स्थापित संस्थापक स्वर्गीय गणेशनारायण साबु की मूर्ति पर माल्यार्पण कर, श्रुति चांडक द्वारा माहेश्वरी भवन परिसर में बनाई श्रीनाथ जी की रंगोली के आगे समाज जनों ने 11.00बजे दीप प्रज्वलित कर एक दूसरे को दिवाली की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। 11.30बजे से 1.00बजे तक श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में भजन गायक विभोर डागा, मनोज काबरा, मुकेश काबरा एवं हनुमान मंडल के सदस्यों ने भजन गायन किया।अपराह्न1.00बजे कार्यक्रम में उपस्थित रांची विधायक सीपी सिंह, अन्य सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के सचिव एवं समाज के वरिष्ठ जनों ने भगवान श्री लक्ष्मीनारायण के आगे विश्व कल्याणार्थ 51 लोगों ने दीप प्रज्वलित किया।तत्पश्चात भगवान की आरती के बाद मंदिर परिसर स्थित हॉल में सभी समुदाय के लोगों ने अन्नकूट प्रसाद अपराह्न 3.00बजे तक लिया।कार्यक्रम में रांची सांसद संजय सेठ, राज्य सभा सांसद महुआ मांझी,पूर्व सांसद सह पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, अग्रवाल सभा, मारवाड़ी ब्राह्मण सभा, मारवाड़ी सहायक समिति, मारवाड़ी युवा मंच,हनुमान मंडल, श्री श्याम मंडल, श्री श्याम मित्र मंडल, मारवाड़ी सम्मेलन, विश्व हिंदू परिषद,फेडरेशन झारखंड चेम्बर ऑफ कॉमर्स एवं अन्य सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के सचिव माहेश्वरी सभा के प्रदेश अध्यक्ष राज कुमार मारु, प्रदेश सभा के कोषाध्यक्ष शिव शंकर साबू, पूर्व सचिव अशोक साबू,सभा के पूर्व अध्यक्ष जुगल किशोर मारु,महाबीर प्रसाद सोमानी, पूर्व सचिव उमाशंकर बियानी, मुकेश काबरा, विजय शंकर साबू, सभा अध्यक्ष किसन साबू, सचिव नरेन्द्र लाखोटिया,महिला समिति की सचिव बिमला फलोड़, युवा संगठन अध्यक्ष विनय मंत्री, सचिव हेमंत माहेश्वरी,गौरीशंकर काबरा, भरत माहेश्वरी, गिरिजा शंकर पेड़ीवाल, किसनचंद सोढानी, दाउलाल मोहता, नरेन्द्र सारडा,बीना साबू, संगीता चितलांगिया, सुमन चितलांगिया, सरिता लाखोटिया, निर्मला बियानी,कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रकाश काबरा, मनोज कल्याणी,राजेन्द्र बिड़ला, बंसत लाखोटिया, शारदा लढ्ढा,लक्ष्मी चितलांगिया, विकास काबरा, तरुण बजाज, युवा संगठन, महिला समिति एवं सभा के सदस्यों का सहयोग रहा।

राजधानीवासियों को मुख्यमंत्री सहित अन्य लोगों ने दी शुभकामना

राष्ट्रीय खबर

रांची: रांची महानगर छठ पूजा समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे, रोहित उरांव एवं अध्यक्ष लाल किशोर नाथ शाहदेव ने अपने पदाधिकारियों के साथ राजधानी वासियों को उदीयमान सूर्य भगवान को अर्घ्य अर्पण के साथ छठ महोत्सव की पूर्णता की बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।आलोक दूबे व समिति के पदाधिकारियों ने छप्पन सेट डोरंडा में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।आलोक दूबे ने कहा चार दिवसीय लोक आस्था एवं सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा एक ओर अस्तचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पण कर सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति की मान्यताओं एवं परंपराओं का निर्वहन किया गया तो वहीं दूसरी तरफ उगते हुए सूर्य को प्रणाम कर सभी छठ व्रतियों ने अपनी अपनी मनोकामना सिद्धि हेतू कठिन तपस्या की फलीभूत किया। आलोक दूबे ने कहा महानगर छठ पूजा समिति की देख रेख में 200 से अधिक कृत्रिम जलाशयों, असंख्य नदियों एवं तालाबों में जुटे लाखों आस्था के श्रद्धालुओं की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हों,राज्य में चहुंओर प्रगति, खुशहाली, समृद्धि, शांति, भाईचारगी बनी रहे। मुख्य संरक्षक रोहित उरांव ने कहा उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के उपरान्त एक नये उमंग, उत्साह, उर्जा का संचार होता है। रांची महानगर छठ पूजा समिति के मुख्य संरक्षक ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव सहित जिला एवं पुलिस प्रशासन, विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों को चार दिवसीय छठ महोत्सव स्थान को सफल बनाने के लिए धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया है। समिति के अध्यक्ष लाल किशोर नाथ शाहदेव ने प्रकृति के साथ जुड़ाव का यह त्योहार हमें नदी,तालाबों,जलाशयों के पास ले जाता है जिसके पीछे एक संदेश यह भी है कि जल ही जीवन है जिसे शुद्ध रखते हुए इन्हें सुरक्षित भी रखना है।

2 दिसम्बर को पीएचडी प्रवेश परीक्षा 2023 का आयोजन

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय में इस वर्ष पीएच.डी कार्यक्रम में नामांकन के लिए होनेवाले पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा (सीजेआरईटी -2023) का आयोजन 2 दिसम्बर को होगा। यह परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली सुबह 10 बजे से लेकर 1 बजे तक तथा द्वितीय पाली 2 बजे से सायं 5 बजे तक होगी। परीक्षा एकेडेमिक ब्लॉक 1, झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बेरी मनातु में आयोजित होगी। अभ्यर्थी 29 नवम्बर से एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। इस परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन 8 नवंबर को होगा। इनका साक्षात्कार 14 दिसम्बर से 21 दिसम्बर के बीच होगा। फाइनल सेलेक्टेड अभ्यर्थी का सीट आवंटन 28 दिसम्बर को होगा और अभ्यर्थियों को 29 दिसम्बर तक फी जमा कर अपना नामांकन सुनिश्चित कराना होगा।

कार्डियोलॉजिस्ट के पद पर नहीं होगी नियुक्ति

रांची: सदर अस्पताल में कार्डियोलॉजिस्ट के पद पर नियुक्ति नहीं होगी। फिलहाल सिर्फ एक ही कार्डियोलॉजिस्ट से सदर अस्पताल में मरीजों को सेवा दी जाएगी। सिविल सर्जन ने बताया कि जब सुविधाएं बढ़ेगी तो तीन चिकित्सकों के साथ कार्डियोलॉजी विभाग संचालित की जाएगी। बता दें कि सदर अस्पताल के लिए कुछ दिनों पहले 14 पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे। जिसमें एक कार्डियोलॉजी, एक ईएनटी, एक फिजिशियन और शेष पदों पर मेडिकल ऑफिसरों की नियुक्ति की जानी थी। अब कार्डियोलॉजी की नियुक्ति फिलहाल नहीं होगी।सदर अस्पताल के आयुष्मान सभागार में नवजात शिशु सप्ताह का आयोजन सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार की अध्यक्षता में किया गया। इस सभा में सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने नवजात शिशु में हो रहे बीमारियों के बारे में विशेस रूप से चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने शिशु मृत्यु दर को कैसे कम किया जाए उसपर भी विस्तार से चर्चा की।

ब्रिटेन में चार दिवसीय छठ महापर्व उत्सव संपन्न

राष्ट्रीय खबर

रांची: ब्रिटेन विभिन्न शहरों में बसे भारत के बिहार और झारखंड राज्य के लोगों ने हिंदु समुदाय के सौजन्य संचालित बिहारी कनेक्ट यूके संगठन ने धुम -धाम से चार दिवसीय महापर्व छठ उत्सव समारोह आयोजित की। ब्रिटेन की राजधानी लंदन से करीब 70 माईल दुर स्थित नॉर्थहेम्पटनशायर शहर के बोजिटा विलेज के यॉर्क कॉटेज स्पा एंड रिजॉर्ट में चार दिनी छठ पूजा का पुरे पारंपरिक विधि विधान से जीवंत किया गया। कार्यक्रम में दोनों राज्यों के विभिन्न पृष्ठभूमि से जुड़े सैकड़ों परिवार के 750 अधिक व्यक्तियों की भागीदारी रही । इसके अलावा परिवारों के 128 बच्चें - बच्चियां भी शामिल हुए, जिन्होंने सक्रिय रूप से सांस्कृतिक गतिविधियों, पेंटिंग कला प्रदर्शन और उत्सवों में भाग लिया । संगठन ने बेहतर प्रदर्शन के लिए कुल 50 बच्चों को किया सम्मानित समारोह के दौरान विवाहित महिलाओं ने रीति-रिवाजों भरी छठ पुजा के सभी रीतियों में शरीक हुई और सामुहिक नहाय खाय व खरना प्रसाद व ठेकुआ आदि बनाने में बढ़चढ़ कर भाग लिया। सीवान के पंडित सुनील पाठक ने चारों दिन पुजा पाठ कराया और सबों को छठ पुजा के सांस्कृतिक महत्व व सुर्य उपासना की महत्ता से विदेश में रह रहे समुदाय को बोध कराया।

इस उत्सव में कांके रोड, रांची निवासी अजय कुमार एवं विनिता नंद, कदमा जमशेदपुर के निवासी राकेश कुमार, जुही प्रिया, हर्षवर्धन, गौरव शर्मा, नेहा भगत,अदवित शर्मा, बोकारो स्टील सीटी निवासी मधुलिका शर्मा, समीर कुमार शर्मा ने भी सक्रिय रूप से छठ पूजा में भाग लिया। सबों ने देश से दूर लोक आस्था के पर्व से जुड़े रहने का इसे अनुपम अवसर बताया और बिहारी कनेक्ट यूके संगठन के व्यापक व सफल आयोजन की भूरी प्रशंसा की और आभार जताया ।इस महापर्व छठ उत्सव के कार्यकारी समिति के सदस्यों के नेतृत्व में, मूल रूप से सीवान के रहने वाले और पूर्वी लंदन के निवासी डॉ उदेश्वर के सिंह (अध्यक्ष), रांची के कैप्टन ओम प्रकाश (महासचिव), मधुबनी के राजीव सिंह,हैरो, लंदन में, पटना के विजय रे हाउंस्लो, डॉ बीरेंद्र राय मिडलैंड स्थित मुजफ्फरपुर के,संदीप गुप्ता बिहार से और वर्तमान में लीसेस्टर निवासी, अजय प्रकाश मूल रूप से पूर्णिया के और वेम्बली निवासी , अभिषेक आशीष पटना के पूर्वी लंदन निवासी, पटना से मृणाल कुमार पूर्वी लंदन, और डॉली पांडे मूल रूप से जमशेदपुर और लंदन के वॉटफोर्ड निवासी का उत्सव को धरातल में लाकर सफल आयोजन में विशेष योगदान रहा ।यह आयोजन विदेश में भी सदियों पुरानी परंपराओं का सम्मान और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ाव को बनाए रखने में यह कार्यक्रम सफल रहा ।

न्यूज फटाफट

स्टूडेंट फेडरेशन ने बड़ा तालाब में की सजावट

रांची: स्टूडेंट फेडरेशन बड़ा तालाब छठ पूजा समिति के तत्वावधान में छठ महापर्व 2023 के उपलक्ष्य में भव्य एवं आकर्षक रूप से पुष्प एवं विद्युत सज्जा कराई गई। स्टूडेंट फेडरेशन बड़ा तालाब छठ पूजा समिति के प्रांगण में मुख्यरूप से पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय सांसद रांची संजय सेठ, विधायक रांची सीपी सिंह, विधायक हटिया नवीन जैस्वाल, राज्य सभा सांसद डॉ महुआ मांझी, सामाजिक कार्यकर्ता विनय सरावगी एवं शमशेर आलम एवं पवन शर्मा का स्वागत चुनड़ी ओढ़ाकर, माला पहनाकर एव पुष्पगुच्छ देकर किया गया। स्टूडेंट फेडरेशन बड़ा तालाब छठ पूजा समिति के संग्रक्षक राजीव रंजन मिश्रा ने सभी छठ व्रतधारियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया ।श्री मिश्रा ने स्टूडेंट फेडरेशन बड़ा तालाब छठ पूजा समिति के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया । श्री मिश्रा ने जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। श्री मिश्रा ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्टूडेंट फेडरेशन बड़ा तालाब छठ पूजा समिति के द्वारा आकर्षक पुष्प एवं विद्युत सज्जा कराई गई । श्री मिश्रा ने बताया कि समिति के द्वारा विशेष तौर पर बड़ा तालाब एवं तालाब के आसपास साफ-सफाई कराई गई। श्री मिश्रा ने बताया की बड़ा तालाब स्थित सुर्य मंदिर में समिति के द्वारा आकर्षक पुष्प सज्जा कराई गई । सभी छठ व्रतधारियों को दर्शन में किसी प्रकार की कठिनाई ना हो इसलिए समिति के सदस्य सेवा देने के लिए तैयार है। छठ महापर्व को सफल बनाने के लिए स्टूडेंट फेडरेशन बड़ा तालाब छठ पूजा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष रमेश केडिया, महामंत्री बंटी सिंह, गोपाल पारीक, राहुल सिन्हा चंकी, दीपू गाड़ी, मो रॉकी, पीयूष आनंद,ज्योति शंकर साहू, मनीष सिन्हा,नंद किशोर चांगल, गोपाल चांगल सहित दर्जनों पदाधिकारी एवं सदस्यों ने छठ महापर्व को सफल बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाई।

रांची में यहोवा के साक्षियों का तीन दिवसीय सम्मेलन, सब्र के महत्व पर डाला गया प्रकाश

रांची: यहोवा के साक्षियों का तीन दिवसीय अधिवेशन रांची के झारखंड स्टेट स्पोर्ट्स सोसाइटी में इस बात पर फोकस करते हुए संपन्न हुआ कि सब्र रखना मत छोड़िए। यहोवा के साक्षी ईसाई धर्म समूह का एक हिस्सा माने जाते हैं। यह समुदाय पिछले दिनों विश्व स्तर पर तब चर्चा में आया, जब केरल के एनार्कुलम में प्रार्थना सभा के दौरान एक कन्वेंशन सेंटर में विस्फोट से चार लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए थे। 17 नवंबर से 19 नवंबर तक चले अधिवेशन में जेपथा तिर्की, प्रशांत बामनीकर, प्रेम मरांडी, तोपहान प्रधान, डेंजिल डिक्रूज, सिमोन खानदारे नामक वक्ताओं ने अलग-अलग विषयों पर अपने विचार साझा किए लेकिन चर्चा के केंद्र में रहा सब्र से पेश आओ। इस सम्मेलन में बताया गया कि भाग दौड़ भरी जिंदगी और बदलते जीवन शैली के कारण इंसान अपनों से दूर हो रहा है। हम अपने रिश्तेदार, जीवनसाथी, बच्चे और बुजुर्गों से तालमेल नहीं बिठा पा रहे हैं। छोटी-छोटी बातों पर सब्र खो रहे हैं। यह बताया गया कि हमें किसी भी हाल में सब्र को नहीं छोड़ना चाहिए। हमें माफ करने की आदत डालनी होगी। अगर मन में जलन पालेंगे तो खुद को ही नुकसान होगा। इसी का नतीजा है कि ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और हार्ट के रोगियों की संख्या बढ़ रही है। अनैतिकता से दूर रहना, जीवनसाथी के साथ अच्छे संबंध बनाना और लालच को छोड़ने पर जोर दिया गया। यहोवा के साक्षियों का तीन दिवसीय सम्मेलन में बताया गया कि घर के बुजुर्गों की कैसे देखभाल करनी चाहिए। अक्सर बीमार बुजुर्ग चिड़चिड़ेपन से ग्रसित होते हैं। वह परिवार के सदस्यों को खरी खोटी सुना दिया करते हैं। यहीं पर सब्र की परीक्षा होती है। अगर हम उनकी भावना को समझेंगे और सब्र के साथ उनकी बातों को महसूस करेंगे तो उनकी देखभाल करने में कोई दिक्कत नहीं आएगी। तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान कई लोगों ने अपने अनुभव साझा किए।

देश में पुरुष आयोग और हेल्पलाइन नंबर जारी करने की मांग

रांची: अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस पर आज राजधानी रांची में समाज के उन पुरुषों ने प्रदर्शन किया जो किसी न किसी रूप में महिलाओं द्वारा प्रताड़ित किये गए हैं। महिलाओं के लिए बनें विशेष कानूनी प्रावधान की तरह पुरुषों के लिए भी विशेष कानून, आयोग और हेल्पलाइन नम्बर जारी करने की मांग इन पुरुषों की है। सेव इंडियन फैमिली की झारखंड इकाई द्वारा परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक पर किये गए इस प्रदर्शन का उद्देश्य एक तरफ जहां के महिला प्रताड़ना को लेकर पुरुषों को जागरूक करना है। वहीं सरकार के समक्ष यह मांग भी मजबूती से रखने का है कि सिर्फ महिलाएं प्रताड़ित नहीं होती बल्कि पुरुष भी घरेलू हिंसा, महिला प्रताड़ना और धारा 498 के दुरुपयोग का शिकार होते हैं। सेव इंडियन फैमिली के झारखंड इकाई के हेड प्रह्लाद ने कहा कि आज देश में महिलाओं द्वारा प्रताड़ना और घरेलू हिंसा की वजह से बड़ी संख्या में पुरुष आत्महत्या कर रहे हैं। दहेज प्रथा रोकने के लिए बना कानून 498अ के दुरुपयोग से तंग आकर हर चार मिनट पर एक पुरुष आत्महत्या कर ले रहा है। ऐसे में महिला आयोग की तरह देश और राज्य में पुरुष आयोग, काउंसिलिंग सेंटर और पुरुष हेल्पलाइन नम्बर सरकारी स्तर पर जारी होना बेहद जरूरी है। प्रह्लाद ने कहा कि आज जिस तरह से पुरुष हिंसा के शिकार हो रहे हैं, उनके लिए भी कानून बनना चाहिए। दहेज प्रथा रोकने के लिए बने कानून 498 के दुरुपयोग का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि परिवार को टूटने से बचाने के लिए इस कानून की जरूरत पर पुनर्विचार हो और इसे जमानतीय यानी बेलेबल बनाया जाए।

अब सप्ताह में छह दिन होगा टाटा- राउरकेला स्पेशल ट्रेन का परिचालन

रांची: अब सप्ताह में छह दिन टाटा राउरकेला पैसेंजर स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जायेगा। 22 नवंबर से ट्रेन का परिचालन छह दिन होगा। इस संबध में दक्षिण पूर्व रेलवे ने इसकी मंजूरी दी है। वहीं, चक्रधरपुर रेल मंडल की ओर से इसकी सूचना जारी कर दी गयी है। लंबे समय से स्थानीय जनप्रतिनिधियों और लोगो की मांग रही है कि टाटा राउरकेला मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन का परिचालन सप्ताह में छह दिन हो। इस सूचना के साथ ही जानकारी दी गयी है कि ट्रेन नंबर 08145 टाटा राउरकेला मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन शनिवार को छोड़ कर सप्ताह में 6 दिन चलेगी। ट्रेन नंबर 08145 टाटा राउरकेला मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन टाटानगर स्टेशन से दोपहर 3:35 बजे खुलेगी, चक्रधरपुर स्टेशन शाम पांच बजे, सोनुवा स्टेशन शाम 5:23 बजे, गोइलकेरा स्टेशन शाम 5:38 बजे और राउरकेला स्टेशन शाम 7:35 बजे पहुंचेगी।जबकि, ट्रेन नंबर 08146 राउरकेला टाटा मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन रविवार को छोड़ कर सप्ताह में 6 दिन चलेगी। ट्रेन नंबर 08146 राउरकेला टाटा मेमू पैसेंजर स्पेशल राउरकेला स्टेशन से सुबह 5:10 बजे रवाना होगी और गोइलकेरा स्टेशन सुबह 6:39 बजे, सोनुवा स्टेशन सुबह 6:56 बजे, चक्रधरपुर स्टेशन सुबह 7:35 बजे और टाटानगर स्टेशन सुबह 9:20 बजे पहुंचेगी।इन स्टेशनों में होगा ठहराव: टाटानगर, आदित्यपुर, गम्हरिया, बिरबास, सिनी, महालीमुरूप, राजखरसवां, बड़ाबंबो, चक्रधरपुर, लोटापहाड़, सोनुवा, टुनिया, गोइलकेरा, डेरवा, पौसेता, घागरा, मनोहरपुर, जराईकेला, भालूलता, बिसरा, राउरकेला।

शहर ›› अपडेट

मुख्यमंत्री को सौंप मांगपत्र

चांडिल : राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ईचागढ़ के विधायक सविता महतो रांची स्थित आवास में मिलकर सोहराई पर्व का शुभकामना दिए साथ ही ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न सड़क निर्माण करवाने को लेकर एक मांग पत्र भी सौपा। इस दौरान विधायक सविता महतो ने चांडिल प्रखंड के कपाली नगरपरिषद क्षेत्र के हरि मंदिर से मस्जिद इब्रहिम तक पथ निर्माण करने।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स ››

देवघर में धूम धाम से संपन्न हुई लोक आस्था का महापर्व

देवघर : देश के कोने-कोने में श्रद्धा भाव से लबरेज भगवान सूर्य की आराधना में अर्पित छठ महापर्व देवघर में शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। छठ महापर्व के आयोजन को लेकर जिला प्रशासन सहित देवघर नगर निगम का काफी महत्वपूर्ण योगदान रहा। देवघर में कोई नदी और कोई तालाब ऐसा नहीं था जहां पर श्रद्धालु न हो। जिला प्रशासन और निगम के द्वारा कुछ हद तक घाटों पर मुलभुत सुविधा प्रदान की गई थी साथ ही विधि व्यवस्था की किसी तरह की कोई गड़बड़ी न हो इसके लिये पर्याप्त संख्या में पुलिस के जवानों को भी प्रतिनियुक्त किया गया था। इधर देवघर के शिवगंगा में छठ पूजा में भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पण करने के लिए हजारों की संख्या स्थानीय लोगों का जुटान हुआ था। वहीं देवघर देवीपुर मुख्य मार्ग स्थित अजय नदी में बना नावाडीह घाट में भी काफी भीड़ देखी गयी। वेपे मो छठ महापर्व को लेकर दिपावली के बाद से ही तैयारी शुरू कर दिया जाता है मुख्य रूप से छठ चार दिनों तक मनाई जाती है। जिसमें छठ वर्ती के साथ परा परिवार में खुशी का माहौल है। यह खुशी तब दोगुनी हो जाती है जब लोग भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पण करने के लिए नदी में बने घाटों पर पहुँचते है।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

दिलों का मिलाप स्थल है मेला : जनार्दन पाण्डेय

देवघर : दो दिवसीय कृषि प्रदर्शनी लखन गड़िया मेला का 60 वां वार्षिकोत्सव समारोह पूर्वक मनाया गया। प्रथम दिन गो पूजन और राधा कृष्ण की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। जनार्दन पांडेय वरीय समाजवादी नेता, अशोक ठाकुर मुखिया मसानजोरा पंचायत ,सुखलाल हेम्ब्रम मुखिया प्रतिनिधि पिछड़ी बाद पंचायत द्वारा संयुक्त रूप से कृषि मेला का शुभारम्भ किया इसके बाद बारी बारी से लोगों ने मेला के संस्थापक स्व0 फुलकू पाण्डेय के समाधि स्थल पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया इस कृषि प्रदर्शनी -सह- मेले में कृषि उत्पादों की प्रदर्शनी, पशुधन दर्शन, खेल कूद, आदिवासी गायन यात्रा, स्थानीय कलाकारों द्वारा लोक नृत्य भी देखने को मिला । इस अवसर पर इनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस क्षेत्र को पहचान दिलाने के लिए पाण्डेय जी सदा याद किये जायेंगे। एक राजनैतिक ,सांगठनिक और जनता का नेता के रूप मे वे सदैव पूजनीय होंगें। नेताजी सुभाषचंद्र बोस और किसान नेता स्व सहजानंद सरस्वती के सानिध्य में देश की आजादी की लड़ाई में हिस्सा लेने वाले स्व पाण्डेय जी ने दोआब क्षेत्र में हुए अनेक जन आंदोलन को नेतृत्व देकर क्षेत्र की विकास के लिए संघर्ष किया था। यह मेला उनके द्वारा आदिवासी समुदाय के समृद्ध संस्कृति, जल जंगल और जमीन को बचाने के लिए लगाया गया था, इस मेले में शराब और जुआ की सख्त पाबंदी अपने जीवन भर लगाये रखा। स्थानीय कला संस्कृति को बढ़ावा देने ,धर्म के साथ मेला को जोड़ कर आजादी के शहीदों को याद करना इस मेले की मुख्य विशेषता रही है। इनके जीवन भर यह मेला गैर- राजनीतिक स्थल रहा ,लाख कटुता के बाद भी इनके द्वारा मेले के विनाश सोचने वाले को भी इस मेले में खूब सम्मान मिला, विरोधी बुरा सोच कर भी इस मेले के अस्तित्व को मिटा नहीं पाये।

महापर्व

जिले में धूमधाम से हुआ महापर्व छठ का समापन

उदीयमान सूर्य को दी गई अर्घ्य

▶▶महिलाओं की टोली गीत गाते हुए छठ घाट पहुंची

▶▶51 घाटों पर पुख्ता इंतजाम किए गए

राष्ट्रीय खबर

बोकारो: नहाय खाय से शुरू हुए आस्था के महापर्व छठ पूजा का सोमवार को चौथे दिन उगते हुए सूर्य देवता को अर्घ्य देने के साथ ही समापन हो गया। बताते चलें कि छठ महापर्व की शुरूआत नहाय-खाय से होती है। इसके बाद दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन संध्या अर्घ्य और चौथे दिन को ऊषा अर्घ्य के नाम से जाना जाता है। गरगा नदी तट के साथ-साथ कैंप 2 स्थित सूर्य सरोवर सह तिरंगा पार्क, गरगा डैम, सेक्टर 12 डी, सेक्टर 6, सेक्टर 11, बघरायबेड़ा के पीछे, टू-टैंक गार्डेन, सूर्य मंदिर सेक्टर 4 एफ तालाब, जगन्नाथ मंदिर जलाशय, कूलिंग पॉड, रानीपोखर तालाब, वनभोज स्थल सेक्टर 1, बारी कॉपरेटिव, सोलागीडीह, महतो बांध सहित बोकारो-चास के अन्य ग्रामीण क्षेत्रों के जलाशयों में छठव्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान सभी छठ घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब देखा गया। इससे पूर्व तीसरे दिन रविवार यानी षष्ठी की शाम में व्रतियों ने फलों, ठेकुआ, चावल के लड्डू सहित अन्य पूजा सामग्रियों से सजे सूप से डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। दोपहर बाद करीब ढाई तीन बजे से श्रद्धालु घरों से छठ घाट के लिए निकलने लगे थे। महिलाओं की टोली गीत गाते हुए छठ घाट पहुंची। वहीं सुरक्षा को लेकर बोकारो-चास के 51 घाटों पर पुख्ता इंतजाम किए गए। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए जिला प्रशासन द्वारा घाटों पर 57 दंडाधिकारियों सहित पुलिस बल की तैनाती की गयी। साथ ही छठ व्रतियों को अर्घ्य के समय किसी भी तरह की अनहोनी से बचाव के लिए गोताखोरों की भी तैनाती की गयी। इसके अलावा छह बड़े घाटों पर 6-6 की संख्या में सिविल डिफेंस वॉलेंटियर भी तैनात किए गये थे।

पहली बार हुई महतो बांध में छठ पूजा

चास के शिवपुरी कॉलोनी स्थित महतो बांध में पहली बार छठ पूजा हुई। इसको लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखा गया। इस मौके पर चास नगर निगम के निवर्तमान उपमेयर अविनाश कुमार ने कहा कि तालाब का सौंदर्यीकरण किया गया। इसके बाद यहां छठ पूजा संपन्न हुआ। अगले साल और भी बेहतर काम होगा। मौके पर समाजसेवी चितरंजन शर्मा, महेश ब्रह्मचारी, राकेश सहित काफी संख्या में कॉलोनी वासी मौजूद थे।

हेल्पिंग हैंड के शिविर में दर्जा प्राप्त मंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर मुख्य रूप से मौजूद थे। इस मौके पर हेल्पिंग हैंड्स के संस्थापक गोपाल मुरारका, जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष देवाशीष मंडल, समाजसेवी मोहम्मद फिरदौस, चास प्रखंड विकास पदाधिकारी मिथिलेश कुमार, संजय सोनी, बनवाली बाउरी, मनोज कुमार के अलावा सभी सदस्य मौजूद थे। वहीं सोलागीडीह तालाब में मित्र परिषद, नागरिक चेतना समिति, जेम बाय क्लब के द्वारा सेवा शिविर लगाया गया। इस मौके पर नागरिक चेतना समिति में भाजपा के वरिष्ठ नेता अखिलेश्वर महतो, चास नगर निगम के मेयर प्रत्याशी निधि कुमारी, करमचंद गोप, हारु झरियात सहित कई लोग मौजूद थे।

उदीयमान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ ही छठ हुआ संपन

राष्ट्रीय खबर

चांडिल : चांडिल अनुमंडल क्षेत्र की छठ व्रतियों ने संतान की लंबी आयु, परिवार की सुख शांति और विश्व शांति के लिए रविवार को अस्ताचलगामी एवं सोमवार प्रातः उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ माता की पूजन किया। बामनी छठ घाट को श्रद्धालुओं द्वारा रंगीन गुब्बारे से आकर्षक रुप से सजाया गया था।रास्ता में दूर तक आकर्षक विद्युत सज्जा की गई। इस पावन अवसर पर आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव हरेलाल महतो ने भी अपने पत्नी के साथ बामनी जुड़िया के छठ घाट पर उदीयमान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर ईचागढ़ विधानसभा वासियों की सुख शांति के लिए प्रार्थना किया। हरेलाल महतो ने कहा कि लोकआस्था का महापर्व छठ भारत के साथ धीरे-धीरे प्रवासी भारतीयों के बीच विश्वभर में प्रचलित हो गया है। छठ पूजा सूर्य, प्रकृति, जल, वायु और उनकी बहन छठी म?इया को समर्पित है। इस आस्था के महापर्व में उन्हें पृथ्वी पर जीवन की देवतायों को बहाल करने के लिए अराधना किया जाता है। इस अवसर पर बॉबी जालान, जीतेन्द्र सिंह आदि उपस्थित थे।

बिरसा मुण्डा जयंती समारोह का आयोजन

राष्ट्रीय खबर

तमाड: रविवार को लॉन्ड्रा-बाड़वा चौक में सर्व श्री ललिन सिंह मुण्डा के अध्यक्षता में बिरसा मुण्डा जयंती समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें आदिवासी समाज के सुभचिंतक, समाज सेवी, शिक्षाविद एवं गणमान्य सम्मानित महिलाएं, बच्चे, बूढ़े सभी उपस्थित हुए। जयंती समारोह में सभी समाज के लोग बीर बिरसा मुण्डा के विचारो को घर घर तक पहुंचाकर पालन करने का संकल्प लिया गया साथ ही इसकेअंतर्गत ही छात्र छात्राओं को शिक्षा संबंधी बातों को बताई गई। और इस अवसर पर छात्र छात्राओं के बीच उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को आदिवासी समाज के द्वारा पुस्तक एवं कलम देकर सम्मानित किया गया तथा साथ ही साथ आदिवासी समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले महिला एवं बहनों को साड़ी देकर सम्मानित किया गया एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुरूषों एवं नौजवानों को आदिवासी गामछा देकर सम्मानित किया गया।

तथा आज के इस जयंती समारोह में उपस्थित। पीपी कालेज बुंडू के प्रोफेसर श्री लखिन्दर सिंह मुण्डा, श्री कृष्ण सिंह मुंडा, ग्राम प्रधान सहदेव सिंह मुण्डा, आदिवासी जनपरिषद के पांच परगना अध्यक्ष सिदाम सिंह मुण्डा, अखिल भारतीय आदिवासी धर्म परिषद महिला संघ तमाड़ के उपाध्यक्ष यमुना मुण्डा, मुखिया द्रोपदी मुण्डा, समाज सेवी राधाकृष्ण सिंह मुण्डा, उदारकांत मुण्डा, सुखराम मुण्डा, डाक्टर अमर मुण्डा, दीपक मुण्डा, सुखनाथ मुण्डा, विजय उरांव, नारायण सिंह मुण्डा, मंगला मुण्डा, पूर्ण चंद्र मुण्डा, महेश मुण्डा, सुमित्रा देवी, सुकरा मुण्डा, रामधन मुण्डा, सुनिता देवी, नामिता मुण्डा, किस्टो मुण्डा, श्याम सिंह मुण्डा, राधिका देवी, भारती देवी, यमुना देवी, हिरामनी देवी, सुकरूमनी देवी, निर्मला देवी, सिता देवी आदि बुध्दिजीवी ने इस जयंती के मौके पर उपस्थित हुए।

उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य के साथ संपन्न

राष्ट्रीय खबर

बेड़ो: लोक आस्था का महापर्व छठ सोमवार को प्रखंड मुख्यालय व आस-पास के जलासयो में उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया। मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक महादानी छठ तालाब के घाट पर व्रतियो के साथ विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर, डीडीसी डॉ. परमेश्वर भगत, पूर्व स्वास्थ्य निर्देशक प्रमुख डा. प्रवीण चंद्र ने भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। मौके पर छठ पूजा की शुभकामनाएं देते हुए विधायक ने छठ की पर्व पर सभी के लिए सुख- समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि लोक आस्था और विश्वास का यह महापर्व राज्य के लिए कल्याणकारी हो। गली-मुहल्लों में छठ मइया के गीत गुंजायमान रहे। इधर प्रखंड के आस-पास के गांवो में भी छठ मैया का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इधर रविवार को छठ व्रतियों ने अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। घाट में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा शिविर लगाया था। वहीं स्वंय सेवका द्वारा फल, दुध व चाय का वितरण किया गया। वहीं विधायक शिल्पी नेहा तिर्की द्वारा छठ व्रतियों को परेशानी ना हो इसके लिये छठ घाट की साफ सफाई, टेंट, लाइट, अस्थायी बाथरुम, साउंड सिस्टम, बैरेकेंट लगाया गया है। बेड़ो छठ घाट में भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के समय सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार राय,हिंदू जागरण मंच के प्रदेश महामंत्री वाणी कुमार रॉय, विधायक प्रतिनिधि नवल किशोर सिंह, मुखिया सुशांति भगत व थाना प्रभारी मुकेश कुमार हेम्ब्रम उपस्थित थे।

काली पूजा अष्टमंगल पर भंडारा का आयोजन

राष्ट्रीय खबर

कसमार : कसमार प्रखंड मुख्यालय से सटे सुरजुडीह में काली पूजा के अष्टमंगला के अवसर पर ब्राह्मण परिवार की ओर भंडारा का आयोजन किया गया। इस दौरान युवाओं ने स्थानीय पुरनाबांध से बीते दिनों विसर्जित की गई काली प्रतिमा को जयकारे के साथ काली मंदिर में लाकर स्थापित किया। मंदिर में पुरोहित एवं पुजारी के मंत्रोच्चार के बीच अष्टमंगला पूजा सम्पन्न हुई, जिसमें सैकडों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान विशाल भंडारा का आयोजन कर मां काली को भोग लगाकर पूरे गांव की महिला पुरुष व बच्चों ने भंडारे का महाप्रसाद ग्रहण किया। शाम में सुरजुडीह काली पूजा समिति की ओर से वार्षिक लेखा जोखा एवं आय व्यय की प्रस्तुति को लेकर बैठक भी हुई। मौके पर गणेश मुखर्जी, चित्तरंजन मुखर्जी, मदन मोहन मुखर्जी, भागवत मुखर्जी, आनंद मोहन मुखर्जी, कृष्ण रंजन मुखर्जी, विनोद मुखर्जी, गोलक नाथ मुखर्जी, एमएस मुखर्जी, हरि साधन मुखर्जी, अमिय कांत मुखर्जी, विजय मुखर्जी समेत अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

बैठक

पंचपरगना आदिवासी समाज की बैठक में बोले केंद्रीय मंत्री

सामाजिक और राजनीतिक दो अलग धूरी: अर्जुन

▶▶ग्रामीणों ने सौंपा मांग पत्र

▶▶सामाजिक स्तर पर कार्य करने की जरूरत

राष्ट्रीय खबर

तमाड़: पंच परगना आदिवासी समाज एवं मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा फाउंडेशन के तत्वाधान में रविवार को एक बैठक का आयोजन अवकाशदीप लाइन होटल सभागार में में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में खुंटी सांसद सह जनजातीय केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा उपस्थित थे । इस दौरान समाज के लोगों द्वारा आदिवासी गमछा देकर उन्हें सम्मानित किया गया। बैठक में समाज के अगुवाई कार्य करताओ द्वारा मंत्री को एक मांग पत्र सौपा गया । जिसमें सोरलोगा चौक में मंराग गोमके जयपाल सिंह मुंडा स्टैचू निर्माण एवं सलगाड़ी में भगवान बिरसा मुंडा स्टैचू निर्माण का मांग शामिल है। वही समाज के लोगो को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा समाज के अगुआ दारो को समाज के कार्यों में सामाजिक स्तर पर कार्य करने की जरूरत है। इसमें किसी तरह का राजनीतिक बातों को नहीं रखना चाहिए क्योंकि सामाजिक और राजनीतिक दो अलग-अलग धुरी है। सामाजिक बैठकों में राजनीतिकरण होने से कई लोगों को तकलीफ पहुंचता है इसलिए हम सबों को उसी समाज के अनुरूप सामाजिक सरोकार को आगे बढ़ना चाहिए । इस मौके पर तमाड़ बुंडू अंड़की सोनाहातू के कई सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे जिममे मुख्य रूप से नंदलाल सिंह मुंडा, शंभू सिंह मुंडा, सत्येंद्र सिंह मुंडा, लालमोहन सिंह मुंडा, हरि सिंह मुंडा, कन्हाई मुंडा, पूर्ण चंद्र मुंडा, लक्ष्मण सिंह मुंडा, मदन सिंह मुंडा, सुखराज सिंह मुंडा, कैलाश पुराण, दीनबंधु पुराण, अरुण शांडिल, सुरेश मुंडा, गणेश मुंडा, प्रकाश सिंह मुंडा, कृष्ण सिंह मुंडा, अरुण पुराण, महेंद्र पुराण, मोती पातर, संजय मुंडा, देव कुमार उरांव, लक्ष्मण सिंह मुंडा, करम सिंह मुंडा, अविनाश मुंडा, विवेक गुप्ता, विशाल गुप्ता सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

न्यूज फटाफट

मुख्य न्यायधीश झारखंड हाई कोर्ट रांची ने बाल संप्रेक्षण गृह डुमरदगा का किया निरीक्षण

रांची: न्यायामूर्ति श्री संजय कुमार मिश्रा मुख्य न्यायधीश झारखंड हाई कोर्ट रांची ने बाल संप्रेक्षण गृह डुमरदगा का निरीक्षण किया। आज दिनांक 20 नवंबर 2023 दिन सोमवार को माननीय न्यायामूर्ति श्री संजय कुमार मिश्रा मुख्य न्यायधीश झारखंड उच्च न्यायालय रांची ने बाल संप्रेक्षण गृह में रह रहे सभी बच्चो से मुलाकात किये।और लगभग एक घंटे बाल संप्रेक्षण गृह में रह रहे बच्चो से बातचीत कर बच्चो की बात को सुने। मुख्य न्यायधीश श्री संजय कुमार मिश्रा का स्वागत संप्रेक्षण गृह के बच्चे तिलक लगा कर और गुलदस्ता भेंट कर किया। बच्चो के क्लास रूम को भी देखे, वहां बच्चो ने अपने द्वारा बनाई गई पेंटिंग दिखाई और एक बच्चे ने माननीय मुख्य न्यायधीश का पेंटिंग बनाई थी, जिसे मुख्य न्यायधीश को भेट किया ।और फिर बच्चो ने स्थानीय भाषा में स्वलिखित गीत सुनाया और देशभक्ति गीत सुनाया। मुख्य न्यायधीश ने बाल संप्रेक्षण गृह में सभी वार्ड ,रसोई घर और लाइब्रेरी का भी निरक्षण किया और प्रधान न्यायिकदंडाधिकारी और स्टेशन हाउस मास्टर से जानकारी लिए साथ ही बच्चो को मिलने वाले दैनिक आहार की पूरी जानकारी लिए। आज के इस कार्यक्रम में महानिबंधक झारखंड उच्च न्यायालय रांची, प्रधान न्यायायुक्त रांची, पुलिस अधीक्षक रांची , प्रधान न्यायिक दंडाधिकारी जूविनाइल जस्टिस बोर्ड रांची एवम अन्य उपस्थित थे।

सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही महापर्व छठ का हुआ संपन्न

चांडिल: लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ बड़े धूमधाम के साथ चांडिल अनुमंडल में मनाया गया। रविवार की शाम को स्वर्णरेखा जयदा नदी, कांदरबेड़ा, सहरबेड़ा, चांडिल डैम, बामनी नदी, रावताड़ा, चावलिवासा, बड़ामबांध, खूंटी जुडिया, ईचागढ़, तिरुलडीह, टीकर, डोबो, गौरी, कपाली, पुड़ी शिली आदि नदी तालाबों में छठ व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ दिया गया। सोमवार की अहले सुबह सूर्य देवता की उगने तक छठ व्रती पानी के अंदर रहा। सूर्य उदय होने के बाद सूर्य को अर्घ दिया गया। जयदा स्वर्णरेखा नदी में जमशेदपुर व आसपास के छठ व्रतियों ने डूबता हुआ व उगता हुआ सूरज को अर्घ दिया। सोमवार की सुबह चांडिल डैम रोड स्थित बामनी नदी, बड़ामबांध मैं छठ व्रतियों भगवान सूर्य को अर्घ देकर अपने परिवार की सुख समृद्धि की कामना किया। इस दौरान बामनी नदी छट घाट में जिप सदस्य

फल विक्रेता को पुलिस ने पुछताछ के नाम पर थाने बुलाकर बुरी तरह से पीटा

बोकारो : सिटी थाना क्षेत्र स्थित दुंदीबाग के एक फल विक्रेता को पुलिस ने पुछताछ के नाम पर थाने बुलाकर बुरी तरह से पीटा। फल विक्रेता का कसूर इतना था कि उसने कुछ पैसे कमाने के लिए छठ में सड़क किनारे नारियल और लकड़ी की दुकान लगा ली। दुकान लगाने के एवज में होमगार्ड के जवान ने उससे पैसे की मांग की। दुकानदार ने पैसे को लेकर आनाकानी करने लगा। होमगार्ड जवान के दबाव बनाने पर वह पैसे देने को तैयार हो गया। लेकिन इस दौरान किसी ने उसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। देखते ही देखते वीडियो वायरल हो गया। फिर क्या था सिटी थाना पुलिस ने युवक को उठाकर थाने ले आई और उसकी जमकर पिटाई की। इधर पीड़ित युवक प्रहलाद कुमार के परिजन अपने पुत्र को खोजने थाने पहुंची तो पता चला कि वह सदर अस्पताल में है। लेकिन वहां भी खोजने पर वह नहीं मिला। रात करीब 9 बजे के आसपास फोन से किसी ने सूचना दिया कि एडीएम बिल्डिंग के टू-टैंक गार्डेन सड़क के पास उनका पुत्र जख्मी हालत में रो रहा है। पीड़ित युवक प्रहलाद कुमार का कहना है कि पुलिस ने थाने में पूछताछ के लिए बुलाया था लेकिन पूछताछ न करके गंदी-गंदी गालियां देने लगे और मुझे मारने लगे। साथ ही मेरे पॉकेट में दिन भर कमाया हुआ 20 से 25 हजार रूपया था वो भी किसी ने निकाल लिया। मुझे धमकी दी गई कि तुम वीडियो वायरल करते हो तुमको जेल भेज देंगे। तुम्हारे पिता भेन चलाते हैं उसको एक्सीडेंट करवा देंगे। तुम्हारे फैमिली को मरवा देंगे। तुम जानते नहीं हो तुम किस से पंगा लिया है। इस तरह की धमकी दी गई। बताते चलें कि पुलिस के द्वारा ऐसा रवैया नया नहीं है। बीते दिनों एक महिला को जबरदस्ती पुलिस द्वारा टांग कर लाने एवं सेक्टर 4 में दुकानदार से रंगदारी कर दुकान पर शराब पीने और पैसे मांगने का मामला प्रकाश में आया था।

छठ घाट पर बेहतर व्यवस्था के लिए सेल प्रबंधन को जताया आभार

बोकारो : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने बोकारो इस्पात संयंत्र के अधिशासी निदेशक (संकार्य एवं प्रशासन) राजन कुमार से मिल कर प्रबंधन के द्वारा छठ घाट पर बेहतर व्यवस्था बनाने का प्रयास का प्रयास के लिए आभार जताया और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। कुमार अमित ने बताया कि इस बार छठ महापर्व के प्रति प्रबंधन की संवेदनशीलता सराहनीय रही। हर वर्ष की अपेक्षा प्रबंधन ने इस बार छठ घाटों पर बेहतर व्यवस्था बनाने का प्रयास किया। इसको लेकर नागरिकों में सेल प्रबंधन के प्रति संतोष का भाव है। घाटों पर छठ व्रतियों के कपड़ा बदलने के लिए पर्याप्त चेंजिंग रूम की व्यवस्था रहने से व्रतियों को हर वर्ष की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। बिजली, जलाशयों में पानी का स्तर और स्वच्छता भी बेहतर रहा। अन्य घाटों के लिए छाई उपलब्ध कराने से अन्य क्षेत्रों के लोगों को भी घाट पर सुविधा बनाने में सुविधा हुई। कुमार अमित ने शहर की स्वच्छता के लिए नई एजेंसी को बहाल करने से इस काम में आई शिथिलता को प्रबंधन से यथाशीघ्र और दुरुस्त करने के साथ-साथ स्वास्थ्य, सड़क सहित अन्य नागरिक सुविधाओं में उत्तरोत्तर बढ़ोतरी करे की भी मांग की।

राष्ट्रीय खबर हमारी नजर झारखंड
web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rashtriyakhabar.com

शहर ›› अपडेट

महायज्ञ को लेकर कलश यात्रा आज

मेदिनीनगर : परशुराम युवा वाहिनी के नेतृत्व में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ सह श्रीमद् भागवत कथा का कलश यात्रा मंगलवार को हाउसिंग कॉलोनी से पूरे गाजे-बाजे के साथ निकलेगी। हाउसिंग कॉलोनी से पूर्वाह्न ठीक 9 बजे निकलेगी । कलश यात्रा में आगे - आगे ब्रह्मचारी उदितानंद जी महाराज व संत श्री गौरवानंद महाराज होंगे।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स ››

जनसंपर्क अभियान चला कर महापड़ाव में शामिल होने की अपील

बेरमो/ललपनिया: केंद्रीय ट्रेड यूनियनों व किसान संगठनों की 24 अगस्त 23 को दिल्ली में संपन्न संयुक्त सम्मेलन के फैसला के अनुपालन में आगामी 26 नवंबर को देशभर के राजभवनों के समक्ष मजदूरों और किसानों का आयोजित महापड़ाव की तैयारी हेतू ठीकेदार मजदूर यूनियन (एटक) महासचिव एवं झारखंड आंदोलनकारी इफ्तेखार महमूद ने गांव-ग्रामो में जनसंपर्क किया और महा पड़ाव के उद्देश्यों की जानकारी दिया।जनसपंर्क अभियान के दौरान हुरलूंग, छोटकी सीधाबारा, मंगरो, दवाड, सियारी इत्यादि गांवों के लोगों को संबोधित करते हुए श्री महमूद ने कहा कि सिर्फ मोटा अनाज ही नहीं, बल्कि दवाइयो, कपड़ों, पेट्रोलियम उत्पादों और रसोई गैस के दाम काफी बढ़ा दिए गए हैं। कहा कि कोविड के बहाने वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं एवं विकलांगों और खिलाड़ियों का रेलवे के भाड़ा में बंद कर दी गई रियायत को अभी तक पुणः लागु नहीं किया गया।श्री महमूद ने कहा कि रसोई गैस के दाम को बढ़ाते बढ़ाते 1100 रुपया करके अल्प आय वाले लोगों को रसोई गैस से वंचित कर दिया गया, लेकिन चुनाव के मौके पर 550 रुपया में रसोई गैस देने की मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री द्वारा घोषणा की जाती है।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

घाटों पर था सुरक्षा के चाक-चौबंद व्यवस्था

मेदिनीनगर: पलामू लोक आस्था का महान पर्व छठ पर्व को लेकर पलामू पुलिस पूरी तरह अलर्ट थी। शहर थाना की पुलिस छठ पर्व के दिन रात भर शहर में भ्रमण करते देखे गए।वही शहर के टिओपी वन,टीओपी 2,टीओपी 3 के प्रभारी रात भर जवानों के साथ अपने क्षेत्र में गस्ती करते देखे गए।वही छठ पर्व को लेकर जिला प्रशासन के द्वारा चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी। कोयल नदी के अलावा अमानत नदी तट पर दंडाधिकारियों के साथ पुलिस बलों की विशेष तैनाती की गयी थी।कुछ जवानों को सिविल ड्रेस में भी लगाया गया था। छठ पूजा के दौरान जिन रूटों पर श्रद्धालुओं की संख्या ज्यादा उमड़ती थी। उस रूट पर बड़े मालवाहक सहित अन्य वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई गई थी।रविवार की दोपहर से शाम तक शहर के कई रूटों में बदलाव किया गया था।कोयल नदी तट और अमानत नदी घाट पर प्रशासन की विशेष नजर थी।इन दोनों घाटों पर भगवान भाष्कर को अर्घ्य देने के लिए हर साल हजारों की भीड़ उमड़ती है। साथ ही अमानत नदी घाट पर गंगा आरती भी होती है। छठव्रती की सुविधा को देखते हुए कई वाटरप्रुफ पंडाल के साथ चेंजिग रूम भी बनाये गये थे।साथ ही सुरक्षा के मद्देनजर घाट पर वॉच टावर भी बनाये गये थे। जिससे सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रहे।इधर, पलामू सहित झारखंड के अन्य जिलों के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक को पुलिस मुख्यालय की विशेष शाखा ने अलर्ट किया था।विशेष शाखा ने सुरक्षा से संबंधित कई बिंदुओं पर निर्देश भी दिये थे, ताकि छठ पर्व के दौरान कोई तनाव, दुर्घटना या अनहोनी ना हो। अलर्ट के रूप में छह माह पूर्व के दौरान पूर्व में घटित घटनाओं के बारे में जानकारी दी गयी थी।अलर्ट करते हुए कहा गया कि छठ घाट में होने वाली भीड़ का लाभ उठाकर असमाजिक तत्व विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न कर सकते हैं।

त्यौहार छठ पूजा का सबसे महत्वपूर्ण दिवस तीसरा और चौथा दिन होता है

भगवान भास्कर की संध्या व प्रातः अर्घ्य के साथ छठ संपन्न

▶▶दोपहर से ही मुख्य सड़क पर बड़ी बहनों पर रोक लगा दी गई

▶▶अर्घ्य के साथ ही चार दिनों से चला रहा सूर्य उपासना का महापर्व संपन्न हो गया

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़: छठ महापर्व के तीसरे दिन कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को अस्ताचलगामी अर्थात भगवान भास्कर संध्या अर्घ्य के साथ संपन्न हो गया। छठ पूजा का सबसे महत्वपूर्ण दिवस तीसरा और चौथा दिन होता है। तीसरे दिन षष्ठी तिथि समाप्त होकर सप्तमी तिथि प्रारंभ हो जाता है। 19 नवंबर को छठवर्ती 36 घंटा का उपवास प्रारंभ हो गया है। छठवर्ती अपने-अपने जल से भरे घाट पर अपने साथ पूजन का सामग्री यथा एक डाला एवं सुप पर सुथनी, नींबू, अदरक जड़ सहित, कच्चा हल्दी जड़ सहित, नारियल, डाभ, मूंगफली, आवला, फल फूल , अरवा चावल से बने कचौनिया, शुद्ध घी के बने ठेकुआ आदि सजाकर संध्या के पूर्व ही घाट अपना स्थान ग्रहण कर ली। घाट पर पहुंचकर पश्चिम दिशा की ओर सूप के ऊपर दीये रखकर भगवान भास्कर की आराधना की। छठवर्ती संध्या के पूर्व ही घाट पर उतरकर भगवान भास्कर की हाथ जोड़कर नमन करते हुए परिवार की जीवन की सुख शांति के लिए प्रार्थना की तथा अस्त होते सूर्य को अर्घ्य दी। शहर के ठाकुरबारी, काली भाषा पोखर, शिव शीतला मंदिर पोखर, तीन बांग्ला तालाब, नल प्यादा पुर,कल पोखर रेलवे कॉलोनी, खदान पड़ा रामसागर पोखर, साधु पोखर, काली सागर तालाब, कॉलेज रोड स्थित कंकर पोखर, आदि में भारी संख्या में छठवर्ती को भगवान भास्कर के संध्या अर्घ्य देते देखा गया

छठ पूजा के मद्दे पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था की गई थी। दोपहर से ही मुख्य सड़क पर बड़ी बहनों पर रोक लगा दी गई। नगर परिषद पाकुड़ द्वारा सड़कों की अच्छी प्रकार से साफ सफाई की गई। एवं पानी से धोया गया। सभी छठ घाटों की साफ सफाई के साथ अच्छी प्रकार से विद्युत व्यवस्था की गई। सूर्यदेव भगवान की मूर्ति लगाई गई। चौक चौराहों पर विशेष पुलिस बल द्वारा निगरानी रखी गई।19 नंबर को सूर्यास्त का समय 5:26 बताया गया। 20 नवंबर को चौथे दिन यानी सप्तमी तिथि को भगवान भास्कर के उदित रूप को अर्घ्य साथ ही चार दिनों से चला आ रहा छठ महापर्व संपन्न हो गया। छठवर्ती अति प्रातः काल पुनः अपने घाट पर नए प्रसाद के साथ पूर्व दिशा की ओर अपनी सुप को रखकर घाट पर दिये जलाकर भगवान भास्कर की आराधना की एवं उदयगामी सूर्य को घाट पर उतरकर अर्घ्य दी। परिवार के सभी लोग स्नान ध्यान कर प्रातः काल भगवान भास्कर को अर्घ्य अपने अपने ने चढ़ाई गई सुप पर पूर्व दिशा की ओर मुंह कर भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। अर्घ्य के साथ ही चार दिनों से चला रहा सूर्य उपासना का महापर्व संपन्न हो गया। सभी लोग प्रसाद ग्रहण की

महिलाएं एक दूसरे को सिंदूर की तिलक लगाई। पूजा समिति की ओर से कच्चे दूध आम पल्लव की साथ-साथ प्रसाद वितरण किए गए।

बंगाली समिति केअध्यक्ष को दी गयी श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय खबर

मेदिनीनगर : बंगाली समिति के अध्यक्ष प्रभाष रंजन दाशगुप्ता उर्फ साधन दा का पार्थिव शरीर सोमवार को पंचतत्त्व में विलीन हो गया। साधन दा के छोटे भाई प्रमोद रंजन दाशगुप्ता ने मुखाग्नि दिया। कोयल नदी के तट पर राजा हरिश्चंद्र घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। साधन दा का पार्थिव शरीर को शहर थाना के सामने बंगाली समिति के कार्यालय में श्रद्धांजलि दी गयी। बंगाली समिति और बंगीय दुर्गा बाड़ी की ओर से डॉ कौशिक मल्लिक ने कहा की साधन दा अपने समाज के लिए एक वट वृक्ष जैसा थे। उनका निधन न सिर्फ बंगाली समाज बल्कि सभी के लिए अपूरणीय क्षति है। साधन दा गरीब असहाय लोगों का इलाज करवाने के लिए जाते थे। इसके अलावा वे कई सामाजिक तथा धार्मिक संस्थाओं के साथ जुड़ कर सामाजिक कार्य करते थे। उनका राजनीतिक जीवन हुसैनाबाद विधायक कमलेश कुमार सिंह के साथ जुड़ा हुआ रहा। साधन दा के निधन पर हुसैनाबाद विधायक कमलेश और मेदिनीनगर नगर निगम की प्रथम मेयर अरुणा शंकर ने शोक जताया है। छठ के कारण वे अंतिम यात्रा में शामिल नहीं हो पाए, पर उनके प्रतिनिधि अजीत कुमार सिंह व सुनील कुमार ने बंगाली समिति के कार्यालय में आकर श्रद्धांजलि दी। इसके अलावा नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह, समाजसेवी बिनु सिंह, कम्युनिस्ट नेता केडी सिंह, इप्टा के उपेंद्र मिश्रा, बंगाली समिति के पुलिन मित्रा, अरुण रॉय,अशोक चक्रवर्ती, बंगीय दुर्गा बाड़ी के डॉ कौशिक मल्लिक, दिवेन्दु गुप्ता, जयंत विश्वास, अमर भांजा, शिवेश मोइत्रा, प्रसेनजित दाशगुप्ता, मासूम आर्ट ग्रुप के विनोद पांडेय, उज्जवल सिन्हा, सिकंदर कुमार आदि ने भी श्रद्धांजलि दी।

टीम सूर्या ने किया 41 गांवों में पूजन सामग्री का वितरण

राष्ट्रीय खबर

पलामू: लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर हर साल की तरह इस वर्ष भी टीम सूर्या के बैनर तले हुसैनाबाद हरिहरगंज विधानसभा क्षेत्र के 41 गांव में फलाहार का वितरण किया गया। जिन गांव में वितरण किया गया उसमे हुसैनाबाद के जयप्रकाश चौक जपला,गईता पोखरा, नहर मोड़ जपला, दंगवार, देवरी, महुदंड,अमही,इमलिया टिकर, डंडीला,पथरा,पोलडीह, पिपरा के सरैया कुंडपर,टंडवा जगदीशपुर, तेंदुई पंचायत भवन,हसनपुर, मधुबाना,दमवा,बरदाग,जीतपुर,पिपरा बाजार,अंधारीबाग, डिहरिया, दलपतपुर,मसूरिया,चपरबार,लईचू डीह ,गेरुआधाम,धवतर,बभंडी, सोनबे, मोहम्मदगंज के मोहम्मदगंज बाजार, कादल, हैदरनगर के शिवालापार ,कोइरी मोहल्ला हैदरनगर,दीवान बीघा, कुकही,सड़ेया,कबरा,परता,बभंडी ,बरवाडीह बाजार,बरेवा के अलावा डाल्टनगंज व हरिहरगंज में भी ईख का वितरण किया है। विभिन्न गांव के छठ घाटों पर कार्यकताओं ने ईख व फलाहार का वितरण किया व छठ महापर्व में घाट पर हर संभव मदद की। सूर्या सिंह ने कहा कि यह सिलसिला विगत 16 वर्षो से चल रहा है, आगे भी यह जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका और विधायक कमलेश कुमार सिंह का यह प्रयास रहता है की किसी के पर्व त्योहारों में कोई कमी नहीं रहे। उनसे जितना बनता है। सहयोग करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने इस कार्यकाल में दो दर्जन से अधिक छठ घाटों का निर्माण कराने के साथ साथ हैदरनगर के मुख्य छठ घाट पर नाला निर्माण व डीप बोरिंग की व्यवस्था कराई है। आगे भी जरूरत के मुताबिक कार्य किए जायेंगे।

छठ पर्व देश भर में जगह-जगह आस्था की डुबकी से सराबोर दिखे छठ पर्व के घाट

उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ लोक आस्था का महापर्व संपन्न

▶▶सुबह के समय भगवान भास्कर को सूर्योदय काल में अर्घ्य दिया गया

राष्ट्रीय खबर

बेरमो: बेरमो कोयलांचल में छठ पर्व को बड़े धूम-धाम से मनाया गया। आज प्रतःकाल बेला में व्रती महिलाओं ने उगते हुए सूर्य देव को अर्घ्य देने के बाद उनकी और मां छठी मैया की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की और इसके बाद व्रत का पारण किया। बता दें कि, यह व्रत कुल 36 घंटे का था। जिसे व्रती महिलाओं ने छठ पूजा के समापन के बाद खोला है। बेरमो हजारो की संख्या में व्रती महिलाओं ने जगह-जगह घाटों पर अपनी आस्था की उपस्थिति दर्ज करवाई। सासंद चन्द्रप्रकाश चौधरी, बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह,16 वी लोकसभा सांसद रवींद्र कुमार पांडेय, ढोरी जीएम मनोज कुमार अग्रवाल, कथारा जीएम दिनेश कुमार गुप्ता,व बीएंडके जीएम एम केराव, भाजपा नेता प्रकाश कुमार सिंह, डॉ उषा सिंह, बेरमो प्रमुख गिरिजा देवी, मजदूर नेता गिरजा शंकर पांडेय, ट्रांसपोर्टर रिशु पांडेय, भोला सिंह, राजू सिंह, तरुण सिंह, मीनू अग्रवाल, सुरेंद्र खेमका ,फुसरो व्यवसाई संघ के आर उनेश, ढ़ोरी क्षेत्र के एसओपी प्रतुल कुमार, पीओ मनोज कुमार सिंह, के आर सत्यार्थी, रंजीत कुमार व शैलेश प्रसाद थाना प्रभारी अशोक कुमार,सुप्रसिद्ध महिला चिकित्सक डॉक्टर शकुंतला कुमार सहित हजारो लोगों ने सोमवार की सुबह भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। फुसरो व्यवसायी संघ फुसरो ने लाइट एवं सेवा केंद्र लगाकर अर्घ्य देने जा रही छठव्रतियों के सूप-दऊरे में फल अर्पण किया। यहां आर उनेश, दिनेश सिंह,अशोक सिंह, संतोष श्रीवास्तव, सुभाष बरनवाल ,अमरनाथ मिश्रा शंकर सिंह आदि लोगों का योगदान रहा।

करगली गैट तापस क्लब और फुसरो-हिंदुस्तान पुल दामोदर नदी छठ घाट में न्यू स्टार क्लब द्वारा अपने सहयोगियों के साथ छठ घाट सजाकर और फल वितरण किया। विजय सिंह, प्रसादी महतो, अनिल गुप्ता, शंभू यादव, धर्मेंद्र सिंह, पंकज सिंह, घनश्याम प्रसाद, रमेश स्वर्णकार आदि ने सेवा दिया। मारवाड़ी युवा मंच के दिलीप गोयल, पिंटू राईका, दीपक अग्रवाल, छितरमल अग्रवाल, आदि मुख्य रूप से शामिल थे।

अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस पर बच्चों के बीच हुआ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

गुवा : नोवामुंडी प्रखंड अंतर्गत गुवा के हिरजीहाटिंग दुर्गा मंडप के प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस पर बच्चों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हिरजीहाटिंग ग्राम संगठन गुवा के द्वारा आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं में 10 साल से लेकर 15 साल तक के बच्चों के लिए चित्रकला बनाओ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अनुराग नायक, द्वितीय नीलू महतो तथा तृतीय स्थान में रश्मिता मिश्रा रही। वही 5 साल से 10 साल तक के बच्चों के लिए चित्रकला में प्रथम प्राची पिंगुवा, द्वितीय दृष्टि भेंगरा तथा तृतीय आशा तांती रही। 3 साल से लेकर 5 साल तक के बच्चों के लिए बिस्कुट रेस में प्रथम राज रजवार, द्वितीय हर्ष गोप रहा। 3 साल से 5 साल तक के बच्चों के लिए चॉकलेट रेस में प्रथम आदि बुकरू, द्वितीय रोहित मिश्रा तथा तृतीय में हर्ष गोप रहा। वहीं लड़कियों के लिए 10 साल से 15 साल तक के बच्चों के लिए रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम निकिता महतो, द्वितीय भूमि गोप तथा तृतीय एंजेल भेंगरा रही। 7 से 10 साल तक के बच्चों के लिए चॉकलेट रेस में प्रथम आदित्य किंदो, द्वितीय स्नेहलता नायक तथा तृतीय पिंकी तिर्की रही। सुई धागा रेस में प्रथम स्नेहलता नायक, द्वितीय नीतू महतो तथा तृतीय पिंकी तिर्की रही। 3 से 5 वर्ष तक के बच्चों के लिए चॉकलेट रेस में प्रथम आकाशी गोप, द्वितीय जानू तथा तृतीय अनुप्रिया गोप रही। वही तीन से पांच साल तक के बालक को के लिए चॉकलेट रेस में प्रथम आदित्य किंडे, द्वितीय स्नेहलता नायक तथा तृतीय पिंकी तिर्की रही। 7 साल से 10 साल तक के बच्चों के लिए बोरा रेस में प्रथम अनुराग नायक, द्वितीय आयुष मोदी तथा तृतीय ईशान नायक रहा। 100 मीटर रेस में प्रथम सुधीर मिंज, द्वितीय कृष्ण लोहरा तथा तृतीय कुंदन मौर्या रहा। महिलाओं के लिए हांडी फोड़ में प्रथम स्थान मार्शा चातर रही। वही म्यूजिकल चेयर में प्रथम चांदमनी लागुरी, द्वितीय जानो चातर तथा तृतीय रोंगों देवी रही। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि नोवामुंडी भाग एक जिला परिषद सदस्य सुश्री देवकी कुमारी, पश्चिमी पंचायत मुखिया पद्मिनी लागुरी, पूर्वी पंचायत मुखिया चांदमनी लागुरी तथा बाल अधिकार सदस्य पदमा केसरी ने विजेताओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। इस मौके पर जेंडर सीआरपी गीता देवी, ममता देवी, टीआरआईएफ के अनुराधा राव, सक्रिय महिला रजनी प्रधान, अध्यक्ष नीलानी टोप्पो, चांदमनी देवी, पद्मावती मिश्रा, शेख हयूल,दुचा टोप्पो, पंचायत समिति सदस्य भादो टोप्पो सहित अन्य मौजूद थे।

कर्तव्य हीनता के आरोप में बोकारो एसपी ने महुआटांड थाना प्रभारी को किया निलंबित

बेरमो :बोकारो एसपी प्रियदर्शी आलोक ने कर्तव्य हीनता के आरोप में महुआटांड थाना प्रभारी श्रीकांत कुमार को निलंबित किया कर दिए है।बता दें कि बोकारो एसपी प्रियदर्शी आलोक देर रात महुआटांड थाना के औचक निरीक्षण में निकले थे। इस दौरान थाना प्रभारी थाने से गायब पाए गए थाना प्रभारी श्रीकांत कुमार . एसपी प्रियदर्शी आलोक ने जानकारी देते हुए कहा कि निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी थाने से गायब थे . पता करने पर पता लगा कि थाना प्रभारी जिले से बाहर थे। दरअसल महुआटांड थाना बोकारो जिला के अति उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र में पड़ता है . यह थाना क्षेत्र बोकारो एवं रामगढ़ जिला के सीमा क्षेत्र को भी जोड़ता है . इस क्षेत्र में नक्सली गतिविधि बनी रहती है साथ ही कोयला का अवैध कारोबार भी जारी रहता है . इसी को देखते हुए जिले के एसपी प्रियदर्शी आलोक क्षेत्र में औचक निरीक्षण पर निकले थे . जिसमें उन्होंने बताया कि थाना प्रभारी थाने में ही नहीं बल्कि जिले से भी बाहर थे इसलिए उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए निलंबित किया गया है।

रांची, लोहरदगा. गुमला सभी जिलों में दिखा छठ महापर्व का उत्साह

गुमला: गुमला ,रांची एवं लोहरदगा सिमडेगा खुंटी हजारीबाग पश्चिम शिवम सभी जिलों में छठ महापर्व धूमधाम के साथ आज मनाया गया हस्ताचल गांव में सूर्य को अर्घ्य अर्पित की गई।भगवान भास्कर को समर्पित लोक आस्था और उपासना के महापर्व छठ की महिमा ऐसी है कि श्रद्धा और भक्ति- भाव में हर कोई समाहित हो जाता है। आम हो या खास, सभी पवित्रता के बंधन में बंध जाते हैं। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन भी अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कल्पना सोरेन और दोनों पुत्रों के साथ हटनिया तालाब घाट पर एक आम श्रद्धालु के रूप में हजारों श्रद्धालुओं के बीच पहुंचे। उन्होंने यहां न्यू पुलिस लाइन निवासी और दैनिक मजदूरी करने वाले श्री मनोज शाह की धर्मपत्नी और व्रतधारी श्रीमती अलका देवी तथा रेस्टोरेंट में वेटर का काम करने वाले श्री मनोज कुमार की धर्मपत्नी अनिता देवी (व्रतधारी) के परिजनों के साथ अस्तचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रतधारी का आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने इस पावन अवसर पर छठी मईया से राज्य की उन्नति और राज्यवासियों के सुख -समृद्धि, खुशहाली, शांति और निरोग जीवन की प्रार्थना की।असीम आस्था, पवित्रता, आत्मानुशासन, स्वच्छता और प्रकृति पूजा का प्रतीक है यह महापर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि महापर्व छठ की अलौकिक परंपरा निभाने की संस्कृति सदियों से चली आ रही है। इस महापर्व में सभी तरह के फासले मिट जाते हैं। छठी मईया के लिए हर कोई समर्पित भाव से अपनी सेवा देता है। व्रतधारी 36 घंटे का निर्जला उपवास रखकर भगवान भास्कर की उपासना करते हैं। यह महापर्व असीम आस्था, पवित्रता, आत्मानुशासन, स्वच्छता और प्रकृति पूजा का प्रतीक है । गुमला के छठ घाटों नदी तालाब में भी आज अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर सूर्य भगवान से सुख समृद्धि की कामना की गई। मयूरी ट्रस्ट के डायरेक्टर बसंत कुमार गुप्ता ने छठ महापर्व के अवसर पर गुमला जिले की सभी जनता को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। जिला प्रशासन के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा भी छठ पूजा को लेकर काफी सक्रिय देखे गए।

लोक आस्था का महापर्व उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ

गिद्दी : लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा उदीयमान भगवान भास्कर के अर्घ्य के साथ पुरे डाड़ी प्रखंड में संपन्न हुआ. इसके पहले रविवार को छठ व्रतियों द्वारा दामोदर नद, मरनगढ़ा एवं अन्य आसपास के ताल-तलैया में अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को पहली अर्ध्य के साथ शुरू किया गया। जो दूसरे दिन सोमवार को उदीयमान भगवान भास्कर को पुरे विधि विधान के साथ अर्घ्य देकर समाप्त किया गया.तब व्रतियों द्वारा अपने 36घंटे का निर्जला व्रत खत्म कर अन्न जल ग्रहण किया गया।इस मौके पर व्रतियों ने बताया की रविवार का दिन ऐसे भी भगवान भास्कर का दिन होता है .इस बार छठ पूजा की एक खाश महिमा थी .जो रविवार को शुरू होकर सोमवार को खत्म हुआ .इस दौरान कई सामाजिक संस्थानों द्वारा गिद्दी, रेलीगढ़ा, गिद्दी सी, मिश्राइन मोढ़ा, रिकवा, डाड़ी, कनकी, बलसगरा, टोंगी आदि जगहों में व्रतियों के बीच फल,दूध आदि का वितरण किया गया. कई क्लबों द्वारा व्रतियों के छठ घाट जाने के रास्तों सहित छठ घाटो का रंग बिरंगे विद्युत की सज्जा की गयी थी .छठ घाटों पर रात्रि जागरण के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए थे .सोमवार को विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा व्रतियों को लौटने के क्रम में चाय,खीर व खिचड़ी की व्यवस्था की गयी थी।लोकआस्था का उक्त पर्व कोयलांचल सहित ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम के साथ संपन्न हो गया .स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा पूजा में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए चौकसी बरतते हुए गश्त लगाते हुए मुस्तैद दिखी।

आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का सफल आयोजन

चितरपुर : चितरपुर प्रखंड मुख्यालय के सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्ञानमणि एक्का की अध्यक्षता में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर बैठक हुई। बैठक में मुख्य रूप से रामगढ़ जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी, बीस सूत्री अध्यक्ष जकाउल्लाह, उपप्रमुख अरशद उल्लाह मौजूद थे। इस दौरान बैठक में जीप अध्यक्ष ने मौजूद सभी को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को ग्रामीणों तक पहचाये। साथ ही सभी योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को दे।

संपादकीय

लोकतंत्र की राह में रोड़ा बनता राजभवन

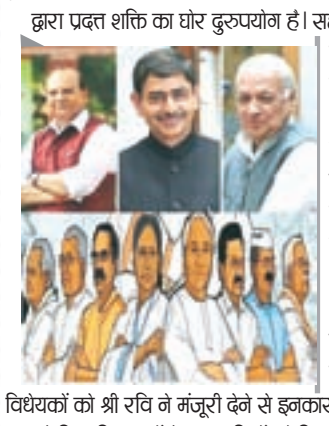

पहली बार ऐसा देखा जा रहा है कि जिन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार नहीं है, वहां के काम काज पर दखल के लिए राज्यपालों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस वजह से एक नहीं अनेक मामले उच्चतम न्यायालय तक आ रहे हैं। ऊपर से अदालत के फैसले का भी राजभवनों पर कोई असर होता हुआ नजर नहीं आ रहा है। ताजा मामला दिल्ली का है, जहां उप राज्यपाल ने मंत्रिमंडल की जांच की सिफारिश को खारिज कर दिया है। दरअसल यह अनुशंसा उनके ही करीबी समझे जाने वाले दिल्ली के मुख्य सचिव के खिलाफ थी, जिसमें उनपर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने अपने ही पुत्र को अनुचित लाभ दिलाने का काम किया है। दूसरी तरफ तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि राज्य में विश्वविद्यालयों से संबंधित विधेयकों पर सहमति रोकने का रवि का कृत्य संवैधानिक अत्याचार के अलावा कुछ नहीं है। यह विधायिका द्वारा पारित विधेयकों को सहमति देने या अस्वीकार करने की संविधान द्वारा प्रदत्त शक्ति का घोर दुरुपयोग है। सहमति देना राज्य के नाममात्र प्रमुख का एक नियमित कार्य है, और इसे रोकने की असाधारण शक्ति का अनुचित तरीके से प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। बल्कि, राजभवन में पदासीन लोगों को इस वीटो का उपयोग शायद ही कभी करना चाहिए, और केवल प्रमुख मामलों में जब बुनियादी संवैधानिक मूल्य दांव पर हों। जिन विधेयकों को श्री रवि ने मंजूरी देने से इनकार कर दिया है, उनमें मुख्य रूप से विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को नियुक्त करने की राज्यपाल की शक्ति को छीनने और इसे राज्य सरकार में निहित करने की मांग की गई है। इन विधेयकों में ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे राज्यपाल अस्वीकार कर सकें, कुलाधिपति के रूप में उन्हें प्रदत्त शक्तियों को बरकरार रखने के निहित स्वार्थ को छोड़कर। राज्यपालों द्वारा उनके पास लंबित विधेयकों को मंजूरी देने में देरी करने पर सुप्रीम कोर्ट की उचित टिप्पणी के बाद विधेयकों की अस्वीकृति एक तीखी प्रतिक्रिया प्रतीत होती है। अपनी ओर से, द्रमुक सरकार ने तुरंत विधानसभा का एक विशेष सत्र बुलाया और उन्हीं विधेयकों को फिर से अपनाया। सवाल उठता है कि क्या यह इस धारणा के तहत था कि यदि उन्हीं विधेयकों पर पुनर्विचार किया गया और सदन द्वारा फिर से पारित किया गया तो राज्यपाल सहमति देने के लिए बाध्य हैं। इसी तरह पंजाब का भी मामला उठा था, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है। उससे पहले ही शीर्ष अदालत की संविधान पीठ ने दिल्ली के मामले में यह फैसला सुनाया था कि दिल्ली का असली बॉस वहां की चुनी हुई सरकार है। अब राजभवन और राज्य सरकार के विवाद की वजह से कानूनी स्थिति यह है कि ये विधेयक कानून बनने में विफल रहे हैं। अपने विधेयकों की अस्वीकृति से व्यथित सदन के लिए संविधान में कोई उपाय नहीं है। अनुच्छेद 200 का प्रावधान, जो दूसरी बार पारित विधेयकों के लिए राज्यपाल की सहमति को अनिवार्य बनाता है, उन विधेयकों पर लागू नहीं होता है जिनके लिए सहमति रोक ली गई है, एक शब्द जिसका अनिवार्य रूप से अर्थ अस्वीकृत है। यदि सरकार इस स्थिति से अवगत थी और फिर भी उन्हें फिर से अपनाने का साहस कर रही थी, तो संभवतः इसका मतलब एक राजनीतिक संदेश था कि वह अपने विधायी उपायों को आगे बढ़ाने के मामले में पीछे नहीं हटेगी। उनके ताजा पारित होने का प्रभाव यह है कि राज्यपाल उन्हें ताजा विधेयक मान सकते हैं। इसका मतलब है कि वह एक बार फिर सहमति रोकने के लिए स्वतंत्र है। एक तरह से, राज्यपाल की कार्रवाई ने संविधान में एक अलोकतांत्रिक और संघीय-विरोधी विशेषता को उजागर करने में मदद की है जो निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा पारित कानून के टुकड़ों को अस्वीकार करने की एक अनियंत्रित शक्ति बनाती है। राज्यपाल की शक्तियों के संबंध में चल रही कार्यवाही में अपनी टिप्पणियों में, न्यायालय ने इस तथ्य पर ध्यान आकर्षित किया है कि राज्यपाल निर्वाचित नहीं होते हैं। न्यायालय को इस बात की जांच करनी चाहिए कि क्या उस कार्यालय को कानून पर वीटो का अधिकार देना संसदीय लोकतंत्र का उल्लंघन है, जो संविधान की मूल विशेषता है। पक्षपातपूर्ण शरारत की गुंजाइश को समाप्त करने के लिए एक आधिकारिक घोषणा की आवश्यकता है। झारखंड में भी सरकार को अस्थिर करने की साजिश हुई थी। गनीमत है कि उस वक्त के राज्यपाल के पास आया चुनाव आयोग का पत्र, जिस लिफाफा में था, वह ऐसा चिपका कि आज तक नहीं खुल पाया। लेकिन यह तय नहीं है कि यह चिपका हुआ लिफाफा बाद में कभी भी नहीं खुल सकता है। बंगाल में भी खास तौर पर अनेक मामलों में राजभवन और राज्य सरकार के बीच खींच तान नियमित बात हो गयी है। इन कृत्यों से लोकतंत्र बाधित हो रहा है यह हर कोई समझ सकता है। देश में लोकतंत्र कायम रहे इसके लिए राजभवन से संचालित हो रहे राजनीतिक एजेंडा को अब रोकने का वक्त आ गया है।

वृद्ध माता पिता परिवार के वटवृक्ष और धरोहर

मां शब्द बड़ा ही वृहद और विराट होता है पूरी सृष्टि इसमें समाहित होती है। मां ,धरती, जननी, धरा ,माते इतने पवित्र शब्द है कि संताने उनका ऋण कभी नहीं चुका सकती हैं और पिता वटवृक्ष से घना साया हैं पितृऋण से कभी उबरा नहीं जा सकता। यूरोप और पश्चिम देश इतने अभागे हैं कि वे अपने माता और पिता को वृद्धा आश्रम में छोड़ आते हैं या उन्हें छोड़कर स्वयं संताने दूर चली जाती हैं। स्विजरलैंड जैसे खूबसूरत देश में बुजुर्ग दंपत्ति इच्छा मृत्यु लेकर अपना अंतिम समय व्यतीत करते हैं, पर भारत सांस्कृतिक संस्कारी रूप से समृद्ध है तथा मां-बाप संतानों के पास रहते हैं। कुछ प्रतिशत छोड़ दिया जाए महानगरों में संताने मां और पिता को वृद्ध आश्रम में रखने का उपक्रम करने लगे हैं। पाश्चात्य सभ्यता की यह अंधी नकल बुजुर्ग दंपतियों के लिए बड़ी ही मार्मिक और हृदय विदारक होती है। वृद्ध दंपतियों का अनुभव परिवार के विकास समृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यह विडंबना है मनुष्य अत्यंत अनुभवी परिपक्व,प्रबुद्ध शालीन हो जाता है तब उसके अनुभव कार्य की लगन सहनशीलताऔर परिपक्व मस्तिष्क का हम सदुपयोग नहीं करते उन्हें अवकाश प्रदान कर देते हैं यह भी इस सिक्के का दूसरा पहलू है कि ईस उम्र में शरीर में थकावट और वृद्धावस्था आ जाती है पर हम उन्हें सम्मान और यथा योग्य महत्व देकर उनके मार्गदर्शन और परामर्श का यथोचित लाभ लेकर अपने जीवन व्यवसाय अथवा नई नीतियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं, पर अमूमन ऐसा होता नहीं है।

संजीव ठाकुर
स्तंभकार

वृद्धावस्था को जीवन का अंतिम पड़ाव एवं समस्याओं से गिरी हुई अवस्था माना जाता है, क्योंकि इस अवस्था में वृद्धों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।समय की रफ्तार के साथ समाज में अनेक परिवर्तन होने लगे हैं। नवीन पीढ़ी के लोग पुराने विचारों के लोगों का उनके जीवन में हस्तक्षेप उचित ना समझ कर बर्दाश्त नहीं करते हैं,इसी कारण युवा पीढ़ी बुजुर्गों और वृद्धों के विचारों की गहन उपेक्षा करने लगते हैं और बुजुर्गों को लगता है कि उनकी समाज में उपयोगिता धीरे धीरे कम हो रही है। जीवन का सांध्य काल आने पर मनुष्य कई समस्याओं से घिर जाता है। सबसे बड़ी समस्या शारीरिक क्षमता में कमी आ जाने की है, शरीर की सभी इंद्रियां धीमी पड़ जाती हैं,अनेक प्रकार की व्याधियों से शरीर घिर जाता है और मनुष्य धीरे-धीरे शरीर पर नियंत्रण खोता जाता है। उम्र के वृद्धावस्था के पड़ाव पर अनेक शारीरिक बीमारियों के साथ-साथ मूल समस्या मानसिक व्याधि की होती है। सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों में वेतन भोगी कर्मचारी को एक निर्धारित आयु के बाद सेवानिवृत्त कर दिया जाता है और यह मान लिया जाता है कि वह व्यक्ति अब शारीरिक एवं मानसिक श्रम के योग्य नहीं रहा चाहे वह व्यक्ति स्वस्थ ही क्यों ना हो। इसके बाद उस व्यक्ति के जीवन में अनेक कठिनाई आने लगती हैं। जैसे ही व्यक्ति की आर्थिक उपयोगिता समाज में कम होने लगती है, वह समाज के लिए अनुपयोगी मान लिया जाता है और इस अवस्था में पहुंचने के बाद मानसिक तनाव की स्थिति बनने लगती है। लोगों के संपर्क में न रहना, सहयोगी तथा मित्रों की मृत्यु भी मानसिक तनाव का बड़ा कारण होती है। आत्मविश्वास की धीरे-धीरे कमी होने लगती है, जिससे मानसिक विकृति अकेलापन आदि जैसे रोगों का निर्माण होने लगता है। इस अवस्था में मान सम्मान की कमी की समस्या तो होती ही है, दूसरी तरफ सीमित तथा अल्प धन की उपलब्धता के कारण आर्थिक कष्ट भी वृद्धों को उठाना पड़ता है। इसके साथ ही परिवार तथा समाज की नजरों में व्यक्ति अनुपयोगी, बोझ, फालतू समझा जाने लगता है, जिससे बुजुर्ग व्यक्ति के मन में एक प्रकार की वितृष्णा आने लगती है। और कई बुजुर्ग इस अवहेलना को ना बर्दाश्त कर आत्महत्या तक कर बैठते हैं। जो व्यक्ति कुछ समय पहले तक महत्वपूर्ण था, विशिष्ट था वह अचानक ही बोझ समझा जाने लगता है। उसके मान सम्मान एवं भावनाओं का महत्व बहुत कम हो जाता है। भागदौड़ वाली इस जिंदगी में युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों से एक दूरी बनाना शुरू कर देती है और वह व्यक्ति अकेला ही रह जाता है। जब मनुष्य अपने को एकाकी समझने लगता है तो यह उसके जीवन का सर्वाधिक कठिन समय एवं पल होता है। आत्मविश्वास जनित प्रेरणा की कमी वृद्धावस्था को बोझिल बना देती है। व्यक्ति की स्थिति अत्यंत दयनीय हो जाती है, दूसरों पर निर्भरता बढ़ने लगती है। नई पीढ़ी द्वारा उसे अकेला छोड़ दिया जाता है। यही परिस्थिति वृद्धा अवस्था के लिए एक अभिशाप की तरह होती है।

वृद्धावस्था में मनुष्य के मानसिक तथा शारीरिक कष्ट के प्रमुख कारणों में से संयुक्त परिवार का विघटन भी है। युवा पीढ़ी द्वारा अपने मां-बाप से अलग होकर रहने की चाहत हमारे देश में एक गंभीर समस्या पैदा करती है। वृद्ध व्यक्ति या दंपत्ति को जिस आयु में पुत्र, पुत्रियों की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है, ऐसे समय में पुत्र द्वारा उनकी देखभाल छोड़कर अलग रहने के लिए अलग मकान बनाना या किराए पर रहना, उस दंपत्ति या व्यक्ति को मानसिक रूप से प्रताड़ित भी करती है। भारत देश वही देश है यहां की संस्कृति में परिवार के बुजुर्ग को भगवान के समान माना जाता था, किंतु संयुक्त परिवार प्रणाली के विघटन के कारण आज की नई युवा पीढ़ी ना तो बड़ों के अनुशासन में रहना चाहती है नहीं उन्हें किसी प्रकार का आदर सम्मान देना चाहती है। औद्योगिकरण और विसंस्कृतिकरण प्रणाली के फल स्वरुप युवा पीढ़ी के रहन-सहन एवं जीवन शैली में तीव्र बदलाव देखा जा रहा है। इस युग में व्यक्ति जितना अपने कार्यों में व्यस्त हो गया है कि उसको परिवार के साथ बैठने, रहने की फुर्सत ही नहीं मिल पाती। भारत में बदलते परिवेश में ओल्ड एज होम की अवधारणा तेजी से बल पकड़ती जा रही है। नई पीढ़ी तरह पुरानी पीढ़ी के बीच एक तरह कम्युनिकेशन गैप भी आ जाता है, जो बुजुर्गों के लिए एक बड़ी समस्या होती है। बुजुर्ग दंपत्ति हो या व्यक्ति के पास जब तक धन रहता है तब तक उनके पुत्र, पुत्री उनका ख्याल रखते हैं और जब वह धनहीन हो जाते हैं, तो उन्हें नकार दिया जाता है ।यह एक बड़ी समस्या आज बुजुर्गों के सामने यक्ष प्रश्न बनकर खड़ी है। व्यक्ति को बुजुर्ग अवस्था में जब सबसे ज्यादा धन की आवश्यकता होती है तब उसके पास धन नहीं होता है। यह धन की कमी उपेक्षा का बड़ा कारण भी बनती है। युवा पीढ़ी का व्यक्तिगत स्वार्थ एवं धन के प्रति आकर्षण भी बुजुर्गों के प्रति प्रभाव तथा उपेक्षा का मूल कारण होता है।

व्यक्ति का जब सर्वश्रेष्ठ काल होता है तब उपेक्षित और समस्या ग्रस्त होकर अवसाद ग्रस्त हो जाता है। अंग्रेजी के प्रसिद्ध कवि रॉबर्ट ब्राउनिंग वृद्धावस्था के बारे में लिखा है

मेरे साथ रहो, रुको वृद्ध हो,
अभी जीवन का सर्वोत्तम शेष है।

वृद्ध व्यक्ति भी मानव है, उसे भी संवेदना, सहानुभूति और प्यार की आवश्यकता होती है। नई पीढ़ी को चाहिए कि वृद्धों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें उनकी लगातार सेवा करनी चाहिए, उनके मार्गदर्शन उनका परामर्श परिवार तथा समाज के लिए जल कल्याणकारी होता है। भारतीय संस्कृति के अनुसार उनका आशीर्वाद उनकी शुभकामनाएं लोक मंगलकारी होती हैं यह माना जाता है कि बुजुर्ग का आशीर्वाद ईश्वर के आशीर्वाद जैसा ही होता है।

पुस्तकें जीवन की सार्थक मार्गदर्शक, बुद्धिमान सलाहकार और धैर्यवान शिक्षक

महात्मा गांधी ने कहा है कि पुराने वस्त्र पहनों पर नई पुस्तकें खरीदो' उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तकों का महत्व रत्नों से कहीं अधिक है, क्योंकि पुस्तकें अंत:करण को उज्जवल करती हैं। आज डिजिटल पढ़ाई का समय आ चुका है पर बुनियादी शिक्षा भारत में अभी भी पुस्तकों पर निर्भर है और पुस्तक ही देश के राष्ट्रीय चरित्र के निर्माण में एक सच्ची मार्गदर्शन की तरह होती है। सच्चाई भी यही है कि पुस्तकें ज्ञान के अंत:करण और सच्चाईयों का भंडार होती है। आत्मभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भी होती हैं। जिन्होंने पुस्तके नहीं पढी हैं या जिन्हें पुस्तक पढ़ने में रूचि नहीं है वे जीवन की कई सच्चाईयों से अनभिज्ञ रह जाते हैं। पुस्तकें पढ़ने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि हम जीवन की कठिन परिस्थितियों से जूझने की शक्ति से परिचित हो जाते हैं,और समस्या कितनी भी बड़ी हो हम उससे जीतकर निजात पा जाते हैं। कठिन से कठिन समय पर पुस्तकें हमारा मार्गदर्शन एवं दिग्दर्शन करती है। जिन मनीषियों ने पुस्तक लिखी है और जिन्हें पुस्तकें पढ़ने का शौक है उन्हें ज्ञानार्जन के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं होतीहैं। पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे कलाम साहब ने कहा है कि एक पुस्तक कई मित्रों के बराबर होती है और पुस्तकें सर्वश्रेष्ठ मित्र होती हैं। शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती हैं। निसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में में विशेष भूमिका निभाती है। पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक,नैतिक, चारित्रिक, व्यवसायिक एवं राजनीतिक विकास में अत्यंत सहायक एवं सफल दोस्त का फर्ज अदा करती हैं। प्राचीन काल से ही बच्चों तथा नौनिहालों के विकास के लिए पुस्तकें लिखे जाने का चलन तथा रिवाज रहा है। 'पंचतंत्र'तथा 'हितोपदेश' इसके बहुत बड़े उदाहरण हैं।
पंचतंत्र,हितोपदेश में ज्ञानार्जन के लिए एवं संस्कृति सभ्यता और शिक्षा के उपयोग की बातें जो दैनिक जीवन में अत्यंत प्रभावशाली तथा उपयोगी होती है, लिखी गई हैं। और यही पुस्तकें इस देश की सभ्यता संस्कृति के संरक्षण तथा प्रचार प्रसार में अहम भूमिका निभाती आई है। इसी तरह की पुस्तकों ने ज्ञान का विस्तार भी किया है। विश्व की हर सभ्यता मे लेखन सामग्री का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

साहित्य

इस हार के लिए वीवीआईपी की मौजूदगी तो जिम्मेदार नहीं

वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में भारत को हार का सामना करना पड़ा। लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंचने वाली टीम इंडिया का विजय रथ ऑस्ट्रेलिया ने तोड़ा और फाइनल अपने नाम किया।वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की हार के बाद क्रिकेट प्रशंसक काफी निराश हैं।वे मानते हैं कि टीम का अति आत्मविश्वास हार का कारण बना। इस फाइनल मैच को देखने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ,गृह मंत्री अमित शाह समेत बडी संख्या में फिल्मी हस्तियों जैसे अति वीवीआईपी स्टेडियम में मौजूद थे। ये भी हो सकता है कि इन वीवीआईपी की मौजूदगी के कारण भारतीय टीम पर अच्छा प्रदर्शन दिखाने के प्रेशर रहा हो।इसीके कारण भारतीय टीम चूक करने लगी।वह अच्छा प्रदर्शन न कर सकी हो।

अशोक मधुप
वरिष्ठ पत्रकार

भारत की इस हार के बाद भारतवासियों समेत भारत के सभी खिलाड़ी निराश थे। कप्तान रोहित और मोहम्मद सिराज तो अपने आंसू भी नहीं रोक सके। मैच के बाद जब रोहित से टीम की हार पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा ₹नतीजा हमारे अनुकूल नहीं रहा। हम आज उतना अच्छा नहीं खेले। हमने सब कुछ करने की कोशिश की, लेकिन यह हमारी किस्मत में नहीं था। हम 20-30 रन और बनाते तो अच्छा होता। केएल और कोहली अच्छी साझेदारी कर रहे थे और हम 270-280 के स्कोर की ओर देख रहे थे, लेकिन हम लगातार विकेट खोते रहे। जब आपके पास बोर्ड पर 240 रन होते हैं, तो आप विकेट लेना चाहते हैं, लेकिन हमें खेल से बाहर करने का श्रेय हेड और लाबुशेन को जाता है, लेकिन मुझे लगता है कि रात में बल्लेबाजी के लिए विकेट थोड़ा बेहतर हो गया था। मैं इसे कोई बहाना नहीं बनाना चाहता। हमने पर्याप्त रन नहीं बनाए। शानदार साझेदारी करने के लिए उन दोनों ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को श्रेय जाता है।

खेल में हार- जीत चलती रहती है। क्रिकेट तो पूरा भाग्य का खेल माना जाता है। इसके बावजूद ये तो विचार करना ही है कि पूरे विश्व कप के दौरान शुरूआत से अब तक बढ़िया प्रदर्शन करने वाली टीम इंडिया, फाइनल में कोई करिश्मा क्यों नही कर सकी।

प्रशंसक कहते हैं कि भारतीय टीम अति आत्मविश्वास के कारण हारी है। बीबीसी के साथ बातचीत में उन्होंने कहा, "खिलाड़ियों की ऊर्जा कम लग रही थी। गेंदबाजी और फील्डिंग में कमी थी। जिस दिन जरूरत थी उस दिन टीम चूक गई। उनका मानना था भारत ने आज अपना केवल 40 प्रतिशत प्रदर्शन ही ठीक दिया। रोहित शर्मा का विकेट गिरना मैच का टर्निंग प्वाइंट था। इस सवाल के जवाब में कि भारतीय टीम अच्छे फॉर्म में थी, फिर भी क्या हुआ, प्रशंसक कहते हैं, "टीम में आज अनुशासन की कमी थी।₹वहीं एक प्रशंसक कहते हैं, "आज ऑस्ट्रेलिया का दिन था. भारतीय टीम की इतनी आलोचना करना ठीक नहीं है।"

भारत की हार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर टीम का हौसला बढ़ाया ।उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि वर्ल्ड कप के दौरान टीम इंडिया का टैलेंट और दृढ़ संकल्प उल्लेखनीय था।पीएम मोदी ने लिखा, 'आपने बहुत अच्छे जज्बे के साथ खेला है और देश को गौरवान्वित किया है। हम आज आपके साथ खड़े हैं और आगे भी खड़े रहेंगे।' ट्रैविस हेड और मार्नस लाबुशेन की दमदार पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत को छह विकेट से हराते हुए वनडे वर्ल्ड कप छठी बार जीत लिया है।ऑस्ट्रेलियाई पारी की शुरूआत अच्छी नहीं रही और इसके तीन बल्लेबाज केवल 47 रन पर आउट हो गए लेकिन इसके बाद ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन ने चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाई और टीम को जीत की दहलीज तक ले गए।इससे पहले विराट कोहली और केएल राहुल की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया के सामने वर्ल्ड कप 2023 जीतने के लिए 241 रनों का लक्ष्य रखा।टॉस जीत कर पैट कमिंस ने जब भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया तो रोहित शर्मा बोले कि वे भी पहले बैटिंग ही करना चाह रहे थे। रोहित के नेतृत्व में टीम ने जोरदार शुरूआत भी की लेकिन बड़ा स्कोर नहीं खड़ा कर सकी।

जानकारी

महान वीर और पराक्रमी वीर दुर्गादास राठौर

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

राजस्थान की सुनहरी धरती जोधपुर के निकट सालवा गांव में 13 अगस्त 1638 ईस्वी को दुगार्दास का जन्म हुआ। उनके पिता आसकरण जोधपुर राजा, राजा पवन सिंह के खास सरदारों में से थे। दुर्गादास के पिता ने उन्हें उचित लालन - पालन हेतु शस्त्र एवं शास्त्रों में गहन प्रशिक्षणों की व्यवस्था करवाई थी। कहते हैं न कि पूत के पांव पालने में ही दिखने लगते हैं। ठीक वैसे ही बचपन से ही दुर्गादास की हरकतों से पता लगने लगा था कि बड़े होने पर वह जरुर महानतम कार्यो को करने के लिये ही पैदा हुआ है। इसके लिये दुर्गादास के बचपन की घटना का उल्लेख करना आवश्यक होगा। हुआ यूं कि एक बार उन्होंने राज्य के ऊंटों के रखवाले का सिर अपनी तलवार से काट दिया। राज दरबार में इस अपराध के लिये उन्हें पेश किया गया और ऐसी कार्यवाही के लिये 'उनसे सवाल जवाब किया गया, तो उन्होंने कहाकि उस रखवाले ने जोधपुर के किले की शान के खिलाफ अपशब्द कहे थे।
दुर्गादास की स्वामिभक्ति, ओजस्विता एवं शौर्य का सिक्का उस दिन से राजा जसवंत सिंह के मन में जम गया था। आने वाले दिनों में वे अपने स्वामी की अपेक्षाओं की कसौटी पर पूर्णतया खरे भी उतरे। दुर्गादास के समय राजनैतिक उठापटक और कुटिल चाल बाजियों का चरम था। फलतः युद्ध मारकाट भी यदाकदा हो रहे थे। सत्ताप्राप्ति के लिये नित नये षड़यंत्र किये जा रहे थे। उधर मुगल सल्तनत इन सभी बातों का की जानकारी लेकर येनकेन प्रकार से साजिशों के द्वारा यहां के राज्य को हासिल करने के लिए अपनी बिसाते बिछा रही थी। मुगल सल्तनत के अंदर भी सत्ता हासिल करने के लिए साजिशों का दौर जारी था और अंततः एक दिन औरंगजेब ने मुगल सत्ता के अन्य दावेदार दारा पर हमला भी कर दिया। राजा जसवंत सिंह और दुर्गादास ने इस लड़ाई में दारा का साथ दिया।

Vivo के इस धांसू फोन पर पाएं 10 हजार तक का डिस्काउंट

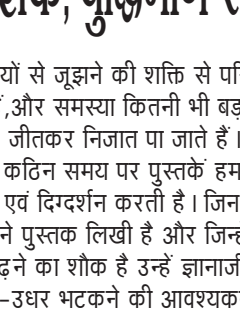

अगर आप भी बजट रेंज में दमदार फीचर्स वाला स्मार्टफोन ढूंढ रहे हैं, तो आपके लिए अच्छी खबर है। आज हम आपको इस आर्टिकल में एक ऐसे ही धांसू फीचर्स से लैस फोन के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे कम कीमत में खरीदा जा सकता है। दरअसल अमेजन पर Vivo Y17s स्मार्टफोन पर बंपर डिस्काउंट ऑफर किया जा रहा है। इसके साथ ही इसपर एक्सचेंज ऑफर भी उपलब्ध कराया गया है। जिसके बाद ग्राहक इस फोन को काफी कम कीमत में खरीद सकते हैं। तो चलिए आपको इस फोन पर मिलने वाले सभी डिस्काउंट और इसकी नई कीमत से लेकर इसकी खासियत तक से रूबरू करवाते हैं। Vivo Y17s पर ऑफर वैसे तो वीवो के इस फोन की कीमत 15,999 रुपये है, लेकिन इसे 28% प्रतिशत की छूट के साथ बिक्री के लिए उपलब्ध कराया गया है। जिसके बाद इस फोन को 11,499 रुपये कीमत के साथ लिस्ट किया गया है। वहीं अगर ग्राहक इसकी खरीदारी HDFC Bank Card के जरिए करता है तो वह इस फोन पर अन्य 750 रुपये तक का डिस्काउंट ले सकता है। इसके साथ ही साथ एक्सचेंज ऑफर के तहत अपना पुराना फोन बदलकर इस इसकी कीमत 10,700 रुपये तक कम कर सकते हैं। जिसके बाद यह फोन आपको कीमत से काफी किफायती दाम में मिल जाएगा। Vivo Y17s की खूबियां वीवो वाई17एस स्मार्टफोन में कंपनी ने अपने ग्राहकों को 6.56 इंच के क्ढर एलसीडी डिस्प्ले दिया है, जिसका रिफ्रेश रेट 60Hz , रिजॉल्यूशन 1612 .720 पिक्सल और डिस्प्ले की पीक ब्राइटनेस 840 निट्स है। Vivo Y17s में प्रोसेसर की बात करें तो यह मीडियाटेक हेलियो G85 SoC चिपसेट के साथ आ रहा है। जिसमें 4 जीबी LPDDR4x रैम के साथ 128 जीबी तक इंटरनल स्टोरेज मिलेगा। यूजर एसडी कार्ड की मदद से इसके स्टोरेज को बढ़ा भी सकता है। यह फोन 13 ओएस पर काम करेगा, जिस पर कंपनी के फनटच ओएस 13 की लेयर है। फोटोग्राफी के लिए इसमें डुअल रियर कैमरा सेटअप मिल रहा है।

टॉप ट्वीट

60% ओबीसी बीजेपी को वोट देते हैं, लेकिन अगर कल मतदाताओं को लगता है कि उनका आरक्षण प्रभावित होने जा रहा है तो वे क्या करेंगे?'.

छगन भुजबल
एनसीपी नेता

हमारा टूनार्मेंट बहुत अच्छा था लेकिन कल हम हार गए। हम सभी दुखी हैं लेकिन हमारे लोगों का समर्थन हमें आगे बढ़ा रहा है।

रविंद्र जडेजा
क्रिकेट खिलाड़ी

संपादक के नाम पत्र

सूर्य को अर्घ्य समर्पण कर हुआ महापर्व छठ का समापन

चार दिवसीय छठ पूजा महापर्व के दूसरे दिन खीर रोटी का प्रसाद ग्रहण कर वृत्तियों ने 36 घण्टे का निर्जरा वृत शुरू किया । रविवार शाम को निर्जरा व्रत व अस्तागामी सूर्य को अर्ध्य समर्पित किया गया। बिहार का सामाजिक एवं आध्यात्मिक पर्व के लिए हजारो व्रतधारियों के हर वर्ष की तरह पटना,मुज्जफरनगर, भागलपुर जैसे शहरो में साफसफाई कई दिनों के पूर्व कर व्रतधारियों के लिए घाट के लिए खुला किया है। छठ पूजा के लिए शहर में नदी किनारे समेत व अन्य स्थलों पर आयोजकों की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई है ।महापर्व की तैयारियों का असर शहर के क्षेत्रों में सब्जी-फल वगैरह की खरीदारी के साथ बाजार में शनिवार को देखने को मिला। व्रती व श्रद्धालुजन छठ पूजा के लिए पूजा सामग्री ले जाते दिखाई दिए। वहीं, घरों री के में महिलाओं ने सामूहिक रूप से प्रसाद के रूप में ठेकुआ समेत अन्य सामग्री की भी तैयार की है। शहर में नदी के विभिन्न घाटों व तालाब किनारे छठ पूजा की तैयारियां छठ शनिवार देर शाम तक अंतिम चरण में नजर आई। कई स्थलों पर विभिन्न संगठनों की ओर से रोशनी, पानी समेत अन्य व्यवस्थाएं श्रद्धालुओं के लिए की गई है पटना सहयोग पूजा के दौरान रविवार अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य बाद सोमवार सुबह उषाकाली सूर्य को अर्घ्य समर्पण के लिए तालाब का निर्माण इस बार क्षेत्र में करवाया है। शहर में कई बार यह व्यवस्था होने क्षेत्र के हजारों व्रती व श्रद्धाल अब नदी तट पर या छठ पूजा का लाभ ले सकेंगे। रविवार शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य के बाद सोमवार सुबह उषाकालीन सूर्य को अर्घ्य समर्पण किया। उधर तालाब किनारों पर पूजा के दौरान आयोजकों की ओर से लोक कलाकारों को भी आमंत्रित किया गया है। **कांतिलाल मांडोत**

स्वस्तिक मीडिया वेंचर्स प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक और प्रकाशक रजत कुमार गुप्ता द्वारा वृंदा मीडिया पब्लिकेशन्स प्रा.लि., चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची से मुद्रित और एचआई 254, हरमू बाईपास रोड, हरमू हाउसिंग कालोनी, रांची से प्रकाशित। सम्पादक - रजत कुमार गुप्ता
RNI No- JHAHIN/ 2008/ 26373, email-rastriyakhabarhn@gmail.com, www.rashtriyakhabar.com, Phone No. 0651-2244605, 2244505

शहर ›› अपडेट

छठव्रतियों की सेवा में जुटे रहे समिति के सदस्य

बेरमो : गोमिया प्रखंड क्षेत्र के होसिर, साड़म, कुंदा, बारीडारी, धवेया, तुलबुल, गोमिया, कोदवाटांड़, ललपनिया, पचमो, चतरोचट्टी टिकाहारा, हजारी, स्वांग, खम्हरा, कंडेर व महुआटांड़ थाना क्षेत्र विभिन्न नदी एवं तलाबों के छठ घाटो में पर्व के दौरान छठ पूजा समितियां एवं अन्य कई पंचायत के प्रतिनिधियों तथा समाजसेवी संस्थानों द्वारा विभिन्न छठ घाटों व आने-जाने वाले सभी रास्तों में भी व्रतियों के लिए मुहैया करायी गयी।

सिटी अपडेट्स ››

लोक आस्था का महापर्व संपन्न

भुरकुंडा : कठिन आस्था का चार दिवसीय महापर्व रामगढ जिला सहित पुरे कोयलांचल मे हर्षोल्लास के साथ भगवान भास्कर को सोमवार के प्रात अर्घ्य के साथ धूमधाम से संपंत्र हो गया।आस्था के इस महापर्व में जगह जगह छठ घाट पर मानो भक्तो का जन सैलाब उमड़ पड़ा। हर परिवार के लोगो ने आस्था के इस महापर्व मे लीन होकर घर परिवार व समाज की मंगलकामना हेतु कामना की। वही श्रद्धालुओं के द्वारा व्रतियों को सहयोग हेतु हर घाट, सडक व गली की साफ सफाई किया गया। हाथ मे विभिन्न तरह के फल, जलते दीपक से भरे कलसूप लिये नदी, तालाब के पानी मे खडे होकर छठ व्रतियों ने भुवन भास्कर का पुजा किया। छठ पुजा को लेकर भक्तो मे काफी उत्साह था। वही कोयलांचल मे जगह जगह पर संवयसेवको ने लाईट, फल, ऐमबुलैनस आदि की विधिवत ब्यवस्था का इंतजाम किया। छठ घाटों मे पुरा माहौल छठ मैया के गीतों से गुजेमान होते रहा। कांच के बांस के बहंगिया, बहंगिया लचक जाये, बन ना बलम जी कहंरिया, दौरा घाटी ये सूरज देव जैसे छठ पुजा की परांमपागत गीत पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिये थे।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

सांसद सहित पंचायत जनप्रतिनिधियों ने छठ पूजा की शुभकामनाएं दी

बेरमो : छठ पूजा के पावन अवसरपर गिरिडीह सांसद चन्द्रप्रकाश चौधरी, गोमिया विधायक लम्बोदर महतो, पूर्व मंत्री माधव लाल सिंह, भाजपा के देवनारायण प्रजापति, जिप सदस्य आकाशलाल सिंह,पूर्व जिपसदस्य प्रकाशलाल सिंह,होसिर पश्चिमी मुखिया पार्वती देवी व होसिरपुर्वी मुखिया सावित्री देवी, गोमिया मुखिया बलराम रजक, पंसस महेश रविदास व गीता देवी ने क्षेत्र के होसिर बोकारो नदी समेत कई छठ घाटो में पहुंच कर भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। सांसद विधायक लम्बोदर महतो,पूर्व मंत्री माधवलाल सिंह व सभी पंचायत जनप्रतिनिधियों ने संस्कार महा छठ पूजा समिति होसिर एवं श्री श्री छठ पूजा समिति गोमिया सदस्यों तथा छठव्रतियों और क्षेत्रवासियों को छठ पर्व की शुभकामनाएं दी। और कहा कि अस्ताचलगामी, भगवान भास्कर प्रत्यक्ष देव सूर्यनरायण की कृपा से हर रोगों का नाश होता है और धन जसकृति प्राप्त होता है,द्वादश नामों से प्रसिद्ध अदित्य देव हर दु:खो का नाश करेंगे। इस मौके पर दोनों आयोजन समिति सदस्यों केद्वारा सभी जनप्रतिनिधियों तथा गोमिया प्रखंड विकास पदाधिकारी महादेव कुमार महतो को बुक्के देकर मंच पर स्वागत किया। इस मौके पर चितरंजन सिंह, पूर्व मुखिया घनश्याम राम, योगेंद्र प्रसाद,वार्ड सदस्य कुंदन कुमार,कमलेश प्रसाद,सोहित प्रसाद,सुधीर ठाकुर,विधानंद प्रसाद, विशाल वर्मा, मोहन नायक, पप्पू वर्मा, नवीन वर्मा सहित कई सदस्य लोग शामिल थे।

आस्था महिलाएं तालाबों में उतर कर सूर्य के उगने का इंतजार करती दिखी

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ आस्था का पर्व छठ का हुआ समापन

- तालाबों में भी सुबह 3 बजे से ही लोगों का पहुंचना जारी रहा
- छठवती सूर्य की उपासना करती नजर आयीं
- बल्बों और झालरों से सजा छठ घाट आकर्षक नजर आ रहा था

राष्ट्रीय खबर

चरही: चरही उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चरही कोयलांचल क्षेत्र में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा का चार दिवसीय अनुष्ठान हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गया। उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ लोगों ने जन कल्याण की कामना की साथ ही इस महापर्व का समापन किया। सुबह के अर्घ्य को देने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ छठ पूजा घाटों पर दिखी। आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर चरही कोयलांचल क्षेत्र में भी हर्षोल्लास दिखा। चार दिनों के महापर्व में पहले दिन नहाय खाय से शुरूआत हुई और सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही महापर्व का भव्य समापन हुआ। महापर्व के अंतिम दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा होती है। रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य की उपासना की गई थी। और सोमवार को उदीयमान सूर्य की उपासना की गई। चरही कोयलांचल क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों के अलावे कई तालाबो में भी सुबह 3 बजे से ही लोगों का पहुंचना जारी रहा। लोग पहुंचते रहे और छठ घाटों पर प्रसाद के सूप और डालों को सजाकर लोग रखते गए। छठ व्रत करने वाली महिलाएं तालाबो में उतर कर सूर्य के उगने का इंतजार करती दिखी। और इस दौरान छठव्रती सूर्य की उपासना करती नजर आयीं। तालाबो में भी काफी भीड़ पहुंची थी। इस दौरान छठ घाटों पर पूजा समितियों ने तालाबो को बेहतर ढंग से सजाया था रंगीन बल्बों और झालरों से सजा तालाबो का छठ घाट आकर्षक नजर आ रहा था।

सूर्य के उदय होते ही लोगों ने अर्घ्य दिया और सूर्य की स्तुति की। उदय होने के साथ ही अर्घ्य देने का सिलसिला चल निकला, जिसके बाद लोगों ने काफी देर सूर्य को अर्घ्य दिया और हवन की। सभी श्रद्धालुओं ने अर्घ्य देने के साथ ही सुख-समृद्धि की कामना की साथ ही अगले साल फिर से छठ का अनुष्ठान करने की बात कही।

आस्था का पर्व छठ पूजा महोत्सव का हुआ समापन

राष्ट्रीय खबर

पीरटांड़: पीरटांड़ प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में धूमधाम के साथ मनाया गया छठ पूजा। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पीरटांड़ प्रखंड के पालगंज, मधुबन, खुखरा, चिरकी, हरलाडीह, बिसनपुर, कुम्हरलालो, चिलगा सहित सत्रह पंचायतों के कई गांवों में छठ पूजा मनाया गया। इस अवसर पर पालगंज के राजसरोवर एवम मधुवन के जयनगर नदी का पुजन व सजावट देखने के लायक होता है। गौरतलब हो की पालगंज के राज सरोवर मे भक्त मंडल की ओर से 1985 से घाट की साफ सफाई, लाईटींग एवं तौरणद्धार बना कर भगवान भाष्कर की प्रतिमा को स्थापित कर पूजा किया जाता है। भक्त मंडल की ओर से हर वर्ष अर्घ देने के लिए दूध की व्यवस्था की जाती है।पालगंज में छठ पूजा के अवसर पर राज सरोवर में हजारों की संख्या में भक्त का तांता अर्घ देने के लिए लगा रहा। वहीं मधुवन बाजार सेवा समिति की ओर से मधुवन के जयनगर नदि मे बहुत ही सुंदर तरीके से नदि व घाट के सजावट देखते ही बन रहा था । वही समिति की ओर से यहां भी सूर्य भगवान की प्रतिमा स्थापित कर पूजा पाठ की गई ।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ सम्पन्न हुआ छठ का महापर्व

राष्ट्रीय खबर

बरही: बरही छठ पूजा सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया। बरही के विभिन्न छठ घाटों पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने नदियों, तालाबों और जलाशयों के किनारे छठ घाटों पर कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य देव को अर्घ्य दिया। श्रद्धालुओं ने सूर्य देव को जल और दूध अर्पित किये। इसके अलावा मौसमी फल, गन्ना, नारियल और ठेकुआ, खजुरिया जैसे व्यंजन और बांस से निर्मित सूप में रखी अन्य वस्तुएँ भी सूर्य और छठी माई को अर्पित की गईं। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और 36 घंटों का लंबा उपवास तोड़ा। वहीं विजैया छठ घाट पर विधायक उमाशंकर अकेला छठ पूजा में शामिल हुऐ। वहीं क्षेत्र वासियों के सुख समृद्धि के लिए कामना किया। इधर पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने बरहीडीह प्राचीन छठ घाट पर पहुंच कर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। उन्होंने छठ मैया की पूजा अर्चना के बाद भगवान सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित कर पूजा किया। वहीं सभी श्रद्धालुओं को छठ पर्व की शुभकामनाएं दी और छठ मैया से क्षेत्र में सुख शांति और समृद्धि सहित लोक मंगल की कामना किया।

पुल निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने की बैठक

राष्ट्रीय खबर

गुमलाः जिला कांग्रेस कमेटी गुमला किसान प्रकोष्ठ के द्वारा गुमला जिला मुख्यालय में आगामी 23 नवंबर 20230को उरांव क्लब गुमला से लेकर उपायुक्त कार्यालय गुमला तक जन यात्रा निकाली जाएगी। जिसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। भगत ने गुमला प्रखंड क्षेत्र के फोरी अटरिया बसुआ पड़की टोली, सकरपुर गम्हरिया डूमरडीह आदि कई गांव का दौरा किया। कांग्रेस कमेटी किसान प्रकोष्ठ के संयोजक हंदू भगत ने इस संबंध में बताया कि जन यात्रा की तैयारी को लेकर विभिन्न गांव का भ्रमण किया गया है। सैकड़ो की संख्या में लोग जन यात्रा के कार्यक्रम में भागीदारी कर क्षेत्र की समस्या के निदान के लिए उपायुक्त से आग्रह करेंगे। श्री भगत ने बताया कि आजादी के 70 वर्षों के बाद भी डुमरडीह पंचायत के पड़की टोली और नवाडीह के बीच खटवा नदी में पुलिया और सड़क का निर्माण नहीं होने से आमजन ग्रामीण एवं स्कूली छात्राओं को काफी कठिनाई होती है । बरसात में यह इलाका टापू बन जाता है और जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी का संबंध विच्छेद हो जाता है। हंदु ने बताया कि आदिवासी उच्च विद्यालय गढतोली स्कूल के चारदीवारी एवं अतिरिक्त भवन नहीं होने के कारण बच्चों को पठन-पाठन के कार्य में काफी परेशानी हो रही है। फोरी पंचायत में स्थित आदिवासी विकास उच्च विद्यालय फोरी के सर्वांगीण विकास के लिए भी जिला प्रशासन से आवश्यक पहल करने के लिए मांग करेंगे। इसके साथ ही गम्हरिया ग्राम में खाता संख्या 84 प्लॉट संख्या 683, 684 गैर मजरूवा सार्वजनिक जमीन का बंदोबस्ती काफी समय से रद्द करने की मांग की जा रही है लेकिन बंदोबस्ती को रद्द नहीं किया गया है जिसके कारण लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है।

भव्य गौपाष्ठी मेला का आयोजन

राष्ट्रीय खबर

हजारीबागः हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के सदर प्रखंड अंतर्गत जुलजुल और सितागढा ग्राम के बीच अवस्थित कलकाता पिंजरापोल सोसाइटी द्वारा संचालित हजारीबाग गौशाला परिसर में प्रतिवर्ष की भांति वर्तमान वर्ष भी लगातार 127 वां साल गोपाष्टमी उत्सव के समृद्ध इतिहास का निर्वहन करते हुए सोमवार को भव्य गौपाष्टमी मेला का आयोजन हुआ। जिसमें हजारों लोगों ने गौशाला परिसर पंहुचकर गौमाता को आहार खिलाया। मौके पर विशेष रूप से हजारीबाग सदर विधायक मनीष जायसवाल, हजारीबाग उपयुक्त नैंसी सहाय, हजारीबाग एसपी मनोज रतन चौथे, बीएसएफ, मेरू कैंप आईजी राकेश रंजन, बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट हिरदेव पाठक, गौशाला के पदेन अध्यक्ष सह सदर एसडीओ विद्याभूषण, मुफ्फसिल थाना प्रभारी बजरंग समेत अन्य गणमान्य लोगों ने भी मेला में उपस्थित होकर गौमाता को चारा गुड और हरा चारा खिलाया एवं आम-आवाम के संग घंटों मेला का लुप्त उठाया। मेले को लेकर पूरे गौशाला परिसर को दुल्हन की तरह सजाया गया था और जगह-जगह गौमाता के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु सेल्फी प्वाइंट और कई प्रकार के स्टालों का निर्माण किया गया था। मेले में देश के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के रूप में ख्याति प्राप्त सीमा सुरक्षा बल, मेरु कैंप के लोकप्रिय जॉर्ज बैंड और ब्रास बैंड के माध्यम से बीएसएफ जवानों की गौभक्ति और देशभक्ति जागृत करने हेतू अनोखी प्रस्तुति सराहनीय रही। यहां आने वाले सभी अतिथियों का गौशाला के सचिव श्रद्धानंद सिंह और हर्ष अजमेरा द्वारा अंग-वस्त्र, तुलसी का पौधा और भागवत गीता भेंटकर स्वागत व सम्मान किया।

महापर्व. लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा हुआ संपन्न

उदीयमान सूर्य को श्रद्धालुओं ने दिया अर्घ्य

- छठघाट को रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया
- छठ घाट में महाआरती का आयोजन किया

राष्ट्रीय खबर

बड़कागांवः बड़कागांव प्रखंड के सभी गांव मैं भी बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ चार दिवसीय आस्था का छठ महापर्व संपन्न किया गया। प्रखंड के छठघाट में लोक आस्था का महापर्व छठ बहुत ही धुमधाम, पवित्र, शुद्धता, स्वच्छता, सात्विकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छठघाटों को रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया था। प्रखंड के सिकरी नदी स्थित छठ घाट में महाआरती का आयोजन किया गया था। छठव्रतियों व श्रद्धालुओं जल में खड़े होकर भगवान भास्कर से सुख, समृद्धि ,आरोग्य, संतान प्राप्ति आदि मनोकामना की विनती की। तत्पश्चात रविवार को डुबते सुर्य को प्रणाम करते हुए अर्ध्य दिए वहीं सोमवार को उदयमान सुर्य को अर्घ्य देने के साथ व्रत का पारण किया गया। बड़कागांव सिकरी निवासी छठव्रती पत्रकार अशोक कुमार शर्मा ने कहा कि मेरे दादा परदादा के समय से छठ पुजा किया जा रहा है। यह पर्व में स्वच्छता, पवित्रता, शुद्धता व सात्विकता के साथ सर्व मनोकामना के लिए की जाती है। और शरीर में सकारात्मक उर्जा का संचार होता है। यह व्रत करने से पुण्य के साथ आरोग्य की प्राप्ति होती है। व्रती यशोदा शर्मा ने कहा कि कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी को सुर्य को अर्घ्य देने की परंपरा पौराणिक कथाओं में है । वहीं सुर्य साक्षात देवता हैं। और अंधकार से प्रकाश सुर्य देवता के उदयीमान होने से ही इस धरती में होता है जिससे रोग दोष दूर होता है। साथ ही कहा कि यह व्रत से साधक अज्ञान रुपी अंधकार को दूर कर जीवन में प्रकाश लाने का भी यह पर्व संदेश देता, इसे अपनाकर जीवन सफल बनाया जा सकता है । इस अवसर पर छठघाट के किनारे ईख से बने मंडप में अपने स्थान पर छठव्रतियों ने पुरोहित द्वारा सुर्य भगवान व छठ मईया की महिमा की कथा सुनें व आरती की गई । इस प्रकार चार दिवसीय छठ महापर्व अनुष्ठान उगते सुर्य को अर्घ्य देने के साथ हर्षोल्लास के साथ धुमधाम से सम्पन्न हो गया। वही सुनीता देवी ने बताया कि छठ एक महापर्व पर्व है साक्षात सूर्य देवता पृथ्वी माता अग्नि देव गंगा माता साक्षात भगवान के रूप में माने जाते हैं इस चलते उगते हुए सूर्य को प्रत्येक दिन सभी व्यक्ति महिला पुरुष को जल से अर्घ्य देकर सूरज की लालिमा को प्रणाम करना। चाहिए सुलेखा शर्मा, सतीश शर्मा, सभी उगते हुवे सूर्य को अर्घ्य दिया। बड़कागांव विधायक अम्बा प्रसाद पंकरी बरवाडीह छठघाट सहित अन्य छठघाटों में जाकर छठव्रतियों को प्रणाम कर आशीर्वाद ली।

न्यूज फटाफट

नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन

हाता: रविवार को माताजी आश्रम हाता में रामकृष्ण मिशन जमशेदपुर की ओर से एकदिवसीय नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ। शिविर का उद्घाटन रामकृष्ण मिशन जमशेदपुर के पूजनीय गोपाल महाराज ने रामकृष्ण मंदिर में ठाकुर,मा और स्वामीजी की पूजा और धूप प्रज्वलित कर के की। शिविर में विभिन्न गांव के कुल 75 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया जिसमें 50 मरीजो का मोतियाबिंद पाया गया। उक्त सभी मरीजो को आगामी 23 नवंबर 2023 की सुबह 11 बजे माताजी आश्रम से ले लिया जायेगा तथा 24 नवंबर को पूर्णिमा नेत्रालय में नि:शुल्क मोतियाबिंद का ऑपेरशन किया जायेगा। इस अबसर पर रामकृष्ण मिशन जमशेदपुर की ओर से पूजनीय गोपाल महाराज, पशुपति महतो, फटिक चंद्र महतो, विवेक महापात्र, पूर्णिमा नेत्रालय की ओर से डॉक्टर सुमन कुमार और इश्वरी राव, माताजी आश्रम की ओर से सुनील कुमार दे, शंकर चंद्र गोप, कमल कांति घोष, महितोष मंडल, कृष्ण पद मंडल, राजकुमार साहू, तपन मंडल, बिमल मंडल, हेम चंद्र पात्र, बिमल कुमार मंडल, सहदेव मंडल, अमल बिस्वास, लोचना मंडल, बुलु रानी मंडल, काजल मंडल, बलराम गोप, अजित सरदार, मोनी पाल, मनोज कुमार सरदार आदि उपस्थित थे।

बम्बयारी में डाईर जतरा का हुआ उद्घाटन

गुमला: जिले के बसिया प्रखंड क्षेत्र के बम्बयारी में डाईर जतरा का उद्घाटन माननीय विधायक जिंगा सुसारन होरो ने फीता काट कर किया, डाइर जतरा का कार्यक्रम यह हमारे समाज के लोगों की पारंपरिक विरासत है,, इस के माध्यम से क्षेत्र की जनता का एक दूसरे से मिलने जुलने का मौका मिलता है। बम बियारी की डायर जतरा पारंपरिक विरासत है। यहां सदियों से मनाई जाती है,, जतरा में शामिल सभी लोगों को जतरा की बधाई दी। मौके पर काफी संख्या में सांस्कृतिक दल के लोग भी शामिल हुए पारंपरिक सांस्कृतिक नाच गान का आयोजन भी किया गया,, मौके पर विधायक का भव्य स्वागत किया गया।

विधायक जिग्गा मुंडा ने ट्रांसफरमर का किया उद्घाटन

गुमला: भरनो मठ तुरीअम्बा में माननीय विधायक जिगा सुसारन होरों द्वारा ट्रांसफरमर का उद्घाटन किया गया. मौके पर विधायक ने क्षेत्र के विकास के लिए सरकार के द्वारा संचालित विकास की योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की और लोगो से मिलकर हाल-चाल लिया और क्षेत्र की समस्या के बारे में जानकारी लिया। मौके पर क्षेत्र के लोग काफी संख्या में मौजूद थे।

मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारी को लेकर ग्रामीणों की बैठक संपन्न

गुमला/सिसई: घाघरा पंचायत अंर्तगत दारी टोगंरी में लगने वाला पचोरा सह बारह पड़हा दारी जतरा अगामी दिनांक 01/012/2023 दिन शुक्रवार को लगने जा रहा है जीसमे आदिवासी कल्याण सुरक्षा समिति घाघरा की ओर से बारह पड़हा दारी जतरा में आने के लिए मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन को निमंत्रण किया गया है बारह पड़हा दारी जतरा को सफल बनाने के लिए खपरु टोगंरी में बारह पड़हा के पदाधिकारी एवं ग्रामीण जनता के द्वारा विशेष बैठक श्री सुकरु उरांव के द्वारा समपन्न हुआ इस बैठक में सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

गंभीर बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति की मजदूर संघ के नेता ने खून देकर बचाई जान

गुमला: गुमला जिला के डुमरी प्रखंड के जुरमू गांव के एक गरीब परिवार के युवक रोहित रोशन तिर्की उम्र लगभग 20 पिछले कुछ दिनों से गंभीर बिमारी से जुझ रहे हैं और परिजनों ने देर रात लगभग 11बजे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल गुमला लाये जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने युवक के शरीर पर खुन की कमी बताये देर रात अगर खुन नहीं मिला तो रिम्स रेफर करने की बात कही गई सुचना मिलते ही मजदूर संघ सीएफ टी यू आई झारखंड प्रदेश सचिव जुम्मन खान अपने टीम के साथ सदर अस्पताल गुमला पहुंच कर रात के लगभग 11बजे सदर अस्पताल गुमला ब्लड बैंक पहुंचे और तत्काल ओ पोजीटीव खुन दिया।

छठ घाट पर फर्स्ट एड व एम्बुलेंस की सुविधा

जमशेदपुर : छठ पर्व पूरी दूनिया को अंधेरे से मुक्त करने वाले उदियमान भगवान भाष्कर को अर्घ्य देने के साथ सम्पन्न हो गया। रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम द्वारा जिला के मानद सचिव बिजय कुमार सिंह के नेतृत्व में छठ महापर्व के अवसर पर नदी घाट के दो स्थानों पर फर्स्ट एड सह एम्बुलेंस सेवा प्रदान की गयी। खरकाई बोधनवाला घाट तथा सती घाट कदमा में आयोजित इन शिविरों में रेड क्रॉस के मानद सचिव बिजय कुमार सिंह के साथ डॉ विजय शंकर, रेड क्रॉस कार्यकर्ता दीपक मित्रा, कौशिक राय, राधेश्याम कुमार,आशीष सिंह, एजाज अख्तर, नागराज रायचुरी, कैलाश, दीपक शर्मा, बसाक एवं रेड क्रॉस कार्यकर्ता उपस्थित थें। शविर में प्रशासन की ओर से जिला टीबी पदाधिकारी एवं अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी उपस्थित थें। रक्त जागरुकता अभियान के तहत आज एक मरीज की आवश्यकता पर टाटा स्टील कर्मी सौमेन्द्रा बस्तिया ने चौथी बार अपना एसडीपी दान किया, जिसके साथ ही उन्होने अपना 31 बार रक्तदान पूरा कर लिया। श्री बस्तिया का उत्साह बढाने के लिए जमशेदपुर ब्लड सेन्टर के प्रशासक संजय चौधरी, रेड क्रॉस के एसडीपी डोनेशन प्रभारी प्रभुनाथ सिंह, आनन्द मार्ग के सुनील आनन्द, रेड क्रॉस कार्यकर्ता श्याम कुमार, अशोक गोयल मुख्य रूप से उपस्थित थें। रेड क्रॉस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता रक्तदाताओं के सहयोग से हर रक्त जरूरतमंद के लिए तत्पर हैं।

उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर लोक आस्था के महापर्व छठ का हुआ समापन

बेरमो/ललपनिया : चार दिनों से चले आ रहे हैं, आस्था का महापर्व छठ पूजा सोमवार सुबह पारन केसाथ समापन हो गया। यहां उपवास के दिन छठव्रतियों ने अस्ताचलगामी व उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया। गोमिया प्रखण्ड क्षेत्र में पूरे सादगीपूर्ण तरीके से छठ पूजा मनाया गया।चार दिनों तक चले इस पूजा के अंतिमदिन भगवान सूर्यदेव की आराधना एवं कृपा प्राप्ति के लिए छठबर्ति महिलाएं सुबह से हाथ में पूजा तथा भोग के सामान से भरा सूप लेकर नदी, तालाबों में खड़े हो करके भगवान सूर्यदेव के प्रकट होने की प्रतीक्षा करती रहीं। सूर्य की पहली किरण को देखते ही छठव्रतियों ने अर्घ्य देकर अपने परिवार की सुख-शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना की।नहाए खाए से शुरू हुए इस पर्व के दूसरे दिन खरना का प्रसाद चढ़ा व खाकर छठव्रत महिलाओं ने 36 घंटे का कठीन निर्जला उपवास शुरू किया था। तीसरे दिन डूबते सूर्य को जल से अर्घ्य दिया गया था। सुबह दूध से अर्घ्य देकर इस महान पर्व छठ पूजा की समाप्ति हुयी। खास कर के इस महान छठ पर्व का सबसे ज्यादा उत्साह होसिर बोकारो नदी एवं साड़म स्थित तेनुघाट दामोदर नदी छठघाट में लोगो की भारी भीड़ मे दिखा। इस दौरान कई परिवारों केद्वारा मनौती वाले बच्चों का मुंडन कराया गया।वही प्रखण्ड अन्तर्गत विभिन्न छठ घाटों पर कई समाजिक संगठनों एवं युवा लोगो के द्वारा साफ-सफाई कर श्रमदान दिया। छठ पूजा के शुभ अवसर पर प्रखंड के कई पंचायत प्रतिनिधियों व समाजिक गणमान्य लोगो द्वारा छठबर्तियो के बीच फल-फूल, नारियल,अन्य पूजा सामग्री का वितरण किया गया।

राष्ट्रीय ख़बर हमारी नज़र प्रदेश

web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rashtriyakhabar.com

प्रदेश ›› अपडेट

अवैध लॉटरी बेचने वाले दो व्यक्ति गिरफ्तार

पाकुड़ : शहर के नगर थाना क्षेत्र के पीछे खुलेआम अवैध लॉटरी बेचने वाले दो व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है,जिसकी तलाशी लेने के क्रम में अवैध लॉटरी बरामद किया है। वही नगर पुलिस ने दो आरोपियों को जेल भेज दिया है। इधर पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत अवैध लॉटरी बेचने वाले को बख्शा नहीं जाएगा जो भी अवैध लॉटरी के साथ पकड़े जाएंगे उन्हें जेल के सलाखों के पीछे डाल दिया जाएगा।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स ››

तेनुघाट में धुमधाम से मना छठ पर्व

बेरमो /तेनुघाट कोर्ट :लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा के दिन सोमवार की सुबह को तेनुघाट और सरहंचिया पंचायत के छठ वर्तियो ने छठ घाट में पहुंचकर सूर्य को अर्घ्य प्रदान किया । जहां चार दिन तक चलने वाले इस महापर्व के तीसरे दिन संध्या वाले अर्घ्य देने के समय छठ घाटों में पूरे विधिवत रूप से छठ वर्तियों ने छठ घाट पर पहुंचकर पूजा अर्चना की तथा स्नान करने के उपरांत पूरे विधि विधान से पारंपरिक तरीके से भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया । वहीं सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। छठ घाट में छठ वर्तियों समेत श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आई । वहीं तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के कुटुंब न्यायालय राजीव रंजन, एसीजेएम विशाल गौरव, एसडीजेएम दीपक कुमार साहू ने भी डाला उठाया और अपने परिवार के साथ सूर्य को अर्घ्य दिया । वही इस पूजा अनुष्ठान को सफल बनाने में छठ घाट समिति के सदस्यों तथा पुलिस प्रशासन के लोगों की सराहनीय भूमिका निभाई । इस मौके पर तेज नारायण तिवारी, देव नंदन प्रसाद, रमेंद्र सिन्हा, , संतोष श्रीवास्तव, पप्पू यादव, सुजीत पांडेय, मिथलेश कुमार, मुकेश कुमार, अरूण कुमार सिन्हा, अरविन्द सिंह, द्वारिका नाथ तिवारी, मुकेश कुमार आदि ने अपना अपना योगदान दिया।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

आदिवासी संस्कृति हमारी पहचान है, इसे बचाए रखना अनिवार्य है:जिगा

गुमला :गुमला जिले के भरनो प्रखंड क्षेत्र के अंबेरा गांव में सरना प्रार्थना सभा के द्वारा एकदिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक जिगा मुंडा का पारंपरिक रीति रिवाज के साथ भव्य स्वागत सरना प्रार्थना सभा के अतिथि मंडल के द्वारा की गई। मौके पर सभा को संबोधित करते हुए विधायक जिगा मुंडा ने कहा कि आदिवासी संस्कृति हमारी पहचान है ,इसको वरकरार बनाए रखना ,इसको आगे बढ़ाना, हम सबों का दायित्व है। क्योंकि आदिवासी संस्कृति देश की सबसे बड़ी संस्कृति है? जिसको पूरे देश विदेश में भी जानी जाती है। आदिवासी कला संस्कृति भी विश्व में अलग छाप छोड़ी हुई है। इसलिए हम लोगों के आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा देना ,हम सभी लोगों का, संगठन के लोगों का, पार्टी से लेकर सभी जनता का यह उद्देश्य है कि हमारी संस्कृति को बढ़ावा मिलता ही रहे ।उन्होंने इस मौके पर सरना प्रार्थना सभा के प्रतिनिधि एवं सदस्यों तथा कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी जनमानस को सरना प्रार्थना सभा के एकदिवसीय सम्मेलन में हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी लोगों को अपने संघर्ष के बल पर आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। सरकार आपके साथ खड़ी है, जनता बस सरकार के कार्यों को आगे बढ़ावा दें,जिससे की जनता का और समाज का सभी लोगों का विकास हो सके ।इस मौके पर सरना प्रार्थना सभा के प्रतिनिधियों ने विधायक का पारंपरिक रीति रिवाज से स्वागत करते हुए विधायक से आगे भी कार्यक्रमों में भाग लेने की अपील की गई। इस मौके पर सैकड़ो की संख्या में आदिवासी समुदाय के प्रतिनिधि एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के कई नेता एवं कार्यकर्ता भी मौके पर मौजूद रहे।

ग्यारह महीना के दौरान एक बार भी जनता से संवाद नहीं

मुख्यमंत्री जी: डीजीपी साहब के ग्यारह महीना के कार्यकाल में सिर्फ उठ रहे हैं सवाल

- इस दौरान एडीजी रैंक के साथ कितनी बैठकें
- एडीजी हेडक्वार्टर से क्या लिया सलाह अब तक
- रेंज में वर्षों से तैनात की तबादला नीति में बदलाव

दीपक नौरंगी

पटना: बिहार में राज्य सरकार ने जितने भी आईपीएस अधिकारी को डीजीपी की जिम्मेदारी दी तो उन्होंने पदभार संभालने के तुरंत बाद पुलिस कर्मियों के वेलफेयर के विषय में काफी लंबा चौड़ा भाषण तो दिया लेकिन कोई बेहतर वेलफेयर का काम पुलिस कर्मियों के लिए धरातल पर उतरता नहीं देखा जा रहा है। डीजीपी राजविंदर सिंह भट्टी के ग्यारह महीना के कार्यकाल में कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्यारह महीने के कार्यकाल में कई तरह की चचाएं पुलिस मुख्यालय में होती रह गई लेकिन राज्य सरकार के मुखिया नीतीश कुमार का ध्यान सरदार पटेल भवन की तरफ नहीं गया। बताया जाता है कि राजनीतिक बिहार में जो परिस्थितियों बनी उसे वजह से पुलिस मुख्यालय की तरफ माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ध्यान केंद्रित नहीं हो पाया। जिसकी वजह से पुलिस कर्मियों से लेकर आईपीएस अधिकारियों के दर्द को कौन सुनेगा। ग्यारह महीने के दौरान सबसे अधिक चर्चा यह होती गई की डीजीपी साहब ने एक बार भी बिहार की आम जनता से जन संवाद क्यों नहीं किया। बिहार के मुख्यमंत्री बिहार की आम जनता से जनसंवाद करते हैं और मिलते हैं तो डीजीपी साहब क्यों नहीं? जिन पुलिस कर्मियों का मात्र दो साल का कार्यकाल बचा हुआ है गृह जिला तबादला क्यों नहीं किया गया। एक ही रेंज में कई वर्षों से पुलिसकर्मी तैनात है उनका तबादला पुलिस मुख्यालय से अभी तक नहीं हुआ है। मेडिकल के आधार पर पुलिस कर्मियों का तबादला होना है वह क्यों नहीं हुआ। पुलिस मुख्यालय में ग्यारह महीने के दौरान डीजीपी के द्वारा दो एडीजी को महत्वपूर्ण बैठकों से अलग रखने की चर्चा के पीछे की क्या सच्चाई है। उनसे महत्वपूर्ण

फाइलों में मंतव्य क्यों नहीं लिया जा रहा है। चर्चा के अनुसार एडीजी सीआईडी जितेंद्र कुमार से ग्यारह महीने के दौरान कई महत्वपूर्ण बैठकों से अलग रखा गया और कई महत्वपूर्ण फाइलों में मंतव्य नहीं लिया जा रहा है। दिल्ली में तैनात एक आईपीएस ने अपने नाम नहीं छापने के साथ में यह कहा कि ग्यारह महीने के दौरान डीजीपी साहब ने एडीजी सीआईडी से ग्यारह बार भी उनके साथ बैठक नहीं की है।

चर्चा है कि आईजी पी कन्नन जो सीआईडी में है वह सीधे तौर पर महत्वपूर्ण फाइल सीधे डीजीपी के टेबल पर देते हैं। हाल फिलहाल कई महीनों से यह चर्चा है सीआईडी के आईजी पी कन्नन से आईजी हेडक्वार्टर और एडीजी सीआईडी और एडीजी हेड क्वार्टर जिन महत्वपूर्ण फाइलों में अपना मंतव्य देते हैं उन फाइलों में आईजी के सीआईडी ही मंतव्य दे रहे हैं। चचाओं पर भरोसा करें तो वर्तमान डीजीपी भट्टी के निर्देश पर सीआईडी के आईजी उनके निर्देश का पालन कर रहे हैं। आईपीएस अधिकारी के पद की गरिमा होती है राज्य सरकार ने जिन आईपीएस अधिकारी को जिन कार्यों के लिए उनकी पोस्टिंग की है उनसे डीजीपी के द्वारा कार्य नहीं लिए जाने की चर्चा बिहार आईएएस और आईपीएस से लेकर दिल्ली तक के गृह मंत्रालय में इसकी गूंज सुनने की बात सामने आई है। मुख्यमंत्री जी ग्यारह महीने के दौरान डीजीपी साहब के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति जाने की चर्चा भी होती रही इसके पर्दे के पीछे की क्या सच्चाई है इस कहना कठिन होगा।

दो बार आईजी की पोस्टिंग

डीजीपी राजविंदर सिंह भट्टी की मंशा और कार्यकाल पर जब अधिक सवाल उठने लगा जब एक हफ्ते के दौरान ही दरभंगा रेंज में अतिरिक्त तौर पर आईजी की पोस्टिंग दो बार की गई। सबसे पहली बार बीएमपी के आईजी राजेश कुमार को दरभंगा रेंज के अधिक जिम्मेदारी दिए जाने की चर्चा आदेश से पहले होने लगी और उसके बाद चर्चा जब यकीन में बदल गई कि जब राजेश कुमार को ही दरभंगा रेंज का आईजी बना दिया गया। फिर डीजीपी साहब की कार्यशाली को लेकर सवाल उठने लगे कि आखिर राजेश कुमार को ही दरभंगा रेंज में अतिरिक्त आईजी के तौर पर पोस्टिंग क्यों दी गई है। बताया जाता है कि मामला जब राज्य सरकार तक पहुंचा तो डीजीपी साहब को अपने दिए गए निर्णय को वापस लेना पड़ा। उसके बाद आईजी हेड क्वार्टर विनय कुमार को दरभंगा रेंज की अतिरिक्त जिम्मेदारी 13 नवंबर को आदेश दिया गया। आदेश के तुरंत बाद राजेश कुमार आईजी दरभंगा से तुरंत लौटे और पटना पुलिस मुख्यालय में तैनात आईजी हेड क्वार्टर विनय कुमार को तुरंत दरभंगा में पदभार ग्रहण करने के लिए दरभंगा जाना पड़ा क्योंकि छठ पर्व का त्यौहार महत्वपूर्ण है ऐसी स्थिति में उन्होंने तुरंत जाकर अपना पदभार संभाला। दो बार दरभंगा रेंज में अतिरिक्त आईजी की जिम्मेदारी की पोस्टिंग को लेकर इस और आईपीएस महकमें डीजीपी साहब की कार्यशैली को लेकर सवाल उठना लाजमी हो गया।

घटना

चंदवा में छठ महापर्व पर सातवीं कक्षा की छात्रा से महापाप

आदिवासी बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या

- छठ पूजा के अवसर पर घर के सभी सदस्य देवनद छठ घाट गए थे
- मृतका भी पीछे से घाट जाने के लिए घर से निकली थी
- सुबह पुलिस के द्वारा फोन पर बेटी की मौत की सूचना दी गई

राष्ट्रीय खबर

चंदवा: चंदवा में छठ माह पर्व पर आदिवासी नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या किये जाने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतका छठ पूजा देखने देवनद नदी तट पर गई थी जिसके बाद वह घर नहीं लौटी सुबह ग्रामीणों ने उसके शव को एनएच 75 रांची-मेदिनीनगर मुख्य पथ पर देवनद के समीप स्थित पेट्रोल पंप के पश्चिम दिशा में गेरुवागढ़ा रेलवे ब्रिज के समीप देखा और पुलिस को शव होने की सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी शुभम कुमार के नेतृत्व पुलिस घटना स्थल पर पहुंच शव को अपने कब्जे में कर अग्रेतर कार्रवाई में जुट गई। मृतका के शरीर में कई जगह चोट के निशान हैं उसका दाहिना हाथ भी टूटा हुआ है। ग्रामीण रेप के बाद हत्या किये जाने की आशंका जाहिर कर रहे हैं। बॉडी देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि अपराधियों ने बेहरमी से उसकी हत्या की है।वंही पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकता है। घटना के संबंध में मृतका के पिता ने बताया कि छठ पूजा के अवसर पर घर के सभी सदस्य देवनद छठ घाट गए थे मृतका भी पीछे से घाट जाने के लिए घर से निकली थी देर शाम सभी लोग घाट से वापस घर लौट गये लेकिन वह घर नहीं लौटी परिजनों को लगा कि वह अपने किसी सहेली के घर गई होगी।सुबह पुलिस के द्वारा फोन पर बेटी की मौत की सूचना दी गई जिसके बाद परिजन और आस पड़ोस के सैकड़ों लोग थाना पहुंचे। मृतका बाल सृष्टि विद्यालय की सातवीं कक्षा की छात्रा थी। बताते चले कि बीते 15 दिनों के अंदर घटित दो बड़ी घटना से चंदवा के ग्रामीण सहमे हुए हैं। बताते चलें कि बीते 7 नवंबर को चंदवा थाना के चौकीदार रहे सदीक अंसारी को माल्हन से चंदवा लौटने के क्रम में दूबी के समीप अज्ञात बाइक सवार अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी घटना के15 दिन गुजरने के बाद भी हत्याकांड का अबतक खुलासा नहीं हो पाया है। छठ पूजा मनाने निकली आदिवासी युवती की रेप के बाद हत्या ने सभी को झकझोर कर रख दिया है।

अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर थाना गेट पर घँटों जमे रहे ग्रामीण

घटना की सूचना क्षेत्र में आग की तरह फैल गई ग्रामीण सैकड़ो की संख्या में धीरे धीरे थाना के समीप जमा होने लगे। सभो लोग अपराधियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग को लेकर थाना गेट के समीप घंटो डटे रहे।घटना की सूचना पर चंदवा पूर्वी मुखिया रंजीत उंराव भी थाना पहुंचे और घटना के प्रति दुख व्यक्त करते हुए पुलिस से अपराधियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। प्रभारी थाना प्रभारी शुभम कुमार, बीडीओ विजय कुमार, मुखिया रंजीत उंराव के समझाने के बाद ग्रामीण शांत हुए उसके बाद शव को अंत्यपरीक्षण हेतु लातेहार भेजा गया।

न्यूज फटाफट

मंडलकारा में हुआ जेल अदालत का आयोजन

पाकुड़ : झालसा रांची के निदेर्शानुसार आज रविवार 19/11/ 2023 को जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में मंडलकारा पाकुड़ में जेल अदालत का आयोजन अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय चौधरी एहसान मोईज सह प्रभारी अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के निर्देश पर में की गई। जिसमें अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्री अजय कुमार गुड़िया, जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के सचिव शिल्पा मुर्मू जेल प्रशासनिक ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्री अजय कुमार गुड़िया ने कैदियों के हित में कई निशुल्क विधिक सहायता से संबंधित जानकारी दी वहीं सचिव शिल्पा मुर्मू ने ज़िला विधिक सेवा प्राधिकार से मिलने वाली मुफ्त कानूनी सहायता बंदियों को लेने और अपने वाद से संबंधित कोई मामला यदि हो तो आवेदन कर निःशुल्क अधिवक्ता प्राप्त करने को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारी दी। कोई सुलहनीय वाद नहीं रहने के कारण वाद का निष्पादन नही किया गया। मौके पर अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्री अजय कुमार गुड़िया ,डालसा के सचिव शिल्पा मुर्मू जेल के प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में चलाया गया आउटरीच कार्यक्रम

पाकुड़ : जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में आज रविवार को विशेष जागरूकता आउटरीच सह कार्यक्रम के तहत अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय चौधरी एहसान मोईज सह प्रभारी अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के निर्देश पर सचिव शिल्पा मुर्मू के मार्गदर्शन में महेशपुर प्रखंड के अंतर्गत अर्जुनदहा व श्रीरामगड़िया पंचायत के कई गांवों में ग्रामीणों को विधिक जानकारी पीएलवी चंदन रविदास ने दी इस कार्यक्रम के तहत लोगों को बाल विवाह, बाल श्रम, डायन प्रथा, घरेलू हिंसा, समेत सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी साथ ही आवेदन प्राप्त किया। वहीं अमड़ापाड़ा प्रखंड के बासमती समेत अन्य आदिवासी बाहुल क्षेत्रों में घूम घूम कर पीएलवी विजय राजवंशी ने शिक्षा के अधिकार, महिला सशक्तिकरण समेत ज़िला विधिक सेवा प्राधिकार से मिलने वाली मुफ्त कानूनी सहायता के बारे में जानकारी दी।

सब्जी लदा पिकअप वैन पलटने से सड़क पर बिखरे सब्जी

महेशपुर : प्रखंड क्षेत्र के घटचोरा गांव में एक सब्जी लोड पिकअप वैन पलटने से वैन में लोड सब्जी सड़क पर बिखर गई और वैन भी काफी छतीग्रत हुई है, रविवार सुबह करीब 10 बजे एक सब्जी लोड पिकअप महेशपुर से अमड़ापड़ा जा रही थी तभी घटचोरा गांव के समीप पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर आगे जाकर पलट गया जिसके कारण गाड़ी में लोड सारा सब्जी की बोरी सड़क में बिखर गई और वाहन को भी काफी नुकसान उठाना पड़ा, घाटचोरा गांव के ग्रामीणों की सहायता से दूसरी गाड़ी की मदद लेकर पलटी पिकअप वैन को सीधा किया गया और इसके बाद ग्रामीणों ने इंसानियत दिखाते हुए वाहन में खुद श्रम दान कर सब्जी को वैन में लोड कर वाहन को अपने मंजिल की ओर रवाना किया।

आपसी रंजिश और शक में समिल अंसारी की गयी जान

गुमला : गुमला के एक मजदूर की शक के निगाह में होने के कारण लाठी डंडे से पिटाई से मौत हो गई।आरोपी बना रहा मनगढ़ंत कहानीजानकारी के अनुसार आरोपी ने बताया कि परिवार पर गंदी निगाह था। मैने कई बार मृतक मजदूर समिल अंसारी को कहा था कि मेरा घर के आस पास नही आना है नहीं माना तो मैंने उसे डराने के लिए लाठी डंडे से मारा मुझे पता नहीं था की वो मर जाएगा। उक्त बातें आरोपी मसाउद अंसारी ने मजदूर संघ सीएफ टी यू आई झारखंड प्रदेश सचिव जुम्मन खान को सदर अस्पताल गुमला में पुछे जाने पर बताया।।जब मामले की जानकारी ग्रामीणों वा घरवालों से लेना चाहा तो पता चला कि आरोपी बेबुनियाद आरोप लगाया है।जो कुछ कहा सब गलत है।चार छोटे छोटे बच्चे पत्नी,बिधवा मां का एकलौता कमाने वाला युवक था मृतक । आरोपी ने जान बुझ कर पुरे घटनाक्रम को अंजाम दिया है।मृतक युवक पेंट पुटी का काम किया करता था और गांव में भी काफी मिल जुल कर रहा करता था।पुरे घटनाक्रम को सुनने के बाद मजदूर संघ सीएफ टी यू आई झारखंड प्रदेश सचिव जुम्मन खान ने कहा कि मृतक मजदूर पेशा से मजदूर था और मजदुरी करके अपने परिवार का पालन पोषण किया करता था। आरोपी ने शक में गरीब परिवार के बेटा का जान लिया है। आरोपी पर कड़ी से कड़ी सजा मिले और मृतक मजदूर के परिजनों को जिला प्रशासन उचित मुआवजा दे।सिर पैर में लगी थी गंभीर चोट सदर अस्पताल गुमला से रिम्स रेफर किया गया था बेहतर इलाज के लिए। इलाज के दौरान हुआ मौत।चार छोटे छोटे बच्चे वा पत्नी,बुढ़ी बिधवा मां का एकलौता कमाने वाला था मृतक मजदूर समिल अंसारी,,मामला गुमला प्रखंड के अंबुवा गांव का है।

एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़: सदर प्रखंड के ईशाकपुर यूनिक क्लब के ओर से कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुफस्सिल थाना के एएसआई राजेश राम, समाज सेवी एयनुल हैक, अहमद अली उपस्थित हुए।कबड्डी प्रतियोगिता का उद्घाटन समाज सेवी अहमद शेख ने फीता कटते हुए संयुक्त रूप से खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं कबड्डी प्रतियोगिता शुभारंभ किया। अतिथियों का आयोजन समिति द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर एएसआई राजेश राम ने कहा कि खिलाड़ी लक्ष्य निर्धारित कर खेलें,सफलता जरूर मिलेगी। खेल प्रतियोगिताओं से युवा वर्ग नशा व अन्य बुरी आदतों से बचेंगे। खेल से खिलाड़ी अपनी सेहत सही रख सकते है।वहीं खेल प्रतियोगिताओं में आगे बढ़कर अपना भविष्य निखार सकते है। प्रतियोगिता में चार दलो ने हिस्सा लिया। जिसमें कड़ी मेहनत करते हुए इशाकपुर पंचायत के बाबुडंगा एवं बौरीकुनी ने फाइनल मुकाबले में पहुंचा। फाइनल में कड़ी संघर्ष के बाद बौरीकुणी फाइनल में विजयी हुआ।विजेता व उपविजेता टीम को मुख्य अतिथि द्वारा ट्रॉफी व कैश प्रदान कर सम्मानित किया। मौके अंसारुल,मोर्सलिम, सद्दाम, फेकारुल ,हबीबुर, अकबर, मोतीउर,विशाल,सद्दाम,जुलु,नसीर, आदि उपस्थित थे।

पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी की मनाई गई जयंती

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़:रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती जिला कांग्रेस भवन पाकुड़ में मनाई गई। जिला व प्रखंड कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी व कांग्रेस कार्यकताओं ने स्वर्गीय इंदिरा गांधी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया एवं कार्यकताओं के बीच मिठाई बांटकर कर जयंती मनाई गई। मौके पर जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार, जिला उपाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि गुलाम अहमद, प्रखंड अध्यक्ष मांसारुल हक, प्रदेश सचिव सेमिनुल इस्लाम, देवीलाल मुर्मू, जिला प्रवक्ता मुख्तार हुसैन, जिला कोषाध्यक्ष असद हुसैन, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष शाहीन परवेज, ओबीसी जिला अध्यक्ष अमीर हमजा, अजीजुर रहमान, आरिफ हुसैन, लड्डू शेख, सामाद सेख,रामविलास महतो, निपुल सेख, सलीम शेख,प्रशांत राजबंशी,शाकिर हुसैन, मोहम्मद हनीफ,सेटेफेन मरांडी, गनी शेख, नकुल राय, मंसूर शेख, नईमुद्दीन शेख, पल्लू शेख, मानारूल हक,नवीन सिंह, पियारूल इस्लाम, मिथुन मरांडी, सोनू आलम, मोफिज अंसारी, साबिर आली,कमाल अंसारी सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महापर्व

यह हमारी संस्कृति की देन है

सूर्य उपासना का महापर्व छठ सनातन धर्म का देता है संदेश

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़: लोक आस्था का महापर्व छठ बड़े ही शुद्धता और सात्विक विधि से अब केवल भारत ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व में किसी न किसी रूप में मनाया जा रहा है। यह हमारी संस्कृति की देन है। उदय होते सूर्य को तो सभी अर्घ्य देते हैं किंतु डूबते सूरज की पूजा करना अर्थात सुबह उजाला होने की उम्मीद करना यह पूजा का महत्व है। इसके वैज्ञानिक आधार भी है। इसलिए भारतीय लोक पर्व छठ अस्त होते सूर्य को भी उतना ही प्रन्मय सार्थक मानता है। सूर्य का निश्चित समय पर अस्त होना और निश्चित समय पर प्रत्येक दिन पुनः स्थापित होना सामान्य और स्वाभाविक प्रक्रिया है। इन्हीं से जीवन की स्थिरता है। मानव जीवन ही नहीं अपितु पेड़ पौधे पक्षी विश्व के समस्त जीवधारी प्राणी के लिए सूरज की प्रकाश और ऊष्मा आवश्यक है। इसके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। इसलिए सनातन धर्म में केवल अपना ही सुख शांति नहीं बल्कि विश्व कल्याण की

मनोकामना से सूर्य देव की अस्त एवं सूर्योदय की विधि विधान और स्वच्छता के साथ पूजा की जाती है। सूर्य देव की पूजा ही छठ कहलाता है। यह पर्व विश्व को सनातन दर्शन का संदेश देता है। वस्तुतः जीवन को गति तभी मिलती है जब ईश्वरीय शक्ति सहायता करते हैं। छठ महापर्व में जल में जाकर अर्घ्य देना एक विशेष महत्व है । जब हम छठ का अर्घ्य देते हैं तो भगवान भास्कर के स्वरूप जल पर साफ नजर आता है। जब हम अंजलि से जल उठते हैं तब भी भगवान भास्कर के जल में दर्शन करते हैं और ऊपर से जब अर्घ्य देते हैं तब भगवान के साक्षात दर्शन करते हैं। अर्थात छठ जल रशि और सूर्य की ईदगिर्द केंद्रित है। वे प्राकृतिक शक्तियों की सदियों से संपूर्ण सृष्टि को पोषित करते है। इसलिए सूर्य उपासना का महापर्व तालाब नदी या किसी जलाशय के किनारे किया जाता है। भारतीय संस्कृति में इसका विशिष्ट स्थान है।

शहर ›› अपडेट

दून एक्सप्रेस कल से दूसरे रास्ते से होकर चलेगी

झुमरीतिलैया : हावडा नई दिल्ली धनबाद मुगलसराय कोडरमा रेलखंड के अंतर्गत नबाद होकर चलने वाली दून एक्सप्रेस के मार्ग में बदलाव किया गया है। 13009 हावड़ा-योग नगरी ऋषिकेश दून एक्सप्रेस 22 नवंबर से 2 दिसंबर तक वाराणसी, मां बेल्हा देवी धाम, प्रतापगढ़ व लखनऊ होकर चलेगी। वापसी में 13010 योग नगरी ऋषिकेश-हावड़ा दून एक्सप्रेस भी 22 नवंबर से 2 दिसंबर तक परिवर्तित मार्ग से चलेगी। उत्तर रेलवे के बाराबंकी-अयोध्या कैंट के बीच सालारपुर स्टेशन पर होने वाले नान इंटरलॉकिंग के कारण मार्ग में बदलाव किया गया है।

सिटी अपडेट्स ››

जांच शिविर का आयोजन

जमशेदपुर : मानगो जवाहरनगर स्थित नूर अपटिकल्स मे संजीव नेत्रालय के सौजन्य से एक दिवसीय निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया जिस मे 40 जरूरतमन्द लोगों की आंखों की जांच की गई जिन मे पांच लोगों की आंखों मे मोतियाबिन्द पाया गया । उन सभी का निशुल्क आपरेशन संजीव नेत्रालय मानगो मे किया जाएगा । सभी लोगों की आंखों की जांच डा . एस . पंडित , सुनील सिंह , विवेक द्वारा की गई ।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

छठ घाट छोटकी चांपी तालाब में छठ पूजा संपन्न

कुडू : छठ पूजा समिति छोटकी चांपी ,ओपा के द्वारा छठ महापर्व पर छठ व्रतियों के लिए पुख्ता इंतजाम किया गया। समिती के लोगो के द्वारा तालाब ,रोड में सफाई , से लेकर टेंट ,साउंड, लाईट , की भव्य व्यवस्था की गई एवं आए हुए अतिथियों को अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया । सफाई करने वाले छोटकी चांपी की महिला दुलेर देवी को समिति के द्वारा शॉल देकर सम्मानित किया गया और समिति की ओर से सभी छठवर्तियों को पीतल का कलश देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से मुन्ना अग्रवाल और दुबराज वर्मा की अहम भूमिका रही । मुन्ना अग्रवाल ने छठ घाट में आए हुए सभी छठवर्तियों एवं छठ घाट में आए हुए लोगों को शुभकामनाएं दी और कहा कि सभी सरना सनातन धर्म के लोगो से भारी से भारी संख्या में छठ पर्व करने का आग्रह किया ।दुबराज वर्मा ने लोगो की बीच छठ पुजा की बधाई दी और बोले की अगले साल इससे भी बेहतर व्यवस्था देने की कोशिश करेंगे ।सुंदरू पंचायत के पूर्व मुखिया सुशील उरांव ने छठ व्रतियों एवं छठ घाट में आए हुए सभी व्यक्तियों को शुभकामनाएं दी और छठ पूजा समिति के द्वारा की गई व्यवस्था देख छठ पूजा के समिति को बहुत प्रशंसा की। मंच का संचालन कर रहे परमेश्वर वर्मा ने भी छठ व्रतियों ओर छठ घाट में आए सभी व्यक्तियों को अपनी ओर से शुभकामनाएं दी' इस मौके पर लोगो को जागरूक करने के लिए पढ़ लो भैया,पढ़ लो बहना शिक्षा है जीवन का गहना, सौ रोगों की एक दवाई घर मे रखो साफ सफाई, पानी को हम बचाएंगे देश मे खुशहाली लाएंगे, वोटर लिस्ट में नाम लिखवाए वोटर कार्ड सभी बनवाये, बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन नही चलाये सहित कई स्लोगन के माध्यम से लोगोंको जागरूक किया गया।

महापर्व

भगवान भास्कर को विदेश में भी अर्घ्य अर्पित

अमेरिका के सिएटल में धूमधाम से छठ महापर्व संपन्न

- भारतीय संस्कृति की धूम विदेशा में भी
- परिवार और दोस्तों के संग संपन्न महापर्व

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा: जिले के डोमचांच नगर पंचायत के मूल निवासी एवं अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्यरत कृष्णकांत सिंह की इंजीनियर पत्नी नीलम सिंह ने अमेरिका के सिएटल में धूमधाम से छठ महापर्व मना कर अपने सभ्यता और संस्कृति की एक अनूठी विशाल पेश की है। कृष्ण कांत सिंह ने पूरे परिवार और दोस्तों के साथ अमेरिका में अस्ताचलगामी सूर्य और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर अपने क्षेत्र की खुशहाली और अपने परिवार की मनोकामना पूरी करने की मन्नते मांगी।उल्लेखनीय है कि इस वर्ष दूसरी बार अमेरिका में धूमधाम से छठ महापर्व मना रहे अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के निवासी एवं खासकर बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश आदि प्रदेशों के निवासी जो अमेरिका में निवास कर रहे हैं और इस छठ महापर्व में सम्मिलित होकर आयोजन में चार चांद लगा रहे हैं। इंजीनियर कृष्णकांत सिंह की पत्नी इंजीनियर नीलम सिंह ने अमेरिका में नहाय खाय के साथ इस महापर्व की शुरूआत की तथा आज खरना का प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का निर्जला उपवास भी रखा । इस आयोजन में बिहार और झारखंड के लगभग 50 लोग अमेरिका में स्थित उनके आवास में पहुंचे और भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया। इंजीनियर कृष्णकांत सिंह के कॉलेज में जूनियर मित्र मणिभूषण और शालिनी श्रीवास्तव ने छठ पर्व के आयोजन में शुरू से ही साथ रहकर योजना बनाने से लेकर इस कार्य रूप देने तक इनका भरपूर सहयोग किया। वहीं निधि चौधरी ,रितु सिंह और मनीष राज ने खरना का प्रसाद बनाने में सभी लोग भरपूर सहयोग किया। ये सभी लोग झारखंड बिहार के मूल निवासी हैं जो अमेरिका में सेटल्ड है। इस कार्यक्रम में शिरकत वाले अन्य लोगों में अंकित आस्था सुमित नमिता संदीप दीपक ज्ञा गीता सिद्धार्थ नीतीश कुमार सिंह नेहा सिंह साकेत बिहारी अभिमन्यु सिंह प्रभाकर श्रुति रवि कौशल ममता अंकित अमृता सहित अन्य लोगों के नाम शामिल है। विदेश में रहकर भी छठ महापर्व के सफल आयोजन करने को लेकर डोमचांच हुआ कोडरमा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सराहना की जा रही है। इंजीनियर कृष्णकांत सिंह मूल रूप से डोमचांच कालीमंडा के निवासी स्वर्गीय तारकेश्वर सिंह के पुत्र है तथा उनकी पूरी शिक्षा दीक्षा डोमचांच व कोडरमा के विभिन्न सरकारी स्कूलों व कॉलेज में हुई है। वे अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ पिछले तीस वर्षो के साथ अमेरिका में रह रहे हैं।

कार्य में सभी लोगों का रहा सहयोग

छठ पर्व के अंतिम दिन भंडारे का आयोजन

राष्ट्रीय खबर

मरकच्चो: प्रखंड के खटोलिया ग्राम में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी छठ पर्व के अवसर पर सोमवार को स्थानीय नवयुवको के द्वारा भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में अपने गांव के आस पास समेत सैकडों लोगो ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन समिति के सदस्यों ने कहा कि यहां भंडारे का आयोजन लगभग 3 वर्षों से किया जा रहा है। भंडारे को सफल बनाने में आसपास के लोगो का काफी सहयोग मिलता है। मौके पर पवन वर्मा, मुखलाल वर्मा, अजय राणा, अनिल वर्मा, जोहर महतो, झारखंडी वर्मा, पंकज राणा, दिनेश राणा, रंजीत राणा, दीपक राणा, राजेश वर्मा, हीरालाल यादव उर्फ हीरो, रिंकू राणा, बिनोद राणा, पप्पू यादव, सोनू यादव, रवि वर्मा, महादेव यादव, केदार यादव, संदीप राणा, टिंकू राणा, दिलीप राणा, दीपक यादव, प्रकाश यादव,रंजीत यादव, चंदन यादव, दामोदर यादव, दुःखी राणा, मिंटू राणा समेत समित के सभी सदस्य मौजूद थे।

शोभायात्रा के साथ किया गया नगर का भ्रमण

गाजे -बाजे के साथ प्रतिमा का किया विसर्जन

राष्ट्रीय खबर

पेटरवार : पेटरवार भास्कर सेवा समिति की ओर से स्थापित सूर्य देव की प्रतिमा का धूमधाम के साथ सोमवार को विसर्जन कर दिया गया। विसर्जन के पूर्व भगवान सूर्य देव की प्रतिमा का एक शोभायात्रा के साथ नगर का भ्रमण किया गया। इस दौरान बाजे -गाजे के साथ पेटरवार बाजार टांड़, केवट टोला, मठ टोला, ठाकुर टोला, पटवा टोला का भ्रमण करते हुए बुंडू स्थित कुंजियां तालाब में प्रतिमा का विसर्जन कर दिया गया। बता दे कि विगत तीन वर्षो से छठ पूजा के अवसर पर मध्य विद्यालय पेटरवार के निकट भास्कर सेवा समिति की ओर से भगवान सूर्य देव की प्रतिमा स्थापित कर पूजा - अर्चना की जा रही है। भगवान सूर्य देव की प्रतिमा विसर्जन करने के पश्चात ओ बी सी मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष सह समाजसेवी धीरज कुमार साहू की ओर से महाप्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कल्याणी देवी ने महाप्रसाद का वितरण किया। विगत तीन वर्षो से समाजसेवी धीरज साहू की ओर से महाप्रसाद का वितरण श्रद्धालुओं के बीच किया जा रहा है।इस मौके पर भास्कर सेवा समिति के अध्यक्ष मधुसूदन प्रसाद, सचिव दीपचंद प्रसाद, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण प्रसाद, राम प्रकाश, गोपाल प्रसाद, राम कुमार, धर्मेंद्र प्रसाद, राज कुमार प्रसाद, चंद्र कुमार प्रसाद, अमित कुमार महतो, भारत महतो, शंकर गुप्ता, अग्रित मंडल, मंसू महतो, दीपक मुंडा, जीत लाल केवट सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

छठ घाटों पर व्रतियों का उमड़ा सैलाब

राष्ट्रीय खबर

पेटरवार : पेटरवार एवं आसपास के क्षेत्रों में सूयोर्पासना व लोकआस्था का चार दिवासीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पण के साथ सम्पन्न हो गया। इसके पूर्व रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य दिया गया। इस अवसर पर पेटरवार के रघुनतपुरम स्थित रामधनिय तलाब, खत्रीमुहला राजा तालाब, कुंजियां तालाब, अंबागड्डा नदी सहित दर्जनों छठ घाटों पर छठ व्रती सहित आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सोमवार को तड़के छठव्रती महिलाएं जलाशयों में खड़ी होकर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पण कर यज्ञ, हवन एवं विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करते हुए तालाबों में दीपदान किया गया। छठव्रती महिलाएं स्थानीय मंदिरों में दर्शन के पश्चात 36 घण्टों के निर्जला उपवास व्रत का पारन किया गया। इस दौरान गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी एवं गोमिया विधायक डॉक्टर लंबोदर महतो सभी छठ घाटों का भ्रमण किया और सभी को शुभकामनाएं दी। छठ घाट समिति रघुनतपुरम के द्वारा एन एच 23 से लेकर छठ घाट तक साफ सफाई एवं लाइटिंग का व्यवस्था किया गया। एंव साज-सज्जा व पारम्परिक छठ गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

मंत्री ने दिया अर्घ्य

राष्ट्रीय खबर

देवघर: सारवां प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में लोक आस्था का महा त्यौहार छठ चौथे दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया। सूर्य उदयमान होते ही नदी घाटों में वर्ती व छठ को मनाने वाले नेक नियम निष्ठा व ढोल बाजे के साथ पहुंचे और भगवान भास्कर को अर्घ देकर परिवार के सुख समृद्धि की कामना की वहीं सूबे के कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने क्षेत्र के महतोडीह, नावाडीह, भंडारों, भजलपुर सहित विभिन्न छठ घाट में पहुंचकर भगवान भास्कर को अर्घ देकर क्षेत्र के खुशहाली की कामना की। मौके पर जनप्रतिनिधि समाज से भी बुद्धिजीवी व विभिन्न ग्रामीण कार्यकर्ता मौके पर उपस्थित थे, कहा जाता है कि छठ पूजा चार दिनों का त्यौहार है जो कदूवा भात से शुरू होता है, दूसरे दिन खरना और तीसरे दिन डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, चौथे दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ यह त्योहार संपन्न हो जाता है। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी रजनीश कुमार, थाना प्रभारी प्रदीप लकड़ा, सहित अन्य पदाधिकारी ने छठ घाट में पहुंचकर त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने में तत्परता से लगे रहे।

आस्था

दुल्हन की तरह सजी छठ घाट साफ -सफाई का भी रखा ध्यान

भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ महापर्व छठ

- अर्घ्य देकर लौटे व्रती
- 17 नवंबर से शुरू हुआ था महापर्व

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा : सोमवार की सुबह भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही लोक आस्था का महापर्व छठ संपन्न हो गया। व्रती व उनके स्वजनों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर खुद के लिए और समाज व देश के हित की कामना की। इससे पहले सोमवार की अहले सुबह से ही श्रद्धालु पास के छठ घाटों पर पहुंचने लगे थे। इन घाटों पर रोशनी की बेहतर व्यवस्था होने से यहां का दृश्य मनोहारी था।भक्ति भाव माहौल में विधि-विधान से सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती सोमवार को अपने-अपने घरों की ओर लौट गए। विभिन्न घाटों पर कोई व्रती पैदल चलकर तो कोई अपनी सवारियों से आए तो कोई दूर के इलाकों से टेंपो से पहुंचे थे। इधर कोडरमा के राजा तालाब, बरसोतियाबर, प्रेम सागर तालाब, डोमचांच स्थित शिवसागर तालाब, झुमरीतिलैया के इंदरवा, चाराडीह, उरवां समेत अन्य जगहों के घाटों पर कुछ श्रद्धालु पूरी रात मौजूद रहे। इस दौरान गाना-बजाना का भी दौड़ चला। कुछ पूजा समितियों के तरफ से सजाए गए थे, कुछ लोगों ने अपने घाटों को अपने तरीके से सजाए थे। जिन लोगों के घर से तलाब और नदी की दूरी अधिक थी, वे लोग अपने घर-आंगन या फिर छत पर घटों का निर्माण कर सजाए और भगवान भास्कर को अर्घ्य दिए।लोक आस्था के महापर्व छठ का शुभारंभ 17 नवंबर यानी शुक्रवार से नहाय खाय के साथ हुआ था। इसके अगले दिन 18 नवंबर को खरना का व्रत था। खरना की पूजा के बाद 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत शुरू हुआ। 19 नवंबर की शाम छठ घाटों पर व्रतियों ने अस्तचलगामी भास्कर को अर्घ्य दिया। सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही छठ महापर्व संपन्न हो गया। पूर्व शिक्षा मंत्री एवं कोडरमा विधायक नीरा यादव ने बरसोतियाबर में अर्घ्य दिया। साथ मे हवन कार्यक्रम हुवा । मौके पर पहुंची काफी संख्या में छठ वार्तियों ने पूजन कार्य सम्पन्न किया

न्यूज फटाफट

सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर आस्था का छठ संपन्न

कुडू : लोक आस्था का महापर्व छठ के चौथे दिन प्रखंड क्षेत्र में सोमवार 20 नवम्बर को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर पारण के पश्चात हर्षो उल्लास के साथ संपन्न हो गया। छठ को लेकर चार दिनों तक पुरा क्षेत्र भक्तिमय रहा। हर गली मोहल्लों से लेकर छठ घाट तक छठ पूजा के गीत गूंजते रहे। पर्व के चौथे एवं अंतिम दिन सूर्य उदय से पूर्व से कुडू के टीको, जिलिंग, बड़की चापी, सलगी, जिमा, लावागाई, रूद,जरियो,होटवार,छोटकी चाँपि आदि विभिन्न घाटों और जलाशयों पर व्रती और उनके परिजन अपने अपने घरों से पूजा सामग्रियों के साथ बड़ी संख्या में व्रतधारी टीको सहित विभिन्न नदियों के तट और जलाशयों के किनारे पहुंचे और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर भगवान भास्कर की पूजा-अर्चना की। व्रतियों ने आधे कमर पानी में खड़े होकर पूजा सामग्री से भरे सूप हाथों में लिए भगवान भास्कर को पूरी श्रधा के साथ दूसरा अर्घ्य दिया। दूसरा अर्घ्य देने के साथ ही उनका छात्तिस घंटे का निर्जला उपवास भी समाप्त हो गया। उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर इस महा अनुष्ठान का समापन हुआ। इसके बाद घाटों पर छठ माता को प्रणाम कर उनसे संतान-रक्षा का वरदान मांग कर लोगों ने प्रसाद बांट कर और फिर व्रतियों ने खुद भी प्रसाद खाकर व्रत खोला। व्रतियों ने छठ घाटों में भगवान सत्यनारायण की कथा भी सुनी। इससे पूर्व महापर्व के दूसरे दिन छठ व्रतियों ने खरना अनुष्ठान किया और भगवान सूर्य की पूजा अर्चना के बाद खीर का प्रसाद ग्रहण किया। छठ व्रतियों द्वारा प्रसाद ग्रहण करने के बाद श्रद्धालुओं ने घर-घर जाकर खरना का प्रसाद ग्रहण किया। देर रात तक छठ व्रतियों के घरों में प्रसाद वितरण करने और खिलाने का दौर चलता रहा। ततपश्चात रविवार को छठ महापर्व का पहला अर्घ्य अस्ताचलगामी सूर्य को देने के लिए कुडू प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। छठ को लेकर पुरे दिन छठ व्रती के परिजन खरीदारी में जुटे रहे। कुडू बस स्टैंड सहित अन्य स्थानों पर फल एवं पूजा सामग्रियों की दुकानो पर भीड़ लगी रही। वहीं महापर्व को सुरिक्षत व शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने को लेकर कुडू पुलिस प्रशासन पूरी तरह चौकस नजर आया। जहां थाना प्रभारी बिश्वजीत कुमार सिंह के निर्देश पर जगह-जगह पुलिस मुस्तैदी से निगरानी में लगी दिखी। वही कुडू सीओ प्रवीण कुमार सिंह,कुडू बीडीओ प्रवेश कुमार साव, थाना प्रभारी बिश्वजीत कुमार सिंह भी टीको छठ घाट पर मौजूद रहे।इस मौके पर कुडू प्रखंड क्षेत्र के बड़की चाँपि छठ तालाब में पुरोहित भूपाल पाठक ने बिधिवत पूजन भक्तों से करवाई।इस मौके पर कुडू प्रखंड प्रमुख मुनी देवी,कुडू सांसद प्रतिनिधि भूषण प्रसाद,कुडू प्रखंड पूर्व प्रमुख परिवा मुंडा,बड़की चाँपि पंचायत के उप मुखिया हेना तिवारी, वार्ड सदस्य प्रण महतो,गीता भगत,परमेश्वर उराँव,कुडू बीजेपी महामंत्री यदुनंदन तिवारी, अतुल पाठक,अमोद पाठक,लाल गौरीशंकर नाथ शाहदेव, शंकर महतो,अनिरुद्ध महतो,रघुनंदन तिवारी, मुकेश प्रजापति, अवधेश पाठक,फलिन्दर यादव,कामेश यादव, बिरेन्द्र यादव,सुरेंद्र यादव,कैला भुइयां, बिद्या देवी, अनिल अग्रवाल, चिंता महतो,लखन राम, भरत वर्मा, कन्हैया साहु, अजय कुमार,अनिल सिंह,विशाल तिवारी,सौरभ तिवारी,बंधन उराँव,अंजनी देवी,जयचंद पांडेय,बबलू पांडेय, शंकर महतो,उमेश पासी सहित श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ रही। इनमें महिलाएं, पुरुष और बच्चे सभी शामिल थे।

बिजली समस्या को लेकर भाकपा माले ने की बैठक

डोमचांच : भाकपा माले लोकल कमिटी डोमचांच पश्चिम द्वारा बिजली समस्या को लेकर ग्राम नावाडीह के टोला लेवडा मे एक आवश्यक बैठक किया गया। बैठक की अध्यक्षता अखिलेश राज उर्फ छोटु मुर्मू ने की। ज्ञात हो कि विगत 5 नवंबर से बिजली विभाग द्वारा अधिक बिजली बिल बकाया होने के कारण ग्राम करमीकुंड, नावाडीह, अहराय, लेवडा मे सभी आदीवासी घरों का बिजली कनेक्शन काट दिया गया है, जिससे बच्चों के पठन, पाठन, और पर्व त्योहार मे काफी परेशानी का सामना करना पड रहा है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन बसर करने वाले आदिवासी परिवार को कुछ वर्ष पहले विभाग द्वारा बिजली कनेक्शन दिया था। इस बीच बिजली आपूर्ति नियमित रूप से नही दिया गया। मौके पर उपस्थित माले जिला सचिव कॉ राजेन्द्र मेहता ने कहा कि झारखंड सरकार एक तरफ 100 यूनिट बिजली फ्री देने की बात करती है। वहीं गरीब आदिवासियों को अंधेरा का सामना करना पड़ता है। बिजली विभाग सभी उपभोक्ता का बिजली बिल माफ करे और अविलंब बिजली बहाल करे। यदि उक्त आदिवासी गाँवों मे बिजली समस्या का समाधान नही किया गया तो भाकपा माले द्वारा जन आंदोलन तेज किया जाएगा। बैठक मे उमेश टुडु, सरयू बेसरा, दीपक हेम्ब्रम, बुधन हेम्ब्रम, विशुन मुर्मू, तालो हांसदा, महेश हांसदा, छोटन हेम्ब्रम, राजेश मुर्मू, सुशील सोरेन, आदि कई ग्रामीण ने बैठक मे उपस्थित हुए।

छठ पर्व सम्पन्न, बनाए गए आकर्षक तोरण द्वार

मरकच्चो : लोक आस्था का महापर्व छठ की छटा में पूरा मरकच्चो प्रखंड रंगा रहा। प्रखंड मुख्यालय से लेकर ग्रामीण इलाकों में छठ मैया की महिमा व सूर्य देव की उपासना में हजारों हाथ जल में खड़े होकर एक साथ अस्ताचलगामी एवं उदयीमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। सर्वत्र भक्ति का माहौल रहा। प्रखंड के विभिन्न ग्रामीण इलाकों एवं छठ घाटों को दुल्हन की तरह सजाया गया था। जगह जगह छठ पूजा समितियों के द्वारा छठ घाट जाने वाली गलियों व छठ घाटों को आकर्षक लाइटों एवं तोरण द्वार से सजाये गये थे। जगह जगह भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित भी की गई थी। इसके पूर्व रविवार शाम को हजारों श्रद्धालुओं ने प्रखंड के विभिन्न घाटों पर अस्ताचलगामी सूर्य को दूध का अर्घ्य अर्पित कर सुख शांति व समृद्धि की कामना की। प्रखंड के विभिन्न छठ घाटों मेंअर्घ्य देने के लिए काफी चहल-पहल देखी गई।छठ महापर्व को लेकर मरकच्चो प्रखंड मुख्यालय बुढ़वा आहर, फुलवारी आहार,बड़ा अखाड़ा, देवगढ़ मोहल्ला, कन्हैया नगर,खटोलिया के बक्सी आहर, पुनर्वास, मरकचो, पपलो, जामु, सिमरिया, तेलोडीह, नावाडीह 1 खेशमी, नावाडीह2, पांडेडीह, देवीपुर आदि गांव में बच्चे बूढ़े युवक युवतियों व महिलाओं ने रविवार शाम को अस्ताचलगामी व सोमवार को उदयीमान सूर्य देव को दूध व जल का अर्पित कर किया। मरकच्चो प्रखंड मुख्यालय स्थित खटोलिया छठ पूजा समिति द्वारा बक्सी आहर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था जो आकर्षण का केंद्र बना था। रविवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य देव को अर्पित करने के बाद सोमवार की अहले सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं का जुटान छठ घाटों पर होने लगा था।

कलश यात्रा के साथ एकादशी उद्यापन यज्ञ शुरू

मरकच्चो : प्रखंड मुख्यालय मरकचो स्थित कन्हैया नगर में भव्य कलश यात्रा के साथ एकादशी उद्यापन महायज्ञ का शुभारंभ सोमवार को हो गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में राजद जिलाध्यक्ष सह जिला परिषद अध्यक्ष कोडरमा रामधन यादव, राजद प्रदेश उपाध्यक्ष शिवनाथ यादव, पूर्व प्रखण्ड अध्यक्ष सावित्री देवी, प्रखण्ड प्रमुख मरकच्चो विजय कुमार सिंह, स्थानीय मखिया रणजीत कुमार सिंह, राजद वरीय नेता भुनेश्वर प्रसाद यादव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर व दीप प्रज्वलित कर कलश यात्रा का शुभारंभ किया। कलश यात्रा में 151 माताओं और कुंवारी कन्याओं ने पीले वस्त्र धारण कर माथे पर कलश लेकर भाग लिया। कलश यात्रा गाजे-बाजे व गगनचुंबी नारे के साथ मरकच्चो प्रखंड मुख्यालय के विभिन्न गलियों का भ्रमण करते हुए पंचखेरो नदी स्थित उत्तरवाहिनी पहुंची जहां यज्ञचार्ज महेश पांडे एवं यज्ञ कार्य में लगे पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश में जल भरवाया गया। इसके बाद कलश यात्रा वापस यज्ञ स्थल पर पहुंची। जहां विधि विधान के साथ कलश को यज्ञ मंडप में प्रवेश कराया गया। यज्ञ के आयोजक मुख्य पुजारी अनार देवी है। कलश यात्रा कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुनील सिंह, सीता, पुनम देवी,शिवशंकर यादव, केदार सिंह, मथुरा सिंह, भूषण मोदी, रवि सिंह, नवल पांडे, किशोरी सिंह, हरिहर सिंह समेत सैकड़ो श्रद्धालु उपस्थित थे।

न्यूज फटाफट

रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड और इंडियन ऑयल के बीच होगी खिताबी भिड़ंत

नई दिल्ली :वंदना कटारिया के नेतृत्व वाला रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड मंगलवार को तीसरी हॉकी इंडिया सीनियर महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के खिताब के लिये इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से भिड़ेगी। शिवाजी स्टेडियम में तीसरे और चौथे स्थान के लिये सशस्त्र सीमा बल का सामना भारतीय खेल प्राधिकरण से होगा। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड ने पहले सेमीफाइनल में अपना दबदबा दिखाते हुए सशस्त्र सीमा बल को 5-0 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। गतिशील भारतीय ड्रैग-फिलकर, गुरजीत कौर ने पेनल्टी कॉर्नर से शुरुआती गोल (5) के साथ माहौल तैयार किया। कप्तान वंदना कटारिया ने शानदार फील्ड गोल (11) के साथ अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया, जिससे उनकी टीम की बढ़त दोगुनी हो गई। नवनीत कौर (37), प्रीति दुबे (45) और संगीता कुमारी (59) ने गोल करने का सिलसिला जारी रखा। दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने भारतीय खेल प्राधिकरण पर 3-0 से शानदार जीत हासिल की। शर्मिला देवी (22) ने पेनल्टी कॉर्नर के माध्यम से स्कोरिंग की शुरुआत की, उसके बाद ज्योति (47) ने एक और पीसी गोल के साथ बढ़त बढ़ा दी। दीपिका (56) ने बेहतरीन फील्ड गोल से जीत पक्की कर दी, जिससे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की फाइनल में जगह पक्की हो गई।

सविता तीसरी बार सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के अवार्ड के लिये नामांकित

बेंगलुरु : वर्ष 2021 और 2022 में एफआईएच गोलकीपर ऑफ द ईयर अवॉर्ड जीतने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर सविता को इस साल के एफआईएच हॉकी स्टार्स अवार्ड्स में एक ही श्रेणी में लगातार तीसरी बार नामांकित किया गया है। इस बारे अपनी खुशी का इजहार करते हुये सविता ने मिले सम्मान को टीम को समर्पित किया और कहा, ''मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं लगातार दो वर्षों तक यह पुरस्कार जीतूंगी, और फिर से नामांकित हो जाऊंगी। मैं वास्तव में बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और यह मेरे, मेरे परिवार और मेरे साथियों के लिए भी गर्व का क्षण है। जब मैंने खेलना शुरू किया, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इतना आगे तक आऊंगी और यह सब मेरे परिवार और मेरे साथियों के समर्थन के कारण है।'' उन्होंने कहा, '' टीम खेल में कोई भी उपलब्धि व्यक्तिगत प्रयासों पर आधारित नहीं होती बल्कि टीम वर्क का परिणाम होती है। आपकी कड़ी मेहनत के लिए पहचाना जाना बहुत अच्छी बात है और यह पूरी टीम को प्रेरित करती है।'' सविता ने हाल के वर्षों में भारत को कई महत्वपूर्ण जीत दिलाई हैं, जिसमें स्पेन में एफआईएच हॉकी महिला कप 2022 में खिताबी जीत भी शामिल है। उन्होंने एशियाई खेलों हांगझाउ 2022 में कांस्य पदक जीतने के लिए टीम का नेतृत्व किया और इसके बाद हाल ही में आयोजित झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 में खिताबी जीत हासिल की। उनकी कप्तानी में, भारत ने अपनी सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग (नंबर 6) भी हासिल की। सविता ने कहा, '' यह हमारे लिए एक अद्भुत सीज़न रहा है। मुझे इस बात पर गर्व है कि हमने अपने रास्ते में आने वाली बाधाओं को पार किया। हम प्रत्येक खेल के साथ बेहतर होते गए हैं। यहां तक कि युवा खिलाड़ियों ने भी महान दृढ़ता दिखायी है।'' आगामी एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, भारतीय महिला हॉकी टीम प्रतिष्ठित पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए अपनी योग्यता सुरक्षित करने के लिए टूर्नामेंट में शीर्ष तीन में जगह बनाने का लक्ष्य रखेगी। टूर्नामेंट का आयोजन 13 से 19 जनवरी तक रांची में होना है। भारत को पूल बी में न्यूजीलैंड, अमेरिका और इटली के साथ रखा गया है। पूल ए में जर्मनी, जापान, चिली और चेक गणराज्य शामिल हैं। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी और शीर्ष तीन टीमें पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी योग्यता सुनिश्चित करेंगी।

क्रिकेट

विजेता ऑस्ट्रेलिया टीम हुई मालामाल

ऑस्ट्रेलिया ने छठी बार जीता वर्ल्ड कप, भारत को दूसरी बार फाइनल में दी शिकस्त

▶▶ ऑस्ट्रेलिया की तरफ से ट्रेविस हेड ने ठोकी सेंचुरी

▶▶ भारत ने ऑस्ट्रेलिया को दिया था 241 रन का लक्ष्य

वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में भारतीय टीम को 6 विकेट से हराकर ऑस्ट्रेलिया टीम चैंपियन बनी

नई दिल्ली:वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के हाथों 6 विकेट की करारी हार का सामना करना पड़ा। हार के इस कड़वे घूंट के साथ ही टूनार्मेंट में जबर्दस्त प्रदर्शन से चकाचौंध बिखेरने वाली टीम इंडिया के अभियान का दुखदायी समापन हुआ। टीम इंडिया के फाइनल में हार का दर्द सभी के साथ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर मौजूद फैंस के चेहरे पर साफ पढ़ा जा सकता था। खिताबी जीत के फलस्वरूप ऑस्ट्रेलिया टीम को चार मिलियन यूएस डॉलर (करीब 33.25 करोड़ रुपये) इनाम के तौर पर मिले जबकि उपविजेता भारतीय टीम को दो मिलियन यूएस डॉलर यानी 16.62 करोड़ रुपये से ही संतोष करना पड़ा।विराट कोहली प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट और सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे जबकि मोहम्मद शमी सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे।फाइनल में शतक जमाने वाले ट्रेविस हेड प्लेयर ऑफ द फाइनल घोषित किए गए। भारत की तरफ से कप्तान रोहित शर्मा ने ताबड़तोड़ 47 रन बनाकर टीम को तेज तर्रार शुरूआत दी। लेकिन हिटमैन के विकेट के बाद विराट को छोड़ दें तो टॉप ऑर्डर ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। जिसके बाद रनों में मंदी नजर आई।सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल दहाई का आंकड़ा भी नहीं पार कर पाए। इसके अलावा पिछले मैच में सेंचुरी ठोकने वाले श्रेयस अय्यर भी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। अय्यर महज 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। हालांकि, विराट कोहली ने 63 गेंद में 54 रन की पारी खेली, इसके बाद केएल राहुल ने टीम को लड़ाकू स्कोर तक पहुंचाया। राहुल ने 107 गेंद में 66 रन की बेहद धीमी पारी को अंजाम दिया, जिसमें महज एक चौका शामिल था। इन पारियों की बदौलत ब्लू आर्मी जैसे-तैसे 240 रन के आंकड़े तक पहुंची और सारी जिम्मेदारी भारतीय टीम के घातक गेंदबाजी अटैक के कंधो पर आ गई।ट्रेविस हेड भारत और ट्रॉफी के सामने बने दीवारबल्लेबाजी में ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही ओवर में 15 रन लेकर दमदार शुरूआत की। इसके बाद जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी ने 3 अहम बल्लेबाजों का विकेट लेकर कंगारू टीम की सांसे अटका दी थी। बुमराह ने मार्श और स्मिथ का शिकार किया जबकि शमी ने वॉर्नर को पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। लेकिन ट्रेविस हेड भारत और ट्रॉफी के सामने दीवार बनकर खड़े रहे। उन्होंने 120 गेंद में 130 रन की मैच विनिंग पारी को अंजाम दिया। दूसरे छोर पर मार्नस लाबुशेन ने सूझ-बूझ भरी पारी से टीम इंडिया को मुश्किल में डाल दिया। दोनों बल्लेबाजों के सामने बुमराह, शमी और जडेजा से लेकर भारत की सभी शक्तियां फेल नजर आईं।

रोहित शायद सबसे बदकिस्मत इंसान हैं: ट्रेविस हेड

ट्रेविस हेड खिताबी जंग जीतने के बाद आगे कहा, वह (रोहित शर्मा) शायद दुनिया का सबसे बदकिस्मत इंसान है। फील्डिंग ऐसी चीज है जिस पर मैंने कड़ी मेहनत की है। मैं शतक बनाने की कल्पना भी नहीं कर सकता था। रोहित शर्मा के कैच को पकड़ना बहुत अच्छा था। अपने साथियों की देखभाल करना महत्वपूर्ण है, खचाखच भरे सदन के सामने बड़े मंच पर ऐसा करने में सक्षम होना एक अच्छी बात है।

हार के बाद टूटकर बिखरे रोहित, आंसू के साथ लौटे बाहर, रितिका का रिएक्शन तोड़ देगा दिल

वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का मिशन वर्ल्ड कप फेल हो चुका है। ऑस्ट्रेलिया की टीम 20 साल बाद एक बार फिर वर्ल्ड कप फाइनल में भारत और ट्रॉफी के बीच खड़ी हो गई। रोहित शर्मा ने अपने शानदार प्रदर्शन और अपनी बेहतरीन कप्तानी की बदौलत भारतीय टीम को लगातार 10 मुकाबले जीतकर टीम को फाइनल तक पहुंचा दिया था।

फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा के हाव भाव. (AP)

जोकोविच ने सिनर को हराकर सातवीं बार जीता एटीपी फाइनल का खिताब

एजेंसियां

टयूरिनः सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए इटली के यानिक सिनर को सीधे सेटों में हराकर रिकॉर्ड सातवीं बार एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। इस के साथ दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी जोकोविच ने सत्र के आखिर की चैंपियनशिप में रोजर फेडरर के करियर के छह खिताबों के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। जोकोविच ने एक घंटा 43 मिनट तक चले मुकाबले में स्थानीय खिलाड़ी सिनर को 6-3, 6-3 से से हराया। खिताब जीतने के बाद जोकोविच ने कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं कि मेरी जिंदगी का यह सर्वश्रेष्ठ सत्र रहा। इस सप्ताह शानदार प्रदर्शन करने वाले स्थानीय खिलाड़ी यानिक के खिलाफ जीत दर्ज करके खिताब हासिल करना शानदार रहा।'' एटीपी फाइनल्स में करियर के सर्वाधिक खिताब (1970 से): नोवाक जोकोविच ने वर्ष 2008, 2012, 2013, 2014, 2015, 2022 और 2023 तक सात बार खिताब जीते है। वहीं रोजर फेडरर 2003, 2004, 2006, 2007, 2010 और 2011 ने छह बार खिताब जीता है पीट सैम्प्रास 1991, 1994, 1996, 1997 और 1999 तक पांच बार यह खिताब जीता।

मार्श की सोशल मीडिया पर वायरल फोटो को लेकर प्रशंसकों की तीखी टिप्पणी

एजेंसियां

नयी दिल्ली : आईसीसी विश्वकप के फाइनल मुकाबले में भारत को हराने से अधिक चर्चा ट्रॉफी के अनादर को लेकर हो रही है। मिशेल मार्श की वायरल हो रही तस्वीर पर भारतीय प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर ऑस्ट्रेलियाई टीम को जमकर आड़े हाथों लिया है। सोशल मीडिया पर वायर फोटो में देखा गया है कि मार्श विश्व कप ट्रॉफी के ऊपर पैर रखकर बैठे हैं। इसको लेकर सोशल मीडिया पर लोग मिशेल मार्श से काफी नाराज हैं और लोगों का कहना है कि ऐसी हरकत करके मार्श ने ट्रॉफी का अनादर किया है। मिशेल की फोटो पर सोशल मीडिया पर तीखी टिप्पणी सामने आ रही हैं। इस फोटो को कंगारू टीम के कप्तान पैट कमिंस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया गया है। इस फोटो के साथ ट्रॉफी की फूल माला वाली संयुक्त फोटो वायरल हो रही है। इस फोटो को लेकर एक यूजर ने सोशल मीडिया पर किसी शायर की पंक्तियों साझा करते हुए लिखा। ...इतना भी गुमान ना कर अपनी जीत पे ऐ बेखबर, शहर में तेरी जीत से ज्यादा चर्चे तो मेरी हार के हैं। समय अच्छे अच्छों को कद्र करना सिखा देता है, आज नहीं तो कल सही। भारत, भारतीय संस्कृति की जय वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, ''वे इस ट्रॉफी के लायक नहीं हैं, अगर उनके मन में इसके लिए सम्मान नहीं है। तुम्हें शर्म आनी चाहिए मिशेल मार्श।'' इसके अलावा एक अन्य व्यक्ति ने लिखा कि मार्श की यह हरकत क्रिकेट के इतिहास में अपमानजनक और असम्मानजनक कृत्य के रूप में दर्ज किया जाएगा। ऐसा रवैया अनुचित और अस्वीकार्य है। आप क्रिकेटरों की भावी पीढ़ी के लिए क्या संदेश दे रहे है।

खेल जगत अपडेट्स »

मोदी ने की भारतीय क्रिकेट टीम की हौसला अफजाई

अहमदाबाद : आईसीसी विश्व कप फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ड्रेसिंग रूम में पहुंचकर भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की। प्रधानमंत्री ने ड्रेसिंग रूप में पहुंच कर निराश खिलाड़ियों का दर्द साझा करते हुए उनकी हौसलाफजाई की। इसको लेकर टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने प्रधानमंत्री के साथ फोटो को सोशल मीडिया पर साझा भी किया है। विश्वकप फाइनल के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, प्रिय टीम इंडिया, विश्व कप में आपकी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प उल्लेखनीय था। आपने सभी मैच बहुत अच्छे जज्बे के साथ खेले और देश को गौरवांवित किया। हम आज और हमेशा आपके साथ खड़े हैं।ऑस्ट्रेलिया को बधाई देते हुए उन्होंने लिखा, विश्व कप में शानदार जीत पर ऑस्ट्रेलिया को बधाई! पूरे टूनार्मेंट में उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा जिसका समापन शानदार जीत के साथ हुआ। ट्रेविस हेड को आज उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए बधाई।भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर ट्वीट किया, दुर्भाग्य से, कल हमारा दिन नहीं था। मैं पूरे टूर्नामेंट में टीम और मेरा समर्थन करने के लिए सभी भारतीयों को धन्यवाद देना चाहता हूं। विशेष रूप से ड्रेसिंग रूम में आने और हमारा उत्साह बढ़ाने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी का आभारी हूं।

सब जूनियर कराटे टीम को एक स्वर्ण और तीन कांस्य पदक

रांचीः कराटे इंडिया आगेर्नाइजेशन द्वारा 18 एवम 19 नवंबर 2023 को दिल्ली के ताल कटोरा स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय सब-जूनियर कराटे चैम्पियनशिप में स्पोर्ट्स कराटे ऐसोसिएशन ऑफ झारखंड की कराटे टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण पदक एवम तीन कांस्य पादक जीता। राष्ट्रीय कराटे कोच सेंसाई रंजीत मेहता के नेतृत्व में झारखंड की सब जूनियर बालक टीम एवम सब जूनियर बालिका टीम ने भाग लिया। बालिका वर्ग में रामगढ़ कि काश्वी मेहता ने कुमीते में गोल्ड मेडल जीता ।

47 वर्ष के हुये तुषार कपूर

एजेंसियां

मुंबई : बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता तुषार कपूर आज 47 वर्ष के हो गये। मुंबई में 20 नवंबर 1976 को जन्में तुषार कपूर को अभिनय की कला विरासत में मिली। उनके पिता जीतेन्द्र फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता हैं।तुषार अक्सर अपने पिता के साथ फिल्मों की शूटिंग देखने जाया करते थे इसलिये उनका रूझान भी फिल्मों की ओर हो गया और वह अभिनेता बनने का सपना देखने लगे।तुषार ने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 2001 में प्रदर्शित फिल्म मुझे कुछ कहना है से की। इस फिल्म में तुषार ने लवर ब्वॉय की भूमिका निभायी। इस फिल्म में उनकी जोड़ी करीना कपूर के साथ काफी पसंद की गयी।फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुयी। साथ हीं तुषार को सर्वश्रेष्ठ डेब्यू अभिनेता का फिल्म फेयर पुरस्कार भी दिया गया। तुषार कपूर ने इसके बाद क्या दिल ने कहा, जीना सिर्फ मेरे लिये, ये दिल, शर्त और गायब जैसी फिल्मों में अभिनय किया लेकिन कोई भी फिल्म टिकट खिड़की पर उनकी उम्मीदों पर खरी नही उतरी।वर्ष 2004 में तुषार को राजकुमार संतोषी की फिल्म खाकी में काम करने का अवसर मिला।अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, अजय देवगन जैसे मल्टीस्टारों के बावजूद तुषार ने अपनी छोटी सी भूमिका से दर्शकों का दिल जीत लिया। वर्ष 2005 में प्रदर्शित फिल्म क्या कूल है हम के जरिये तुषार कपूर ने अपने आप को एक नये अंदाज में दर्शकों के सामने पेश किया।इस फिल्म में तुषार कपूर ने रितेश देशमुख के साथ जोड़ी बनाकर अपने जबरदस्त हास्य अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया।वर्ष 2012 में इस फिल्म का सीक्वल क्या सुपर कूल है हम भी बनाया गया। वर्ष 2006 में प्रदर्शित फिल्म गोलमाल तुषार कपूर के करियर की सर्वाधिक कामयाब फिल्मों में शामिल की जाती है।

रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तुषार कपूर ने बिना कोई संवाद बोले दर्शकों को हंसाते हंसाते लोटपोट कर दिया।फिल्म की कामयाबी के बाद गोलमाल का सीक्वल गोलमाल रिटर्न और गोलमाल 3, गोलमाल अगेन भी बनाया गया है।वर्ष 2007 में प्रदर्शित फिल्म शूट आउट एट लोखंडवाला में तुषार के अभिनय का नया अंदाज दर्शकों को देखने को मिला।संजय गुप्ता के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तुषार ने अपने नकारात्मक किरदार से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। वर्ष 2011 में तुषार की द डर्टी पिक्चर जैसी सुपरहिट फिल्म प्रदर्शित हुयीं। वर्ष 2013 में तुषार कपूर ने सुपरहिट फिल्म शूट आउट एट बडाला में काम किया। तुषार को फिल्म इंडस्ट्री मे आये हुये लगभग दो दशक बीत चुके है। इस दौरान तुषार ने अपने विविधतापूर्ण किरदार से दर्शकों का मनोरंजन किया है।

गुड़ाचारी 2 में अदिवी सेष के साथ नजर आएंगी बनीता संधू

एजेंसियां

मुंबई : बॉलीवुड अभिनेत्री बनीता संधू अपनी आने वाली फिल्म गुड़ाचारी 2 में अदिवी सेष के साथ काम करती नजर आयेंगी। गुड़ाचारी 2 (जी2) एक्शन स्पाई थ्रिलर फिल्म है,जिसमें अदिवी सेष के साथ बनीता संधू की मुख्य भूमिका है। बनीता संधू ने बताया, गुड़ाचारी 2 मेरी पहली पैन इंडिया फिल्म है और मैं ऐसी अविश्वसनीय, दूरदर्शी टीम के साथ सहयोग करके बहुत उत्साहित हूं। यह ऐसी भूमिका है जो मैंने पहले कभी नहीं की है और मैं दर्शकों द्वारा मुझे बिल्कुल नए अवतार में देखने का इंतजार का मुझे बेसब्री से इंतजार है।इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए रचनात्मक आनंद होगा। अदिवि सेष ने कहा,मैं बनीता का जी 2 की दुनिया में हार्दिक स्वागत करता हूं, और एक अद्भुत सहयोग की आशा करता हूं। फिल्म गुड़चारी 2 का निर्माण टीजी विश्व प्रसाद और अभिषेक अग्रवाल द्वारा किया जा रहा है। यह फिल्म पीपल मीडिया फैक्ट्री, अभिषेक अग्रवाल आर्ट्स और एके एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनायी जा रही है जबकि विनय कुमार सिरिगिनेडी द्वारा निर्देशित है।

खुशबू तिवारी केटी और माही श्रीवास्तव का गाना 'लईका एगो सावरका' रिलीज

एजेंसियां

मुंबई : गायिका खुशबू तिवारी केटी और अभिनेत्री माही श्रीवास्तव का गाना 'लईका एगो सावरका' रिलीज हो गया है। 'लईका एगो सावरका' वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इस गाने को खुशबू तिवारी केटी ने गाया है।गाने की वीडियो में माही श्रीवास्तव नजर आ रही है। वीडियो में दिखाया गया है कि जब पहली बार किसी को मोहब्बत होती है तो अपने प्रेमी से दूर रहने पर जो तड़प होती है, जो बेकरारी होती है, वह सब माही श्रीवास्तव ने अपने अदाओं से बयां कर रही हैं।

'बन टिक्की' से बॉलीवुड में कमबैक करेंगी जीनत अमान

एजेंसियां

मुंबई : जानीमानी अभिनेत्री जीनत अमान फिल्म 'बन टिक्की' से बॉलीवुड में कमबैक करने जा रही है। जीनत अमान काफी समय से फिल्मों से दूर हैं।जीनत अमान मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की फिल्म 'बन टिक्की'के साथ फिल्मों में कमबैक करने की तैयारी कर रही हैं। इस फिल्म में उनके साथ शबाना आजमी और अभय देयोल मुख्य भूमिका में होंगे। मनीष मल्होत्रा ने बताया, द ग्रेट शबाना आजमी और जीनत अमान दोनों का मैं बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं। उनकी फिल्मों से लेकर उनके गानों से लेकर उनके कपड़ों तक। वे एक-दूसरे से बहुत अलग हैं और दोनों के पास यादगार फिल्में हैं, जो हम सभी को पसंद हैं। यह मेरे लिए बहुत खुशी की बात है कि जीनत अमान और शबाना जी दशकों के बाद हमारे दूसरी प्रोडक्शन फिल्म बन टिक्की के लिए एक साथ आ रही हैं। यह एक संवेदनशील फिल्म है, जिसे फराज आरिफ अंसारी द्वारा लिखा और निर्देशित किया गया है। दोनों के साथ फिल्म में अभय देओल नजर आएंगे। शूटिंग इस महीने शुरू हो रही है और हम सभी इस अनूठी फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित हैं। 'बन टिक्की' का निर्माण मनीष मल्होत्रा के बैनर, स्टेज 5 प्रोडक्शंस के तहत ज्योति देशपांडे, दिनेश मल्होत्रा और मरिजके देसूजा द्वारा किया जा रहा है।

डिजिटल प्लेटफार्म पर डेब्यू करेंगी जैकलीन फर्नांडीस

एजेंसियां

मुंबई : बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस डिजिटल प्लेटफार्म पर डेब्यू करने जा रही है। जैकलीन जिओ सिनेमा की वेब सीरीज जीओएटी (ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम) में काम करती नजर आएंगी।इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक शर्मा करेंगे।इस वेवसीरीज में जैकलीन के साथ नील नितिन मुकेश अहम भूमिका में होंगे। जैकलीन अपनी पहली वेब सीरीज को लेकर बहुत उत्साहित हैं। इस वेबसीरीज की शूटिंग मुख्यतः मुंबई में ही होगी।

प्रदेश >> अपडेट

अभिनेत्री विजयाशांति बनी कांग्रेस की मुख्य संयोजक

नयी दिल्ली: कांग्रेस ने हाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) छोड़कर पार्टी में लौटी पूर्व लोकसभा सदस्य और प्रसिद्ध अभिनेत्री विजयाशांति को तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए मुख्य समन्वयक और प्रचार समिति का संयोजक बनाया है। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने श्रीमती विजयाशांति के नेतृत्व वाली समन्वय समिति में 15 अन्य वरिष्ठ नेताओं को सदस्य नियुक्त किया है।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स >>

लाल प्याज के अच्छे भाव से किसान खुश

अलवर: राजस्थान के अलवर की लाल प्याज के अच्छे भाव के चलते इस बार किसान खुश नजर आ रहे हैं। लाल सोने के नाम से प्रसिद्ध अलवर की लाल प्याज अब मंडी में आ चुकी है और इस बार प्याज के भाव अच्छे होने से किसान खुश हैं। हालांकि हाल में हुई बारिश से किसानों को थोड़ी चिंता हुई। इस बार गत वर्ष की तुलना में प्याज की पैदावार अधिक हुई है और अलवर जिले के लिए किसानों की लाइफलाइन बनी लाल प्याज का उत्पादन का रकवा लगातार बढ़ता जा रहा है। अलवर के प्याज को पूरे देश की मंडियों तक पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार ने स्पेशल ट्रेन की शुरुआत की थी लेकिन फिलहाल ट्रेन से प्याज भेजना बंद है। अलवर में प्याज का रकबा 2020 में जहां 18500 हेक्टेयर था वहीं अब यह रकवा 2023 में 27000 हेक्टर तक पहुंच गया है । अनुमान है कि इस साल तीन लाख 55 हजार टन प्याज का उत्पादन होने के आसार है जो अलवर की अर्थव्यवस्था को गति देगा। बताया जा रहा है कि कई राज्यों में प्याज की फसल खराब होने के कारण देश भर के प्याज के व्यापारियों की नजर अलवर के प्याज पर टिकी है। अलवर की प्याज की गुणवत्ता भी लगातार

संक्षिप्त >> अपडेट्स

शर्मा ने छतरपुर मामले में कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

छतरपुर: मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने आज छतरपुर मे कलेक्टर संदीप जी आर और पुलिस अधीक्षक अमित सांघी को ज्ञापन सौंप कर राजगनर के पार्टी प्रत्याशी अरविंद पटेरिया के खिलाफ दर्ज हुए मामले की जांच की मांग की। शर्मा ने आरोप लगाया कि पटेरिया और 35 भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ गलत तरीके से मामला दर्ज हुआ है। उन्होंने इसकी जांच की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने आचार संहिता के दौरान छतरपुर जिले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह और उनके समर्थकों द्वारा धरना दिया जाने पर भी कार्रवाई की मांग की। ये पूरा मामला राज्य में मतदान के दिन राजनगर विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम सिंह नातीराजा के एक समर्थक की हत्या से जुड़ा है। नातीराजा का आरोप है कि भाजपा प्रत्याशी के समर्थकों ने उनके समर्थक सलमान पर गाड़ी चढ़ाकर उसकी हत्या कर दी। इस मामले में भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ भी मामला दर्ज हुआ है।

ट्रक से टकराकर बाइक सवार तीन लोगों की मृत्यु

सिवनी: मध्यप्रदेश के सिवनी जिले के छपारा थाना क्षेत्र में आज ट्रक से टकराने के कारण बाइक सवार तीन लोगों की मृत्यु हो गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सिवनी जबलपुर मार्ग पर छपारा थाना क्षेत्र के छपाराकला के पास हुए हादसे में बाइक सवार व्यक्तियों की पहचान तत्काल नहीं हो सकी। बताया गया है कि तीनों बाइक सवार सिवनी जिला मुख्यालय से जबलपुर की ओर जा रहे थे।

पड़ताल

हमास आतंकवादियों ने बलात्कार भी किया

इजरायली पुलिस वहां हुए अत्याचारों का साक्ष्य जुटा रही

- 1,200 इजरायली मारे गए और अधिक घायल हो गए
- 60,000 से अधिक वीडियो क्लिप एकत्र किए हैं
- अस्पताल अल-शिफा के नीचे विस्तृत सुरंगें बनाई हैं

एजेंसियां

तेल अवीव: इजराइल पर हमास के हमलों के बीच इजराइली पुलिस बलात्कार के मामलों का दस्तावेजीकरण करने के लिए फोरेंसिक साक्ष्य, वीडियो और गवाहों की गवाही और संदिग्धों से पूछताछ का उपयोग कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हिंसा में पकड़ी गई महिलाओं और लड़कियों के साथ यौन उत्पीड़न किया गया, साथ ही उन्हें शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया और मार डाला गया। पुलिस अधीक्षक डूडी काट्ज ने कहा कि अधिकारियों ने हमलों से संबंधित 1,000 से अधिक बयान और 60,000 से अधिक वीडियो क्लिप एकत्र किए हैं, जिनमें उन लोगों के खाते भी शामिल हैं जिन्होंने महिलाओं के साथ बलात्कार होते देखने की सूचना दी थी।

उन्होंने कहा कि जांचकताओं के पास प्रत्यक्ष गवाही नहीं है, और यह स्पष्ट नहीं है कि कोई बलात्कार पीड़िता जीवित बची है या नहीं। उस दिन गाजा के पास के गांवों और खेतों में लगभग 1,200 इजरायली मारे गए और अधिक घायल हो गए जब हमास के आतंकवादियों ने समन्वित हमलों में सीमा पार हमला किया, 240 से अधिक बंधकों को ले लिया और वर्तमान युद्ध की शुरूआत की। हमास-नियंत्रित गाजा के अधिकारियों के अनुसार, 11,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं। पुलिस आयुक्त शबताई याकोव ने कहा कि जांच संभावित रूप से अभियोजन का कारण बन सकती है, लेकिन अभी के लिए, दस्तावेजीकरण प्राथमिक मिशन है।

हमले के बाद घटनास्थल पर पहुंचने वाली इजरायली सेना और पुलिस ने भी कई ऐसी लाशों को देखकर पहले ही कहा था कि हमास आतंकवादियों ने महिलाओं के साथ बलात्कार किया था।

हिब्रू विश्वविद्यालय के मानवाधिकार कानून विशेषज्ञ कोचाव एल्कायम-लेवी ने अत्याचारों के सबूतों का दस्तावेजीकरण करने के लिए सहयोगियों के साथ एक नागरिक आयोग का गठन किया है, उन्हें डर है कि जैसे ही युद्ध गाजा और हजारों फिलिस्तीनियों के जीवन को तबाह करता है, दुनिया इस पर गौर करने को तैयार दिखती है। इजरायली महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा। एल्कायम-लेवी ने बताया, हम उनके साथ जो कुछ भी हुआ है उसे कभी नहीं जान पाएंगे। हम जानते हैं कि जिन महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया और जिन पर यौन हमला किया गया उनमें से अधिकांश की हत्या भी कर दी गई।

उन्होंने आतंकी हमलों के ठीक एक हफ्ते बाद संयुक्त राष्ट्र के एक बयान की ओर इशारा किया जिसमें यौन हिंसा का जिक्र नहीं था। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के बारे में कहा, यह सिर्फ चुप्पी या इजरायली महिलाओं के रूप में हमारे, हमारे बच्चों और हमारे लोगों के अपमान से कहीं अधिक बुरा है। जब वे हमें स्वीकार करने में, यहां जो कुछ हुआ उसे स्वीकार करने में विफल हो रहे हैं, तो वे मानवता को विफल कर रहे हैं।इस बीच इजरायली सेना ने वीडियो और फोटो जारी कर यह दावा किया है कि हमास ने गाजा के सबसे बड़े अस्पताल अल-शिफा के नीचे विस्तृत सुरंगें बनाई हैं। इजराइल का यह भी दावा है कि हमास द्वारा अगवा किए गए बंधक इसी सुरंग के अंदर कहीं छिपे हुए हैं। हालाँकि, सुरंग की खोज करने के बावजूद, उन्हें अभी भी कोई बंधक जीवित नहीं मिला।

पीटीआई के अली नवाज अवान आईपीपी में शामिल हुए

एजेंसियां

इस्लामाबाद: पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) नेता अली नवाज अवान इस्तेहकाम:ए:पाकिस्तान पार्टी (आईपीपी) में शामिल हो गए। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी के लिए इसे एक बड़ा झटका माना जा रहा है। जियो न्यूज के अनुसार, टीवी टॉक शो में पीटीआई का जोरदार बचाव करने वाले अवान ने आईपीपी प्रमुख जहांगीर तरीन और अध्यक्ष अलीम खान के साथ बैठक में यह घोषणा की। एक्स पर एक बयान में, आईपीपी ने पूर्व संघीय मंत्री के शामिल होने को नवगठित राजनीतिक दल के लिए एक बड़ी सफलता बताया।

एक अन्य पीटीआई नेता और पूर्व प्रांतीय मंत्री सरदार आसिफ नाकाई ने भी तरीन और अलीम के साथ एक बैठक में आईपीपी रैंक में शामिल होने की घोषणा की। गौरतलब है कि फैयाजुल हसन चौहान, फिरदौस आशिक अवान, मुराद रास, गुलाम सरवर खान सहित पीटीआई के कई नेता पांच महीने पहले ही आईपीपी में शामिल हो चुके हैं।

कांग्रेस की जनता के लिए सात गारंटी जनता एवं कांग्रेस की ताकत: गहलोत

एजेंसियां

अलवर: राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि कांग्रेस की जनता के लिए सात गारंटी राजस्थान की जनता की ताकत के साथःसाथ कांग्रेस की ताकत है। गहलोत सोमवार को यहां कांग्रेस प्रत्याशी अजय अग्रवाल के समर्थन में कंपनी बाग में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का नाम लिए बिना कहा कि उनके पास ईडी है तो हमारे पास जनता के लिए गारंटी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी कच्ची है और चुनाव के बाद पांच साल तक मोदी राजस्थान में नहीं आएंगे। काम तो राजस्थान के सरकार को करना होता है और किसी को मुख्यमंत्री पद पर थोप देंगे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सहित भाजपा नेता जाति और धर्म के नाम पर भड़का रहे हैं। लोकतंत्र खतरे में हैं उनके नेताओं के भाषण एक ही तरह के होते हैं। इनको अगर चर्चा करनी है तो कांग्रेस सरकार के कार्यकाल की करनी चाहिए। हमने जो पांच साल में काम किया है उसकी आलोचना करो। कहीं कोई कमी है उस पर बात करें लेकिन उनके पास कोई विजन नहीं है। गहलोत ने कांग्रेस सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने गारंटी दी है। कानून बनाए हैं। ग्रामीण इलाके में रोजगार के साथ शहरों में भी रोजगार योजना लागू की है। 25 लाख रुपए तक का बीमा दिया गया है। सौ यूनिट बिजली फ्री दी है। पेपरलीक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार सहित कई राज्यों में पेपरलीक हुए हैं लेकिन भाजपा के नेता राजस्थान के पेपर लीक की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में जब पेपर लीक हो रहे हैं ऐसे में प्रधानमंत्री को देखना चाहिए कि आखिर इसके पीछे क्या कारण है कि पेपरलीक हो रहे हैं।

पाकिस्तान उच्चतम न्यायालय एवं आईएचसी शरीफ के मामलों की सुनवाई करेंगे

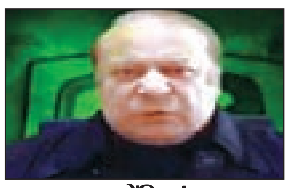

एजेंसियां

इस्लामाबाद: पाकिस्तान उच्चतम न्यायालय (एससी) और इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) सोमवार से पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की सजा के खिलाफ अपील पर सुनवाई करेंगे। आईएचसी के मुख्य न्यायाधीश अमीर फारूक और न्यायमूर्ति मियां गुल हसन औरंगजेब 21 नवंबर (मंगलवार) को आईएचसी की विशेष पीठ में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की सजा के खिलाफ अपील पर सुनवाई करेंगे। नवाज शरीफ ने दो मामलों में 10 महीने और 26 दिन जेल में बिताए। एवेनफील्ड संदर्भ परीक्षण 9 महीने और 28 दिनों तक चला। अलःअज़ीज़िया संदर्भ एक वर्ष तीन महीने 16 दिन तक चला। मुक़दमे के दौरान नवाज़ शरीफ़ और मरियम नवाज़ 100 से अधिक बार अदालत में पेश हुए। मरियम नवाज और कैप्टन सफदर को पहले ही बरी कर दिया गया है, जबकि राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने कहा है कि एवेनफील्ड फ्लैट्स मामले में नवाज शरीफ के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। इस मामले में उन्हें एक दो पेशी बरी करने के लिए है और अलःअज़ीज़िया संदर्भ में सज़ा नहीं दी गई थी। दोषी ठहराने वाले जज दिवंगत अरशद मलिक का यह कबूलनामा है। मामले को ख़ारिज किया जाना चाहिए या जवाबदेही अदालत को वापस भेजा जाना चाहिए। इस सप्ताह में मियां नवाज शरीफ के खिलाफ मामलों को लेकर काफी प्रगति होने की संभावना है।

इस बीच देशभर में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की जवाबदेही को लेकर काम करने वाली संस्था सर्वोच्च न्यायिक परिषद (एसजेसी) की सबसे अहम बैठक आज होगी। इसमें न्यायमूर्ति सरदार तारिक और न्यायमूर्ति मजाहिर अली अकबर नकवी के खिलाफ आवेदनों की समीक्षा की जाएगी। बैठक में न्यायमूर्ति मजाहिर नकवी और न्यायमूर्ति सरदार तारिक के खिलाफ शिकायतों की जांच की जाएगी। बैठक में न्यायमूर्ति मजाहिर नकवी की आपत्तियों पर भी विचार किया जाएगा। एसजेसी ने न्यायमूर्ति नकवी को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। परिषद की ओर से जस्टिस सरदार तारिक के खिलाफ शिकायतकर्ताओं को सबूतों के साथ तलब किया गया है।

टेक्सास की महिला को हत्या के मामले में 90 साल की सजा

एजेंसियां

ऑस्टिन : अमेरिका में टेक्सास प्रांत की एक महिला को पेशेवर साइकिल चालक की हत्या का दोषी पाए जाने पर 90 साल सजा सुनाई गई है। एनबीसी न्यूज ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी । रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल 11 मई, 2022 को अन्ना मोरिया विल्सन को उसकी प्रेमिका (35) ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। नवंबरः2022 को मुकदमा शुरू हुआ और ठीक एक साल बाद महिला को 90 साल जेल की सजा सुनाई गयी। केएक्सएएन के अनुसार, मृतक की प्रेमिका को हत्या के बाद हिरासत में लिया गया लेकिन उसने खुद को निर्दोष बताया और उसे छोड़ दिया गया। बाद में गिरफ्तारी के डर से उसने फर्जी पासपोर्ट बनवाकर देश से भागने का फैसला किया लेकिन

29 जून को कोस्टा रिका में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले, पुलिस ने इस मामले की गहराई से छानबीन की। इसमें पाया गया कि मृतक और उसकी प्रेमिका 2021 एकःदूसरे के संपर्क में थे और किसी कारणवश दोनों अलग हो गए। बाद में उन्होंने दोस्त बने रहने का फैसला किया लेकिन मृतक की प्रेमिका नाराज थी। इसलिए उसने गुस्से में आकर अपने प्रेमी की गोली मारकर हत्या कर दी। जांच के दौरान, मृतक की साइकिल उसकी प्रेमिका के घर पाए जाने के बाद प्रेमिका से पूछताछ की, जिसमें उसने यह सारा सच बता दिया।

प्रयास

यूक्रेन खुद को अधिक सुरक्षित बनाना चाहती है

सर्दी से पहले रूसी सेना को पीछे धकेलने की कोशिश जारी

- रूसी तोपखाना खेरसन से जितना दूर होगा, उतना अच्छा होगा
- तोड़फोड़, छापेमारी और टोह लेने की कार्रवाई की जा रही है

एजेंसियां

कियेब: यूक्रेन खुद को हमलों से बचाने के लिए रूसियों को निप्रो नदी के बाएं किनारे पर खेरसॉन से पीछे धकेलने की कोशिश कर रहा है। खेरसॉन मोर्चे पर निप्रो नदी के बाएं किनारे पर यूक्रेनी सशस्त्र बलों का एक लक्ष्य नागरिकों की रक्षा के लिए रूसियों को दाहिने किनारे से और दूर धकेलना है। इसके तहत यूक्रेनी रक्षा बलों ने खेरसॉन मोर्चे पर डीनिप्रो नदी के बाएं किनारे पर कई सफल कार्रवाइयां कीं। तोड़फोड़, छापेमारी और टोह लेने की कार्रवाई की जा रही है। कब्जाधारियों को गोला-बारूद और भोजन की रसद आपूर्ति के तरीकों की पहचान की जा रही है। विनाश के पारंपरिक तरीकों से उनके आगे विनाश के लक्ष्य के साथ रूसी कब्जे वाले बलों, तोपखाने की स्थिति आदि के कर्मियों और उपकरणों के स्थान पर टोही की जा रही है। भारी लड़ाई जारी है। इस कार्य का एक मुख्य लक्ष्य नागरिक आबादी को लगातार रूसी हमलों से बचाने के लिए दुश्मन को दाहिने किनारे से यथासंभव दूर धकेलना है। रूसी तोपखाना खेरसन से जितना दूर होगा, उतना अच्छा होगा।

यूक्रेन के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने कहा कि यूक्रेनी सेना ने रूसी सेना को महत्वपूर्ण नुकसान पहुंचाया, उपकरण और कर्मियों को नष्ट कर दिया। किलेबंदी की काफी गंभीर रेखा और रूसियों के मजबूत प्रतिरोध के बावजूद, जनरल स्टाफ ने कहा कि कई सफल ऑपरेशन किए गए। रूसी यूक्रेनी सैनिकों को उनकी स्थिति से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं, जिसके कारण उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। खास तौर पर कब्जाधारी लगभग हर दिन चार से दस ऐसी कोशिशें करते हैं। बाद के महत्वपूर्ण नुकसानों के परिणामस्वरूप, रूसियों को अन्य मोर्चों से इकाइयों को फिर से तैनात करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

न्यूज फटाफट

लाओस में एक माह में सड़क दुर्घटनाओं में 53 की मौत

वियनतियाने: लाओस में गत अक्टूबर में सड़क दुर्घटनाओं में कुल 53 लोग मारे गए । लाओ समाचार एजेंसी की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में अक्टूबर में कुल 458 घटनाएं दर्ज की गईं। इसमें 702 घायल और 53 मौतें हुईं और 828 वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। लाओ की राजधानी वियनतियाने में सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, इसके बाद चंपासाक और सवानाखेत प्रांतों का स्थान है। गौरतलब है कि दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण शराब पीकर गाड़ी चलाना, तेज गति, दिशा में अचानक बदलाव और ओवरटेकिंग शामिल है। अक्टूबर 2022 में, पूरे दक्षिण पूर्व एशियाई देश में 513 सड़क दुर्घटनाओं में 71 लोग मारे गए थे और 783 घायल हुए थे जबकि 915 वाहन क्षतिग्रस्त हुए।

जापान में भूकंप के झटके, दो लोग घायल

टोक्यो: जापान के आओमोरी प्रान्त में सोमवार को तीव्र भूकंप के झटके महसूस हुए। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) के अनुसार, स्थानीय समयानुसार आज सुबह करीब 06:01 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.8 पर मापी गयी। भूकंप का केंद्र पूर्वी चिबा प्रान्त में जमीन से 50 किमी की गहराई में, 41.2 डिग्री उत्तर अक्षांश और 142.3 डिग्री पूर्व देशांतर में था। स्थानीय अग्निशमन विभाग ने कहा कि निकासी के दौरान टूटे शीशे से दो किशोर घायल हो गए।

पाकिस्तान की महिला ने पहली बार की मिस यूनीवर्स प्रतियोगिता में शिरकत

इस्लामाबाद: पाकिस्तान की एरिका रोबिन पहली ऐसी महिला बनी है जिसने मिस यूनीवर्स प्रतियोगिता 2023 में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया और टॉप 20 प्रतियोगियों की सूची में जगह भी बनायी। अल अल्वाडोर में सान सल्वाडोर के जोस एडोल्फ पिनेडा में इस प्रतियोगता में हिस्सा लेकर एरिका पहली पाकिस्तानी महिला बनी जिसने इस सौंदर्य प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। सौंदर्य प्रतियोगिता के 72वें संस्करण के दौरान 24 वर्षीय एरिका शीर्ष 20 प्रतियोगियों की सूची में जगह बनाने में सफल रहीं। सौंदर्य प्रतियोगिता में 80 से अधिक देशों ने भाग लिया। पाकिस्तान की पहली प्रतियोगी ने स्विमसूट प्रतियोगिता के दौरान एक जोरदार बयान दिया। एरिका ने सैन साल्वाडोर में शनिवार को मिस यूनिवर्स स्टेज पर अपनी वॉक शुरू करते ही भीड़ को चौंका दिया। गौरतलब है कि रॉबिन को इस साल सितंबर में ' मिस यूनिवर्स पाकिस्तान' का ताज पहनाया गया था। लगभग 90 देशों के उम्मीदवारों के बीच गहन विवाद के बाद, मिस निकारागुआ 72वीं मिस यूनिवर्स के रूप में उभरीं।

बंगलादेश में डेंगू के 1291 नये मामले , छह लोगों की मौत

ढाका: बंगलादेश में रविवार को डेंगू के 1,291 नए मामले सामने आये और इससे छह लोगों की मौतें हो जाने से इस साल जनवरी से अब तक मामलों की कुल संख्या बढ़कर 301,225 हो गई और मरने वालों की संख्या 1,549 पहुंच गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने यह जानकारी दी है। डीजीएचएस की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार नवंबर में पहले 19 दिनों के दौरान, पिछले महीने 67,769 लोगों के मच्छर जनित बीमारी से संक्रमित होने के बाद 30,080 अधिक डेंगू के मामले दर्ज किए गए थे। डीजीएचएस ने कहा कि देश में ठीक हुए मरीजों की कुल संख्या 294,757 है, जिसमें रविवार को ठीक हुए 1,522 मरीज भी शामिल है। बंगलादेश में सितंबर में डेंगू के मामलों में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई। इस माह में 79,598 नए संक्रमण मामले और 396 लोगों की मौतें दर्ज की गईं। उल्लेखनीय है कि एडीज मच्छर के काटने से फैलने वाला डेंगू बुखार एक गंभीर बीमारी का कारण बनता है जिसके बाद आमतौर पर सिरदर्द, तेज बुखार, थकावट, मांसपेशियों और जोड़ों में गंभीर दर्द, ग्रंथियों में सूजन, उल्टी और दाने जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

आस्ट्रेलिया के लोग पहले चंद्रमा रोवर के नाम पर मतदान करेंगे

कैनबरा: आस्ट्रेलिया के लोगों को देश के पहले चंद्रमा रोवर के नाम पर वोट करने का अवसर दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई अंतरिक्ष एजेंसी (एएसए) ने सोमवार को रोवर के लिए चार नामों की घोषणा की, जिन्हें जनता से मिली 8,000 से अधिक प्रविष्टियों में से चुना गया। आस्ट्रेलियाई लोग सोमवार से एक दिसंबर तक, इस बात पर मतदान कर सकेंगे कि रोवर का नाम कूलामोन, काकीरा, मेटशिप या रू:वेर रखा जाएगा या नहीं। विजेता की घोषणा 06 दिसंबर को की जाएगी। एएसए ने बताया कि कूलामोन एक जहाज है जिसका उपयोग स्वदेशी आस्ट्रेलियाई लोगों द्वारा इकट्ठा करने और ले जाने के लिए किया जाता है। काकीरा का अर्थ दक्षिण ऑस्ट्रेलिया (एसए) के कौरना आदिवासी लोगों की भाषा में चंद्रमा है जहां एएसए आधारित है। मेटशिप ऑस्ट्रेलिया में एक सांस्कृतिक शब्द है दोस्ती और रू-वेर का एक राष्ट्रीय चरित्र गुण ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित कंगारुओं को शामिल करता है।

चीन में भूकंप के झटके

बीजिंग: चीन के टोंगा द्वीप समूह में मध्यम दर्जे के भूकंप के झटके महसूस किए गए। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्थानीय समयानुसार रविवार देर रात करीब 23:15 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.4 मापी गयी।

आज का इतिहास

- 1877 : प्रसिद्ध वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन ने विश्व के सामने पहला फोनोग्राफ पेश किया।
- 1906 :चीन ने अफीम के व्यापार पर रोक लगाई।
- 1921 :प्रिंस ऑफ वेल्स (सम्राट एडवर्ड अष्टम) बॉंबे (अब मुंबई) पहुंचे और कांग्रेस ने देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया।
- 1941 :गुजरात की पहली मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल का जन्म।
- 1947 :आजादी के बाद देश में पहली बार डाक टिकट जारी किया गया।
- 1956 :एक प्रस्ताव लाकर शिक्षक दिवस को स्वीकृति दी गई थी।
- 1962 :भारत:चीन सीमा विवाद के दौरान चीन ने संघर्षविराम का ऐलान किया।
- 1963 :केरल के थुंबा क्षेत्र से रॉकेट छोड़े जाने के साथ ही भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम शुरु हुआ।
- 1979 :मक्का में काबा मस्जिद पर मुस्लिम उग्रवादियों का अधिकार।
- 1986 :मध्य अफ्रीकी गणराज्य ने संविधान अंगीकार किया।
- 1999 :चीन द्वारा अपने प्रथम मानव रहित अंतरिक्ष यान शेनझू का प्रक्षेपण किया गया।
- 2001 :संयुक्त राष्ट्र ने अफ़ग़ानिस्तान में अंतरिम प्रशासन के गठन का प्रस्ताव रखा।
- 2002 :मुस्लिम लीग (कायदे आजम) के नेता जफ़रउल्ला ख़ान जमाली पाकिस्तान के प्रधानमंत्री निर्वाचित।
- 2005 :लंका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने पूर्व प्रधानमंत्री रत्नसिरी विक्रमनायके को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया।
- 2006 :भारत और चीन ने नागरिक परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में साझा सहयोग बढ़ाने का फैसला किया।
- 2007 :पैप्सिको चैयरमैन इंदिरा नूई को अमेरिकी इंडियन बिजनेस काउंसिल के निदेशक मंडल में शामिल किया गया।
- 2008 :प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने वैश्विक मंदी के बावजूद भारत की आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत रहने की संभावना व्यक्त की।
- 2009 :प्रसिद्ध शिक्षाविद्, हिंदी लेखक, साहित्यिक आलोचक और समाज सुधारक कल्याण मल लोढ़ा का निधन।
- 2021 :प्रसिद्ध भारतीय पंजाबी गायिका गुरमीत बावा का निधन।

राष्ट्रीय ख़बर
हमारी नज़र

प्रथम पृष्ठ 2

रांची मंगलवार 12

web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rastriyakhabar.com

21-11-2023

आस्था का महापर्व छठ धूमधाम से हुआ संपन्न

छाया : राष्ट्रीय खबर